06 अगस्त, 2025
श्रावण, शुक्ल पक्ष, द्वादशी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 10, अंक 287

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

# आजाद सिपाही


गुरुजी को अंतिम विदाई देने उमड़ा हर आम और खास

# अनंत यात्रा पर झारखंड के 'योद्धा'

## नेमरा में राजकीय सम्मान के साथ किया गया गुरुजी का अंतिम संस्कार

- अश्रुपूर्ण नेत्रों से दी गयी विदाई, पुत्र हेमंत सोरेन ने दी मुखाग्नि
- रांची से नेमरा तक जिसे जहां लगा मौका गुरुजी को किया नमन
- विधानसभा में राज्यपाल और विधायकों ने दी श्रद्धांजलि
- खड़गे, राहुल, तेजस्वी, संजय सिंह समेत अन्य नेता हुए शामिल
- अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा

बीरू कुमार/अंजनी कुमार

**रांची/रामगढ़/नेमरा (आजाद सिपाही)।** झारखंड के 'योद्धा' दिशोम गुरु शिबू सोरेन मंगलवार को अनंत यात्रा पर चले गये। पूरे राजकीय सम्मान और आदिवासी परंपरा के साथ रामगढ़ स्थित पैतृक गांव नेमरा में उनका अंतिम संस्कार किया गया। पुत्र सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुखाग्नि दी। गुरुजी के अंतिम दर्शन के लिए नेमरा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। सभी ने नम आंखों से अपने नेता को अंतिम विदाई दी। उनके अंतिम दर्शन में केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव, आप सांसद संजय सिंह समेत देश के कई जाने-माने नेता शामिल हुए। इससे पहले मंगलवार सुबह गुरुजी के पार्थिव शरीर को उनके मोरहाबादी आवास से विधानसभा लाया गया। यहां राज्यपाल संतोष गंगावर, विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो के अलावा सासंदों, विधायकों, राजनीतिक दलों के नेताओं, झारखंड के अधिकारियों और कर्मियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

बताते चलें कि गुरुजी का सोमवार को दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में निधन हुआ था। सुबह करीब 8.30 बजे खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा 'दिशोम गुरु हम सभी को छोड़कर चले गये हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं।' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य नेतागण अस्पताल पहुंच कर गुरुजी को श्रद्धांजलि दी और हेमंत सोरेन का ढाढ़स बंधाया। सोमवार शाम करीब 7.30 बजे गुरुजी के पार्थिव शरीर को दिल्ली से रांची लाया गया। पार्थिव शरीर को रात में उनके मोरहाबादी आवास पर रखा गया था। मंगलवार को सुबह करीब दस बजे पार्थिव शरीर को विधानसभा लाया गया, फिर वहां से रामगढ़ स्थित नेमरा गांव ले जाये गया। जहां अंतिम संस्कार हुआ।

**शाम करीब 4.30 बजे मुखाग्निः** नेमरा गांव में गुरुजी के पुत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस मौके पर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार, दीपिका पांडेय सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, मिथिलेश ठाकुर, बेबी देवी, योगेंद्र साव, बेरमो विधायक अनूप सिंह, रामगढ़ विधायक ममता देवी, मथुरा महतो, राजेश कच्छप, पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, बिरंची नारायण, अंबा प्रसाद, अर्जुन राम, झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, प्रवक्ता विनोद पांडेय, विनोद किस्कू, चित्रगुप्त महतो, आलम अंसारी सहित राज्यभर से विभिन्न राजनीतिक दलों के सैकड़ों प्रमुख नेता और हजारों लोग मौजूद थे।

### विधानसभा में दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

मंगलवार सुबह करीब 10 बजे मोरहाबादी आवास से गुरुजी अंतिम यात्रा पर रवाना हुए। उनके पार्थिव शरीर को झारखंड विधानसभा लाया गया। यहां विशिष्ट लोगों और अधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। यहां गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, केंद्रीय मंत्री जुम्मेल उरांव, अन्नपूर्णा देवी संजय सेठ समेत झामुमो, भाजपा और कांग्रेस के कई विधायक और झारखंड सरकार के मंत्री मौजूद के अलावा अधिकारी, कर्मचारी और भारी संख्या में अन्य लोग मौजूद थे।

### 'अमर रहे शिबू' से गूंजा वातावरण

विधानसभा से करीब 12 बजे नेमरा गांव के लिए यात्रा शुरू हुई। रांची से रामगढ़ तक सड़क के दोनों ओर लोग खड़े दिखे। सभी ने नम आंखों से गुरुजी को विदा किया। रास्ते में जगह-जगह फूल बरसाये गये। दिशोम गुरु के पार्थिव शरीर पर पुष्प उछाल कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। पूरा रास्ता 'शिबू सोरेन अमर रहे' के नारे से गुंजायमान रहा। नेमरा में जनसैलाब उमर पड़ा था। पूरा गांव गम में डूबा हुआ था। हर किसी की आंखें नम थीं। दोपहर करीब 2.30 बजे गुरुजी का पार्थिव शरीर नेमरा पहुंचा।

### झलका दर्द, फूट-फूट कर रोये सभी, कल्पना ने रूपी सोरेन को संभाला

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर उनके पैतृक आवास से पारंपरिक रीति-रिवाजों को पूरा करने के बाद बाहर निकाला गया। गुरु जी के दोनों पुत्र हेमंत सोरेन और बसंत सोरेन समेत अन्य परिजनों ने मिलकर पार्थिव शरीर को आवास से बाहर निकाला। शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को जब घाट पर ले जाने की तैयारी चल रही थी, उससे पहले पत्नी रूपी सोरेन फफक कर रो पड़ीं। बहू कल्पना सोरेन रोते हुए उन्हें संभाल रही थीं। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन फूट-फूट कर रो पड़े। बसंत सोरेन, सीता सोरेन समेत परिवार के अन्य सदस्य हों या फिर वहां मौजूद गांव के लोग, सभी की आंखों से आंसू निकल आये।

## घाट पर शव पहुंचते ही रो पड़ा आसमान

पैतृक गांव नेमरा घाट पर जैसे ही शव लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहुंचे, आसमान भी रो पड़ा। झारखंड की अस्मिता की लड़ाई लड़ने वाले लाल को प्रकृति ने भी अंतिम विदाई दी। श्मशान घाट पर जैसे ही शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर रखा गया झमाझम बारिश शुरू हो गयी। ऐसा लगा अपने इस लाल के निधन पर आसमान भी रो रहा है।

**धान के खेत में बनाया गया रास्ता :** दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार गांव के ही बड़की नाला तट पर हुआ। घर से लगभग 600 मीटर की दूरी पर स्थित श्मशान घाट में जाने के लिए रास्ते भी बनाये गये थे। कई खेतों में फसल को हटाकर नेमरा के लोगों ने रास्ता बनाया, ताकि बाबा को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जा सके।

### दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

रामगढ़ जिले में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की शव यात्रा काफी लंबी रही। जैसे ही रामगढ़ जिले में शव वाहन ने प्रवेश किया, लोग उनके दर्शन के लिए पीछे-पीछे भागने लगे। मुख्यमंत्री का भावुक चेहरा देख हर कोई और भी गमगीन हो जा रहा था। जिस पिता के साये में हेमंत सोरेन ने ना सिर्फ राजनीति सीखी, बल्कि झारखंड को एक अलग पायदान पर लेकर गये, आज हेमंत सोरेन के सिर से पिता का साया उठा, तो रामगढ़ जिलावासी भी खुद को अनाथ ही समझने लगे। जिलावासी शिबू सोरेन को अपने पिता समान ही मानते थे।

## मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट

# आपका वचन निभाउंगा...

आजाद सिपाही संवाददाता

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार सुबह सोशल मीडिया पर पिता गुरुजी को लेकर कविता के रूप में एक भावुक पोस्ट किया। उस पोस्ट को हू-ब-हू प्रकाशित किया जा रहा है।

**मैं अपने जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहा हूं।**
मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया,
झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया।
मैं उन्हें सिर्फ 'बाबा' नहीं कहता था
वे मेरे पथप्रदर्शक थे, मेरे विचारों की जड़ें थे,
और उस जंगल जैसी छाया थे
जिसने हजारों-लाखों झारखंडियों को
धूप और अन्याय से बचाया।
**मेरे बाबा की शुरुआत बहुत साधारण थी।**
नेमरा गांव के उस छोटे से घर में जन्मे,
जहां गरीबी थी, भूख थी, पर हिम्मत थी।
बचपन में ही उन्होंने अपने पिता को खो दिया
जमींदारी के शोषण ने उन्हें एक ऐसी आग दी
जिसने उन्हें पूरी जिंदगी संघर्षशील बना दिया।
मैंने उन्हें देखा है
हल चलाते हुए,
लोगों के बीच बैठते हुए,
सिर्फ भाषण नहीं देते थे,
लोगों का दुःख जीते थे।
**बचपन में जब मैं उनसे पूछता था:**
'बाबा, आपको लोग दिशोम गुरु क्यों कहते हैं?'
तो वे मुस्कुराकर कहते:

'क्योंकि बेटा, मैंने सिर्फ उनका दुख समझा
और उनकी लड़ाई अपनी बना ली।'
वो उपाधि न किसी किताब में लिखी गयी थी,
न संसद ने दी -
झारखंड की जनता के दिलों से निकली थी।
'दिशोम' मतलब समाज,
'गुरु' मतलब जो रास्ता दिखाये।
और सच कहूं तो
बाबा ने हमें सिर्फ रास्ता नहीं दिखाया,
हमें चलना सिखाया।
बचपन में मैंने उन्हें सिर्फ संघर्ष करते देखा, बड़े बड़ों से टक्कर लेते देखा
मैं डरता था
पर बाबा कभी नहीं डरे।
वे कहते थे
'अगर अन्याय के खिलाफ खड़ा होना अपराध है,
तो मैं बार-बार दोषी बनूंगा।'
**बाबा का संघर्ष कोई किताब नहीं समझा सकती।**
वो उनके पसीने में, उनकी आवाज में,
और उनकी चप्पल से ढकी-फटी एड़ी में था।
जब झारखंड राज्य बना,
तो उनका सपना साकार हुआ
पर उन्होंने कभी सत्ता को उपलब्धि नहीं माना।
उन्होंने कहाः
'ये राज्य मेरे लिए कुर्सी नहीं
यह मेरे लोगों की पहचान है।'
आज बाबा नहीं हैं,
पर उनकी आवाज मेरे भीतर गूंज रही है।
**मैंने आपसे लड़ना सीखा बाबा, झुकना नहीं।**
मैंने आपसे झारखंड से प्रेम करना सीखा
बिना किसी स्वार्थ के।
अब आप हमारे बीच नहीं हो,
पर झारखंड की हर पगडंडी में आप हो।
हर मांदर की थाप में,
हर खेत की मिट्टी में,
हर गरीब की आंखों में आप झांकते हो।
**आपने जो सपना देखा**
**अब वो मेरा वादा है।**
मैं झारखंड को झुकने नहीं दूंगा,
आपके नाम को मिटने नहीं दूंगा।
आपका संघर्ष अधूरा नहीं रहेगा।
बाबा, अब आप आराम कीजिए।
आपने अपना धर्म निभा दिया।
अब हमें चलना है
आपके नक्शे-कदम पर।
झारखंड आपका कर्जदार रहेगा।
मैं, आपका बेटा,
**आपका वचन निभाऊंगा।**
वीर शिबू जिंदाबाद - जिंदाबाद, जिंदाबाद
दिशोम गुरु अमर रहें।
**जय झारखंड, जय जय झारखंड।**


A PIONEER GROUP OF NORTHERN INDIA, STREAMING IN JHARKHAND
SAI NATH UNIVERSITY
Established in 2012
Established under Jharkhand Govt. Act No. 15 of 2012 & Recognized as per Section 2 (f) of UGC Act, 1956

APPROVALS: Established under Jharkhand Govt. Act. No. 15 of 2012 | Recognized under section 2 (f) of UGC Act. | Member of AIU | App. by NCTE for Education Programme | App. by PCI for D.Pharma | App. by BCI for Law Programme | Approved by INC

Admission 2025-26

पॉलिटेक्निक
Diploma Engineering : Approved by AICTE

| SN. | Courses | Duration | Eligibility |
| --- | --- | --- | --- |
| 1. | B.Tech. Mining | 4 Yrs. | 10+2 |
| 2. | Diploma in Engg. | 3 Yrs. | 10th |
| 3. | Diploma Engg. (Lateral) | 2 Yrs. | 10+2 with Math / ITI |

• MINING ENGG • ELEC. ENGG. • MECH. ENGG. • CIVIL ENGG.

EDUCATION PROGRAMME (Approved by NCTE)

| SN. | Courses | Duration | Eligibility |
| --- | --- | --- | --- |
| 1. | D.El.Ed./PTT | 2 Yrs. | 10+2 |
| 2. | M.Ed. | 2 Yrs. | B.Ed. |
| 3. | B.Ed.-M.Ed. | 3 Yrs. | Post Graduation |
| 4. | B.Ed.* | 2 Yrs. | Graduation |

* (Entrance: Jharkhand Combined)

MANAGEMENT/COMPUTER

| SN. | Courses | Duration | Eligibility |
| --- | --- | --- | --- |
| 1. | MBA | 2 Yrs. | Graduation |
| 2. | BBA | 3 Yrs. | 10+2 |
| 3. | BCA | 3 Yrs. | 10+2 |

PHYSICAL EDUCATION (Approved by NCTE)

| SN. | Courses | Duration | Eligibility |
| --- | --- | --- | --- |
| 1. | B.P.Ed. | 2 Yrs. | Bachelor Degree |
| 2. | D.P.Ed. | 2 Yrs. | 10+2 |

PHARMACY/ NURSING/ PARAMEDICAL

| SN. | Courses | Duration | Eligibility |
| --- | --- | --- | --- |
| 1. | B.Sc Nursing | 4 Yrs. | 10+2 (PCB) |
| 2. | B-Pharmacy | 4 Yrs. | 10+2 with Science. |
| 3. | D-Pharmacy | 2 Yrs. | 10+2 with Science. |
| 4. | B.Sc. MLT | 3 Yrs. | 10+2 (In Any Stream) |
| 5. | ANM | 2 Yrs. | 10+2 (In Any Stream) |
| 6. | GNM | 3 Yrs. | 10+2 (In Any Stream) |

LAW PROGRAMME (Approved by BCI)

| SN. | Courses | Duration | Eligibility |
| --- | --- | --- | --- |
| 1. | LL.M. | 2 Yrs. | LL.B |
| 2. | LL.B. (Hons.) | 3 Yrs. | Graduation |
| 3. | B.A. - LL.B. (Hons.) | 5 Yrs | 10+2 |

Students selected in Judiciary services of different states

AGRICULTURE

| SN. | Courses | Duration | Eligibility |
| --- | --- | --- | --- |
| 1. | B.Sc. Agriculture (Hons.) | 4 Yrs. | 10+2 with Science |
| 2. | M.Sc. Agriculture | 2 Yrs. | B.Sc. Agriculture |

Sai Nath University having NCC Unit. In Campus Separate Boys & Girls Hostel
Campus : Jirawar, Chandway-Kuchu Road, Ormanjhi, Ranchi (Jharkhand)
7970408015, 7461073943, 9798354837, 7004836620, 6204313818
E-mail: sainathuniversity@ymail.com , Website: www.sainathuniversity.com

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
200000 Subscribers
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in


# जंगल से संसद तक झारखंड की आवाज बने शिबू सोरेन

## ■ अपने खून-पसीने से लिखी झारखंड आंदोलन की बेमिसाल कहानी

## ■ इसलिए शिबू सोरेन को झारखंड का 'नेल्सन मंडेला' भी कहा जाता है

## ■ झारखंड की सियासत में उनकी कमी को भावी पीढ़ियां महसूस करेंगी

आजाद सिपाही विशेष

**भारत के राजनीतिक इतिहास में झारखंड आंदोलन दरअसल आदिवासी पहचान की वह कहानी है, जिसे दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने खून-पसीने से लिखा। 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ के नेमरा गांव में जन्मे शिबू सोरेन ने बचपन में साहूकारों की लूट देखी, खनन कंपनियों का लालच देखा। 10 बार सांसद, तीन बार मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री और उससे भी बढ़ कर उन्होंने तीर-कमान से नहीं, बल्कि संघर्ष और अपनी सियासी चालों से आदिवासियों को उनका हक दिलाया। अलग झारखंड का सपना देखने वाले कई लोग थे, पर उसे सच करने वाला सिर्फ एक नाम था— दिशोम गुरु। लोग कहते हैं, गुरुजी सिर्फ नेता नहीं थे, आंदोलन की आत्मा थे। उनके समर्थकों के लिए वे एक विचार थे, एक प्रतिरोध की पहचान। नेमरा के छोटे से घर से निकल कर जंगलों के रास्ते लोकतंत्र के बियाबान मुंडेरों तक का शिबू सोरेन का सफर कहीं से भी आसान नहीं रहा और होना भी नहीं था। किसी आंदोलन को कुछ समय तक नेतृत्व देना आसान होता है, लेकिन किसी आंदोलन को तीन दशक तक नेतृत्व देना और फिर किसी औघड़ की तरह सब कुछ त्याग कर उसी जनता के पास लौट जाना बेहद कठिन होता है। दुनिया के राजनीतिक इतिहास में ऐसा करनेवाले तीन ही शख्स हुए हैं। महात्मा गांधी, नेल्सन मंडेला और शिबू सोरेन। इसलिए शिबू सोरेन को 'झारखंड का नेल्सन मंडेला' भी कहा जाता है। शिबू सोरेन ने झारखंड आंदोलन को वह आवाज दी, जिसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की थी। आदिवासी चेतना को उन्होंने न केवल जगाया, बल्कि उसे उसका अधिकार दिलाया। इसलिए आज दुनिया भर के आदिवासी झारखंड के आदिवासियों से प्रेरणा लेते हैं। शिबू सोरेन के व्यक्तित्व के इस असाधारण पहलू के बारे में बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

शिबू सोरेन 'झारखंड के नेल्सन मंडेला' और भारत वर्ष में आदिवासी समुदाय के सबसे बड़े नेता के रूप में याद किये जायेंगे। उन्होंने झारखंड राज्य की परिकल्पना की। झारखंडी संस्कृति, अस्मिता और पहचान को राजनीतिक धरातल पर उतारा। झारखंड के राजनीति क्षितिज पर उभरे शिबू सोरेन की संघर्ष गाथा एक छोटे से गांव नेमरा के अत्याचारी और आततायी सूदखोरों और महाजनों के शोषण, उत्पीड़न और दोहन के विरोध से शुरू हुई। वह चिंगारी, जो नितांत स्थानीय स्तर पर अन्याय और शोषण के खिलाफ प्रस्फुटित हुई। प्रतिकूलताओं से लड़ने-जूझने और सामाजिक, आर्थिक समस्याओं से टकराने का जज्बा बालक शिबचरण मांझी को काफी अल्प आयु में प्राप्त हुआ, जब उनके शिक्षक पिता सोबरन मांझी की हत्या समाज के दबंग ठेकेदार, सूदखोर और महाजनों द्वारा कर दी गयी। संघर्ष के दिनों में बालक शिबचरण मांझी का नाम शिबू सोरेन में बदल गया।

### छोटी शुरुआत, लेकिन सिस्टम को बड़ी चुनौती

भारतीय राजनीति में झारखंड आंदोलन दरअसल आदिवासी पहचान की वह कहानी है, जिसे दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अपने खून-पसीने से लिखा। 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ के नेमरा गांव में जन्मे शिबू सोरेन ने बचपन में साहूकारों की लूट देखी, खनन कंपनियों का लालच देखा। 1969 का अकाल, जब सरकारी गोदामों में अनाज सड़ रहा था और आदिवासी भूख से मर रहे थे, ने उनके भीतर ज्वाला भर दी। उन्होंने कसम खायी—जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ी जायेगी। नेमरा (रामगढ़) की गलियों से उठी उनकी आवाज ने 1960-70 के दशक में आवाम को झकझोरा। जब धनकटनी आंदोलन शुरू हुआ, तब आदिवासी महिलाएं खेतों से धान काट कर ले जाती थीं, पुरुष तीर-कमान लिये पहरे पर खड़े रहते थे। पर सिस्टम भी था—सरेंडर, गिरफ्तारी, गिरफ्तारी वारंट तक जारी। शिबू सोरेन की शुरुआत छोटी थी, पर असर बड़ा। धान जब्ती आंदोलन से शिबू सुर्खियों में आये। साहूकारों के गोदामों से अनाज निकालना, तीर-कमान लिये आदिवासी पहरेदारों का पहरा—यह केवल विरोध नहीं था, यह सिस्टम को सीधी चुनौती थी।

### ऐसे बनी नयी पहचान

एक दिन शिबू सोरेन पारसनाथ के जंगलों में छिप गये। वहीं से आंदोलन चला—'बाहरी' लोगों को निकालो, कझारखंड को शोषण से मुक्त करोत। सपनों के इस आंदोलन ने उन्हें 'दिशोम गुरु' की पहचान दी। 1973 में उन्होंने एके राय और बिनोद बिहारी महतो के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा बनायी। उस समय उनके नारे गूंजते थे 'हमारी जमीन हमारी है, कोई दीकु (बाहरी) नहीं छीन सकता।' इसके साथ ही झारखंड आंदोलन तेज होने लगा।

### झामुमो की स्थापना की और उसे जिंदा रखा

उस समय झामुमो का बनना कोई आसान बात नहीं थी। राजनीतिक विरोध, विभाजन और मानसिक खींचतान के बीच उन्होंने पार्टी को जीवंत रखा। तब लालू यादव ने 1998 में कहा था, झारखंड मेरी लाश पर ही बनेगा। लेकिन शिबू सोरेन ने सभी विरोधों को पार करते हुए, कांग्रेस, राजद और भाजपा से गठबंधन बनाया और बातचीत से राज्य का मामला संसद तक पहुंचाया।

### राजनीति के शतरंज में माहिर खिलाड़ी

शिबू सोरेन ने समझ लिया था कि झारखंड का सपना सिर्फ जंगलों में धरना देकर पूरा नहीं होगा। इसके लिए दिल्ली की सत्ता के दरवाजे खोलने होंगे। और यही उन्होंने किया। 1989 में वीपी सिंह की सरकार को समर्थन, 1993 में नरसिंह राव को अविश्वास मत से बचाना, फिर 1999 में वाजपेयी की एनडीए सरकार से डील—शिबू हर बार सही मोड़ पर सही दांव खेलते रहे। कहा जाता है कि गुरुजी का भरोसा सिर्फ लिखित वादों पर था, शब्दों पर नहीं। और हुआ भी वही। 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर झारखंड बना। जयपाल सिंह मुंडा ने आंदोलन की शुरुआत की थी, लेकिन उसे मंज़िल तक पहुंचाने वाला नाम था शिबू सोरेन।

### कॉरपोरेट से जंग, जीती भी, हारी भी

शिबू सोरेन की राजनीति का मूल था—आदिवासी पहचान और जल-जंगल-जमीन की रक्षा। उन्होंने सरहुल जैसे त्योहारों को विरोध का मंच बनाया। खदान मजदूरों को संगठित किया और खनन कंपनियों की नाक में दम किया। उनकी पहल पर पेसा कानून आया, जिसने ग्राम सभाओं को जमीन पर फैसला लेने का अधिकार दिया। 2006 का वन अधिकार कानून भी उनकी जिद का नतीजा था। सरहुल जैसे त्योहारों को विरोध-अवसर में बदला, कंपनियों की चौकी को बाधित किया। लेकिन फिर भी व्यापार-शक्ति रास्ते में आयी कॉरपोरेट का कॉकस नहीं टूटा। खनिज संपदा पर कंपनियों की पकड़ कायम रही। झारखंड से अरबों का कोयला और लौह अयस्क दिल्ली तक गया, पर गांवों तक सिर्फ गरीबी पहुंची। यही विडंबना है। झारखंड अलग राज्य तो बना, पहचान मिली, पर आर्थिक न्याय अब भी अधूरा है।

### चिरूडीह कांड ने बनाया महानायक

संताल परगना का चिरूडीह कांड संथाल विद्रोह की ही एक क्रांति की अभिव्यक्ति था। इसी के बाद शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के महानायक बन गये। 23 जनवरी 1975 को चिरूडीह कांड हुआ, जिसके बाद शिबू सोरेन ने जो विद्रोह का बिगुल बजाया, उसका नतीजा है कि संतालों की जमीन महाजनों के कब्जे से मुक्त हो गयी। दो फरवरी 1979 को दुमका में पहली प्रमंडलीय स्तर की रैली आयोजित की गयी। इस रैली में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर ने स्वयं दुमका आकर शिबू सोरेन के साथ मंच साझा किया। कर्पूरी ठाकुर ने अपने संबोधन में शिबू सोरेन को आदिवासियों का महान नेता कहा था।

### मुकदमे, सजा और जनता का अटूट विश्वास

दिशोम गुरु का सफर सियासत और मुकदमों की सफेद-स्याह परछाइयों और विवादों से भरा रहा। 975 में बाहरी-विरोधी अभियान, जिसमें 11 मौतें हुईं। उन पर हत्या का आरोप लगा। 1993 के अविश्वास मत में रिश्वत का आरोप, 1994 में उनके निजी सचिव शशिनाथ झा की हत्या का मामला—2006 में सजा हुई, फिर 2007 में बरी हुए। आरोप जितने भी लगे, शिबू सोरेन बरी हो गये। फिर भी जनता ने उनका साथ नहीं छोड़ा। जेल से निकल कर भी चुनाव जीते। तीन बार मुख्यमंत्री बने। दस बार सांसद रहे। पार्टी के एक नेता कहते हैं—एक आदिवासी जब खड़ा होता है, तो उसे राजनीति में फंसाया भी जाता है। हेमंत सोरेन को भी जेल में डाला गया। पर क्या साबित हुआ? जनता अब इन चालों को अच्छी तरह समझने लगी है। शिबू सोरेन पर मुकदमे, सजा और विवादों का बोझ था, पर जनता ने उनका साथ नहीं छोड़ा। उनके योगदान को लोग याद करते हैं। उन्होंने झारखंड का सपना रखा, आदिवासी पहचान को राष्ट्रीय विमर्श में रखा और सबसे बड़ी बात—कॉरपोरेट पावर को चुनौती दी। आज के दौर में विकास की जो रफ्तार है, वह आर्थिक अधिकारों के सवाल को और गहरा कर देती है। क्या राज्य की खनिज संपदा उसी जनता को लाभान्वित कर पायेगी, जिसने इसे जन्म दिया? गुरुजी चले गये, पर सवाल वहीं हैं।

# अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने दूर-दराज के गांवों से उमड़ा जनसैलाब

आजाद सिपाही संवाददाता

**रामगढ़।** शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने दूर-दराज के गांवों से जनसैलाब उमड़ पड़ा। यहां पहुंचे नेताओं ने कहा कि झारखंड की फिजा में शिबू सोरेन सूरज की तरह चमकते थे। अथक संघर्ष और तप से उन्होंने अपनी यह जगह बनायी थी। उस महान योद्धा के अंतिम झलक को देखने के लिए लगभग 45 किलोमीटर तक लोग सड़कों पर खड़े रहे। लोग दोनों तरफ से पुष्प वर्षा करते नजर आये। जिस रास्ते से भी शिबू सोरेन का शव वाहन गुजरा, वहां लोग हाथ जोड़कर खड़े नजर आये। आमलोग लुकैयाटांड़ से पैदल चलकर नेमरा पहुंचे। वहां भी रास्ते पर चलने की जगह नहीं थी। जिला प्रशासन द्वारा जिस रास्ते की मरम्मत शमशान घाट तक जाने के लिए की गयी थी, वह भी कीचड़ से भरा था। धान के खेत और कीचड़ में पटरी रखकर शव को ले जाने की व्यवस्था हुई थी। आम नागरिक को जब वहां रास्ता नहीं मिला तो वे खेतों की पगडंडियों पर उतर आये। श्मशान घाट के चारों तरफ अलग-अलग पगडंडियों से होकर शिबू सोरेन के समर्थक वहां पहुंचे। सबसे बड़ी बात यह थी कि जब वहां बारिश शुरू हुई, तो कुछ लोग वहां बने टेंट में छुपने लगे। लेकिन शिबू सोरेन के समर्थकों ने इस विषम परिस्थिति में भी खुद को टिकाये रखा। लगभग आधे घंटे तक होने वाली बारिश में वह खड़े रहे और अंततः अपने नेता को श्रद्धांजलि अर्पित कर ही लौटे।

### पगडंडियों से शमशान घाट पहुंचे समर्थक

**दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत उनके पैतृक गांव नेमरा में होना था। इसकी खबर जब लोगों को लगी, वह मंगलवार की सुबह से ही नेमरा पहुंचने लगे थे। गांव से लगभग सात किलोमीटर पहले लुकैयाटांड़ में ही जिला प्रशासन ने बैरीकेडिंग कर दी थी। वीआइपी के लिए हेलीपैड और गाड़ियों की व्यवस्था की गयी थी। सात किलोमीटर तक का रास्ता वीआइपी जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए रूट के हिसाब से ही तय कर पा रहे थे। लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा और शिबू सोरेन के समर्थकों ने सात किलोमीटर की लंबी दूरी को पैदल ही पार करना स्वीकार किया।**

## कल्पना और बसंत सोरेन ने संभाली घर की कमान

आजाद सिपाही संवाददाता

**रामगढ़।** दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके पैतृक गांव नेमरा में लाखों लोग जुटे थे। रांची से शव वाहन लेकर निकले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जनता को अंतिम दर्शन करा रहे थे। रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत नेमरा गांव में सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन और भाई बसंत सोरेन ने तैयारियों की कमान संभाल रखी थी। मंगलवार की दोपहर शिबू सोरेन की बहू कल्पना सोरेन परिजनों के साथ नेमरा गांव पहुंचीं। उसके बाद बसंत सोरेन घर पहुंचे। गांव में अंतिम संस्कार की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी थी।

श्रद्धांजलि देने के लिए समर्थक भी टोटो, ऑटो और बस से पहुंचे हैं। जिला प्रशासन के द्वारा लोगों को मुख्यमंत्री के आवास तक पहुंचाने के लिए छोटे गाड़ियों की व्यवस्था की गयी थी। रामगढ़ से लेकर दिशोम गुरु के आवास तक उन्हें अंतिम जोहार देने के लिए बैनर और पोस्टर लगाये गये थे। सुरक्षा की कमान डीसी फैज अक अहमद मुमताज और एसपी अजय कुमार ने संभाली। भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पूरे देश से वीवीआइपी नेता नेमरा पहुंचे। उन लोगों को हेलीकॉप्टर के उतरने के लिए हेलीपैड लुकैयाटांड़ में बनाया गया था। लगभग 7 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था की गयी थी। सभी स्थानों पर बैरिकेडिंग की गयी थी, ताकि सुरक्षा में कोई चूक ना हो।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

| शहर | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| रांची | 31.8 °c | 23.2 °c |
| सूर्यास्त (आज) : | | 18.28 बजे |
| सूर्योदय (कल) : | | 05.21 बजे |

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in


# गुरुजी को अंतिम विदाई देने उमड़ा हर आम और खास

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन को मंगलवार को झारखंड विधानसभा में राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। राज्यपाल, मंत्री और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने शिबू सोरेन को श्रद्धा के फूल अर्पित किये और उन्हें नमन किया। दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ  महतो, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, राज्य के मंत्री इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य सोनू, राधाकृष्ण किशोर सहित अन्य शामिल रहे। इस दौरान राज्य के सभी विधायक भी मौजूद रहे। विधानसभा परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में दो मिनट का मौन भी रखा गया। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी मोरहाबादी स्थित पैतृक आवास पहुंचकर शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले दिशोम गुरू की अंतिम यात्रा जब मोरहाबादी स्थित उनके आवास से विधानसभा के लिए निकली, तो फिज़ां पर वीर शिबू अमर रहे का नारा गूंजने लगा। जैसे-जैसे काफिला विधानसभा की ओर बढ़ता गया, गुरुजी के दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती गयी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर से देशभर में शोक की लहर है। उनका इस दुनिया से जाना हर किसी को खल रहा है।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in



## सांसद तीर्थ दर्शन यात्रा का आठवां जत्था रवाना

**बड़कागांव (आजाद सिपाही)।** हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल के द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम सांसद तीर्थ दर्शन यात्रा के तहत बड़कागांव प्रखंड के उरीमारी मंडल अंतर्गत तलसवार पंचायत से 65 तीर्थ यात्रियों का जत्था मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, और मंडल सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो, के नेतृत्व में मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सतेंद्र नारायण सिंह समेत दर्जनों वरिष्ठ नेताओं व अतिथियों द्वारा सादे समारोह में रवाना किया गया। हलांकि दिशोम गुरु सह पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन के कारण विशेष कार्यक्रम को स्थगित कर सादे समारोह में रवाना किया गया। वहीं तीर्थ यात्रियों को अंग वस्त्र, फल और पूजन सामग्री देकर सम्मान पूर्वक प्रस्थान किया गया। तीर्थ यात्री चार धाम यात्रा के तहत काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज, मां विंध्याचल का दर्शन करेंगे। मौके पर मुख्य रूप से लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पुनम साहु, विधानसभा सांसद मिडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, मुखिया गीता देवी, जुगनू सिंह, उरीमारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, मंडल सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो, मुखिया संघ अध्यक्ष सह मंडल सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, खोखा सिंह, केदार महतो, बेचन साव, प्रतिनिधि पूर्व मुखिया भिखन महतो, अशोक कुमार, बालेश्वर कुमार, श्रीकांत निराला, ज्ञान चंद, महेंद्र सिंह, किशोर राणा, भागीरथ ठाकुर, रवि दांगी, केदार महतो, संजय साव, त्रिवेणी महतो, सचिदानंद पांडेय, अकल मुंडा, दिनेश करमाली, विजय यादव, सुमन गिरी, अशोक साव, भुपाल स्वर्णकार, राजु कुमार रंजन, लालदेव महतो समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

## एक हजार स्थानों पर मनेगा विहिप का स्थापना दिवस : अरविंद मेहता

**हजारीबाग (आजाद सिपाही)।** विश्व हिंदू परिषद जिला बैठक संघ कार्यालय में संपन्न हुआ। बैठक का संचालन जिला मंत्री अरविंद मेहता और अध्यक्षता जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर कुमार ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह उपस्थित हुए। इस बैठक में आगामी अखंड भारत संकल्प दिवस और स्थापना दिवस पर विशेष रूप से चर्चा हुई। संगठन मंत्री देवी सिंह ने कहा कि श्बटेंगे तो कटेंगे। इसका अर्थ है कि अगर हम अपने समाज और देश को बांटेंगे, तो हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा। उन्होंने कहा कि हमें एकजुट रहना होगा और अपने समाज और देश की एकता को बनाये रखना होगा। बैठक में नंदकिशोर, गुरुदेव, अभिनव, उमेश गुप्ता, मिथिलेश, चंदन, सुमंत पांडे, अरविंद मेहता, ऋषिकेश, भागीरथ प्रसाद, विनोद प्रसाद, पंकज कुमार, मिथिलेश कुमार, गौतम सोनी, ओम प्रकाश, इंद्रदेव कर माली, राजन कुमार महतो, अनुज कुमार राणा, नितेश कुमार, अभिनव कुमार, रविंद्र लाल, सोनल प्रियांशु, जगत किशोर, गौतम कुमार सिंह, सतीश साहू, प्रणव शंकर, भोला प्रसाद, प्रदीप चंद्रवंशी, कैलाश ठाकुर, पिंटू गुप्ता आदि लोग उपस्थित हुए।

## पेटो के बुढ़िया माता मंदिर में अखंड कीर्तन शुरू

**केरेडारी (आजाद सिपाही)।** प्रखंड क्षेत्र के पेटो पंचायत के बुढ़िया माता मंदिर प्रांगण में अखंड हरि कीर्तन का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम मंगलवार को बुढ़िया माता मंदिर में आचार्य दिनेश कुमार मिश्र ने विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा अर्चना कर शुरुआत कराया है। पंचायत क्षेत्र के विभिन्न टोला गांव के ग्रामीण पुरुष महिला की कीर्तन मंडली टीम भाग लेंगे। इस दौरान लगातार हरे रामा, हरे कृष्णा की ध्वनि नयी-नयी राग में कई सुरों में कीर्तन किया जा रहा हैं। अखंड कीर्तन की पूणार्हुति बुधवार को 3 बजे हो जायेगा। पूणार्हुति के बाद इंद्र महाराज की पूजा, हवन किया जायेगा, और पूजा के बाद महा प्रसाद पूरे गांव ग्राम में वितरण किया जायेगा। मुख्य पुजारी आशेश्वर यादव धर्म पत्नी शांति देवी ने बताया कि हरि कीर्तन होने से गांव में शांति प्रदान होती है, अच्छे वर्षा की कामना पूर्ति होती है। पूर्वजों से अखंड हरि कीर्तन करने की परम्परा है। इससे सुख शांति समृद्धि ग्रामवासियों को प्राप्त होती है। बुढ़िया माता मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशेष स्थान माना जाता है। माता की गर्भ गृह आदिकाल से निमित है यहां भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। ग्राम वासियों और हजारीबाग, चतरा, रांची, छत्तीसगढ़ तक के श्रद्धालु बुढ़िया माता की मंदिर में दर्शन के लिए आते है। कीर्तन के मौके पर मुखिया कौशल्या देवी, पूर्व मुखिया किशोर यादव, नारायण यादव, सरजू महतो, वासुदेव रजक, कालेश्वर साव, राजेश साव, मेघराज राणा, वासुदेव राणा, अनिल रजक, महावीर रजक, कृष्णा रजक, कमल राणा, जगेश्वर यादव, भोला साव, आशीष साव, प्रीतम साव, टिकेश्वर साव, उमेश साव, प्रकाश साव, राजेश ठाकुर, चितरंजन साव, सुनील साव, शंकर शाहा, शत्रुध्न साहू, मनोहर साव, राजू यादव, पादुम यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण श्रद्धालु उपस्थित थे।

## विहिप की जिला बैठक संपन्न

**कोडरमा (आजाद सिपाही)।** मंगलवार को विश्व हिन्दू परिषद कोडरमा जिला की बैठक झुमरीतिलैया के शिव वाटिका में जिला कार्यध्यक्ष ओम प्रकाश राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जबकि संचालन जिला मंत्री प्रदीप सिंह ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप मे प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह उपस्थित थे। बैठक अपनी पद्धति के अनुसार तीन बार ॐकार, एकात्मता मंत्र, विजय महामंत्र और परिचय के साथ प्रारम्भ हुआ। प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह ने कहा कि आगामी कार्यकम में मुख्य रूप से रक्षाबंधन कार्यक्रम है जो दुगार्वाहिनी और मातृशक्ति बहनों के द्वारा मनाया जायेगा। दूसरा अखंड भारत संकल्प दिवस है जो 13 और 14 अगस्त को और तीसरा विहिप का स्थापना दिवस है जो 16 अगस्त से 31 अगस्त तक मनाया जायेगा। बैठक में प्रखंड पालकों की घोषणा हुई जो झुमरीतिलैया नगर की लिए बिनय कुमार सिन्हा, कोडरमा प्रखंड के लिए अभिनव पाठक, चंदवारा प्रखंड के लिए राजू यादव, जयनगर प्रखंड के लिए पप्पू बरनवाल, डोमचांच प्रखंड के लिए आदित्य बर्नवाल, मरकच्चो प्रखंड के लिए प्रदीप सिंह और सतगावां प्रखंड के लिए रंजन राज को बनाया गया। साथ ही साथ दुगार्वाहिनी के लिए जिला पालक ओम प्रकाश राय और सुरेंद्र मोदी को बनाया गया। बैठक में मुख्य रूप से अरविंद सिंह, मनोज चंद्रवंशी, अजय कुमार बर्मा, राजू यादव, दीनानाथ पांडेय, सतेन्द्र सिंहा, अभिनव पाठक, विनय सिन्हा, भूपेंद्र सिंह, पप्पू बरनवाल, सुरेंद्र मोदी, अरविंद एकधरा, लाल बहादुर चौधरी, मनोज राणा, रामजी प्रसाद वर्मा, कृष्णा राणा, विजय यादव, वरुण कुमार यादव, उमेश पासवान, अविनाश कुमार पंडित, महादेव शर्मा, नीरज कुमार राय, कैलाश राणा, विद्यासागर पासवान, पवन बर्नवाल, पंकज मेहता, मनोज श्रीवास्तव, सतगावां प्रखंड से उदय कुमार और मनोज यादव उपस्थित थे।

### दिल्ली में एनटीपीसी अध्यक्ष से मिले सांसद मनीष जायसवाल

# विस्थापितों के मुद्दे को उठाया

**सीसीएल के तर्ज पर विस्थापितों को दें स्थायी रोजगार: मनीष जायसवाल**

आजाद सिपाही संवाददाता

**हजारीबाग।** हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार को नयी दिल्ली में एनटीपीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने हजारीबाग क्षेत्र में चल रही परियोजनाओं से प्रभावित गांवों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और उनके तत्काल समाधान के लिए सकारात्मक कदम उठाने की मांग की। सांसद जायसवाल ने बताया कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में वर्षों से कोयला और ऊर्जा परियोजनाओं के कारण हजारों परिवार विस्थापित हुए हैं, जो आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने एनटीपीसी के अध्यक्ष गुरदीप सिंह के समक्ष विस्थापितों की मांगों को रखते हुए कहा कि रोजगार में समानता हो। उन्होंने कहा कि जहां सीसीएल प्रभावित परिवारों को रोजगार देता है, वहीं एनटीपीसी में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने सीसीएल की तर्ज पर एनटीपीसी में भी विस्थापितों को स्थायी रोजगार देने की मांग की। न्यायसंगत मुआवजा मिलें। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि वर्षों पुरानी दरों पर दिये जा रहे मुआवजे को आज के बाजार मूल्य के अनुसार बढ़ाया जाये। उन्होंने प्रति एकड़ 20 लाख की राशि को बढ़ाकर 40 लाख करने की अपील की। कट-ऑफ तिथि समाप्त किया जाय। उन्होंने 2016 की कट-ऑफ तिथि को समाप्त करने की मांग की, ताकि सभी पात्र विस्थापित परिवारों को पुनर्वास योजना का लाभ मिल सके। आजीविका और पर्यावरण संतुलन बेहद जरूरी है। सांसद मनीष जायसवाल ने जोर दिया कि पुनर्वास नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाया जाये, ताकि विस्थापितों की आजीविका सुरक्षित रहे और पर्यावरण का संतुलन भी बना रहे।

## सड़क दुर्घटना में पुलिस जवान की मौत, पत्नी घायल

### चंदवारा का जामुखाड़ी बना एक्सीडेंट जोन

**कोडरमा जिले का जामुखाडी क्षेत्र एक्सीडेंट जोन बन गया है। जहां आये दिन सड़क दुर्घटना होती रहती है बावजूद एम्बुलेंस की व्यवस्था नहीं है। एनएचएआई ने भी सड़क हादसों को लेकर कोई व्यवस्था नहीं की है। सड़क हादसों में घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस एक महत्वपूर्ण साधन है। एम्बुलेंस की व्यवस्था समय पर नही होने के कारण लोगों को अक्सर निजी वाहनों या अन्य साधनों से अस्पताल ले जाना पड़ता है। इससे घायलों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता और उनकी हालत और भी बिगड़ जाती है। कई बार तो एम्बुलेंस नही उपलब्ध होने के के कारण लोग अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं।**

आजाद सिपाही संवाददाता

**कोडरमा।** मंगलवार को कोडरमा जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत जामुखाड़ी में एनएच 20 पर एक सड़क दुर्घटना में कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी। जबकि मृतक की पत्नी को गंभीर चोटें आईं हैं। कार में सवार दो अन्य लोग मामूली रूप से जख्मी हुए हैं। मृतक की पहचान पदमा (हजारीबाग) निवासी 50 वर्षीय जयकिशोर राम के रूप में हुई है। मृतक की पत्नी अनिता देवी ने बताया कि वे लोग पदमा (हजारीबाग) से अपने कार (जेएच 02 एस 5879) से झुमरीतिलैया के सीडी कॉलोनी में एक परिचित के यहां आ रहे थे। इसी बीच बरही घाटी पार करने के पश्चात जामुखाड़ी में पीछे से आ रही एक ओवर स्पीड ट्रेलर ने ओवर टेक करने के चक्कर में इनके कार में दाईं ओर टक्कर मार दी। जिससे इनका कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इनके पति गंभीर रूप से घायल हो गये। जबकि कार के पीछे सीट पर बैठे दो अन्य लोगों को मामूली चोटें आयी। घटना के बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना चंदवारा थाना प्रभारी को दी। चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार, एसआई विद्याभूषण राय, एएसआई दिलीप मंडल मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक घायल जयकिशोर राम की मौत हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस ने मृतक जयकिशोर राम व घायल उनकी पत्नी अनिता देवी को सदर अस्पताल भेजा। जहां अनिता देवी का इलाज चल रहा है, जबकि मृतक के पोस्टमार्टम कराया गया। बताते चलें कि मृतक झारखण्ड पुलिस का जवान था और फिलहाल पदमा पुलिस लाइन में कार्यरत था। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

## हजारीबाग प्रेस क्लब में वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

**हजारीबाग।** झारखंड के जाने माने पत्रकार और आजाद सिपाही अखबार के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह के निधन पर हजारीबाग प्रेस क्लब में शोक सभा का आयोजन किया गया। अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह ने किया। उपस्थित पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रख आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह ने कहा कि हरिनारायण सिंह कई समाचार पत्रों और न्यूज चैनल में बतौर संपादक रहते हुए पत्रकारिता जगत के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। क्लब के सचिव विस्मय अलंकार ने कहा उनकी कमी हम सबों को खेलेगी। उन्होंने पत्रकारिता को नया आयाम दिया था। जेजेए जिला अध्यक्ष सह क्लब के संरक्षक कृष्णा गुप्ता ने कहा कि आज झारखंड के पत्रकारिता जगत ने एक बेशकीमती हीरा को खो दिया है। क्लब के उपाध्यक्ष दीपक सिंह ने कहा कि हम सबों ने एक मार्गदर्शक को खो दिया है, उनकी कमी शायद कभी पूरी नहीं हो सकती। वरिष्ठ पत्रकार मिथलेश सिंह ने कहा कि उनके साथ हमने वर्षों तक काम किया, उन्होंने शुरू से आज तक बहुत कुछ सिखाया है। वरिष्ठ पत्रकार अर्जुन सोनी ने कहा कि हरिनारायण बाबू एक योद्धा थे जिनका लोहा हर कोई मानता है। मौके पर कोषाध्यक्ष राजकुमार गिरी शानू, वरिष्ठ पत्रकार उमेश पांडे, सागर कुमार, अभय सिन्हा, प्रमोद सिंह, डॉ मिथलेश कुमार, प्रहलाद सिंह, प्रदीप सिंहा, सितेश तिवारी, रवि सिंह, अनुज सिन्हा, भास्कर उपाध्याय, रूपांशु चौधरी, शशांक शेखर सिंह, भावेश मिश्रा, रवि शर्मा, रूपेश सोनी, प्रदीप पाठक, सुमन सिन्हा, अविरल लाल, अनिल कुमार, उमेश चौबे, संजय विश्वकर्मा समेत कई पत्रकार उपस्थित थे।

## किशोर ने की आत्महत्या

**कोडरमा (आजाद सिपाही)। तिलैया थाना क्षेत्र के गुमो में एक 16 वर्षीय किशोर ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान जीतेन्द्र वर्मा पिता कुंदन वर्मा के रूप में की गयी है। मामले की जानकारी देते हुए मृतक के पिता ने बताया कि वे प्लम्बर का काम करते हैं। आज सुबह 7 बजे वे अपने काम पर निकल गये। उस समय जीतेन्द्र अपने कमरे में सोया हुआ था। वहीं उसकी मां छत पर खाना पका रही थी। जबकि उनके दो अन्य पुत्र जो जीतेन्द्र से छोटे हैं, वे घर के बाहर खेल रहे थे। कुछ देर बाद जब जीतेन्द्र की मां छत से नीचे आकर जीतेन्द्र के कमरे में उसे उठाने गयी तो देखा कि वह कमरे में फंदे से झूल रहा था। जिसकी सूचना मुझे मोबाइल फोन के माध्यम से मिली। जिसके आनन-फानन में घर पहुंचा और आस पड़ोस के लोगों के सहयोग से जीतेन्द्र को फंदे से नीचे उतरते हुए सदर अस्पताल ले गया। जहां मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि जीतेन्द्र सीएच प्लस टू विद्यालय में वाणिज्य संकाय के कक्षा 11 वीं का छात्र था। उन्होंने बताया कि जीतेन्द्र का किसी से भी किसी प्रकार का कोई लेना देना नहीं था और न ही वह मोबाइल फोन चलाता था।**

### दिशोम गुरु शिबू सोरेन का हजारीबाग से रहा है खास रिश्ता

# गुरुजी का जाना, पिता तुल्य छांव खो जाने जैसा है : डॉ कमल

आजाद सिपाही संवाददाता

**हजारीबाग।** झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद पूरा झारखंड रो रहा है। शिबू सोरेन का हजारीबाग जिलेसे खास रिश्ता रहा है। इनका जन्म भी गोला प्रखंड के नेमरा गांव में हुआ था जो पूर्व में हजारीबाग जिले में था, अब रामगढ़ जिले में हैं। यहीं से इन्होंने संघर्ष की नींव रखी थी।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. कमल नयन सिंह ने गुरुजी को याद करते हुए कहा, गुरुजी का जाना झामुमो के हर एक कार्यकर्ता के साथ मेरे लिए पिता तुल्य छाया के खो जाने जैसा है। उन्होंने बताया कि कैसे गुरुजी ने अपने जीवन के सबसे कठिन समय में भी हिम्मत नहीं हारी। जब उनके पिता की हत्या कर दी गई थी, तब उन्होंने न केवल अपने परिवार को संभाला बल्कि उस शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन भी खड़ा किया। उन्होंने सूदखोर महाजनों के खिलाफ चरणबद्ध ढंग से उलगुलान की शुरुआत की। डॉ. सिंह ने याद किया कि जब गुरुजी पर रेड वारंट था, तब वह जंगल के रास्तों से होते हुए चुपचाप हजारीबाग पहुंचते थे। यहां वह वकीलों से मिलते, अपने केस की स्थिति पर चर्चा करते। उन दिनों उनके पास ज्यादा कुछ नहीं होता, बस सत्तू और चूड़ा साथ लेकर चलते, वही खाकर दिन गुजारते। भावुक होते हुए डॉ. कमल नयन सिंह ने बताया, 2013 में जब मेरे पिता का निधन हुआ था, तब गुरुजी खुद हमारे घर आए थे। हजारीबाग जब भी आते, कभी सर्किट हाउस में नहीं रुकते, हमेशा हमारे घर ही ठहरते थे।

उन्होंने बताया कि मां के हाथों का बना खाना गुरुजी को बहुत पसंद था। लौकी की सब्जी और रोटी खासकर उनकी पसंदीदा थी।

हर दिन एक ग्लास दूध पीना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। डॉ. सिंह ने आगे बताया कि हाल के वर्षों तक जब भी वह गुरुजी से मिलने जाते,तो गुरुजी सबसे पहले हजारीबाग की बात करते थे। वे उन वकीलों के परिवार का हालचाल भी पूछते जिनका संघर्ष के दिनों में साथ मिला था। अंत में डॉ. सिंह ने बेहद भावुक होकर कहा, आज बहुत दुख की घड़ी है। गुरुजी सिर्फ नेता नहीं थे, वह झारखंड की आत्मा थे, वे संघर्ष, सादगी और संवेदना के प्रतीक। झारखंड की यह मिट्टी उन्हें हमेशा याद रखेगी। विनम्र श्रद्धांजलि दिशोम गुरु को...

## सावन क्वीन फेस्टिवल का किया गया आयोजन

**कोडरमा (आजाद सिपाही)।** तनिष्क कोडरमा में सावन क्वीन फेस्टिवल का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 200 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर फ्रेंचाइजी संतोष देवी ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की। सावन क्वीन प्रतियोगिता में ऋचा भदानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सारिका गुप्ता और नेहा गर्ग ने क्रमश: द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। फ्रेंचाइजी हर्ष ने बताया कि तनिष्क कोडरमा में इस समय कई आकर्षक ऑफर्स चल रहे हैं। इनमें शुभ विवाह के तहत विवाह ज्वेलरी पर विशेष छूट, फेस्टिवल ऑफ डायमंड के तहत डायमंड ज्वेलरी पर आकर्षक ऑफर और ओल्ड गोल्ड एक्सचेंज के तहत पुराने सोने के बदले नये सोने पर छूट शामिल हैं। तनिष्क कोडरमा में ज्वेलरी की एक विस्तृत शृंखला उपलब्ध है, जिसमें विभिन्न प्रकार के डिजाइन और स्टाइल शामिल हैं। आने वाले धनतेरस और त्योहारों के सीजन को देखते हुए, तनिष्क कोडरमा में और भी आकर्षक ज्वेलरी कलेक्शंस उपलब्ध कराये जायेंगे। फ्रेंचाइजी हर्ष ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और उन्हें तनिष्क की ज्वेलरी कलेक्शंस को और अधिक जानने के लिए आमंत्रित किया। इस आयोजन के माध्यम से तनिष्क कोडरमा ने एक बार फिर से अपनी अद्वितीय ज्वेलरी कलेक्शंस और ग्राहक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है।

## माउंट ओलिवेट स्कूल में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

**बरही (आजाद सिपाही)।** बरही प्रखंड अंतर्गत विजैया पंचायत के गुड़ियो में संचालित माउंट ओलिवेट स्कूल में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर प्रधानाध्यापक विजय कुमार यादव के अगुवाई में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं शामिल हुए। इस दौरान प्रधानाध्यापक विजय कुमार यादव ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन को राज्य के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि गुरुजी हमारे राज्य के पथ प्रदर्शक थे, झारखंड राज्य के निर्माण में गुरु जी की अहम भूमिका थी। शोक सभा में शिक्षक और शिक्षिकाएं द्वारा उनके तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। वहीं उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गयी। शोक सभा में शैक्षणिक प्रभारी राजदेव यादव, कार्यालय प्रभारी मुकेश कुमार यादव एवं रंजीत कुमार, शिक्षक सोहन कुमार चंद्रा, इंद्रदेव शर्मा, दिलीप कुमार, सोनाली रॉय, अरुण कुमार, संतोष स्वर्णकार, भगवान प्रसाद, सत्येंद्र शर्मा, संदीप कुमार, संगीता कुमारी, मनोवर अंसारी, सिंटू कुमार, नूतन कुमारी, सकलदेव यादव, रोहित राणा, नरेश कुमार, मुकेश, रविन्द्र, भूषण यादव, रानी कुमारी, यशोदा कुमारी, काजल कुमारी, शिवानी कुमारी और अमीषा कुमारी मुख्य रूप से शामिल थे।

## वन भूमि पर धड़ल्ले से चल रही है मनरेगा योजना

**चलकुशा (आजाद सिपाही)।** थाना क्षेत्र के ग्राम बरियौन के खाता 41 प्लोट संख्या 300 वन भूमि पर मनरेगा योजना के तहत आभा देवी पति अजय कुमार सिंह के नाम पर दीदी बगीया योजना निर्माण कार्य करायी गयी है। इस योजना में अभी तक 82 हजार 773 रूपये राशि की निकासी कर ली गयी है। गौर करने वाली बात यह है कि अंचल में बिना जांच पड़ताल किये ही भूमि सत्यापित करना ओर नजरिया नक्शा तैयार करना आम बात सी है। वन भूमि पर धड़ल्ले से मनरेगा योजना संचालित होना कहीं ना कहीं वन अधिकारियों की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता है।

## शिबू सोरेन को हजारीबाग झामुमो जिला कमेटी ने दी श्रद्धांजलि

**हजारीबाग (आजाद सिपाही)।** झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, झारखंडी अस्मिता और जन-आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा हजारीबाग जिला कमिटी जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया के नेतृत्व में श्रद्धांजलि दी। रांची मोरहाबादी स्थित आवास पर जाकर उन्हें नमन किया। श्रद्धांजलि देने वालों में जिला समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, बुद्धिजीवी मंच, किसान मोर्चा और प्रखंड स्तर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा दिशोम गुरु केवल एक राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि झारखंड के सामाजिक चेतना के प्रतीक थे। उन्होंने हमें संघर्ष की राह दिखायी, अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की ताकत दी और आत्मसम्मान से जीने की प्रेरणा दी। झामुमो हजारीबाग जिला कमिटी उनके विचारों और संघर्षों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं जिला प्रवक्ता कुणाल यादव ने भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दिशोम गुरु झारखंड की माटी की खुशबू थे। उन्होंने हमें सिखाया कि आंदोलन केवल नारों से नहीं, जनसंघर्ष से चलता है। श्रद्धांजलि देने वालों में केंद्रीय नेता सुनील शर्मा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष गौरव पटेल, बड़कागांव प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, जिला उपाध्यक्ष रंजीत मेहता, दीपक राय, सतेंद्र मेहता, नगर अध्यक्ष नवीन प्रकाश, दयानंद मेहता, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता देवी, दयानंद मेहता, इचाक प्रखंड अध्यक्ष राजेश मेहता, सचिव विनय कुमार समेत कई शामिल थे।

## पुलिया क्षतिग्रस्त, दुर्घटना की आशंका

**केरेडारी (आजाद सिपाही)।** प्रखंड क्षेत्र के अति सुदूरवर्ती बुंडू गांव से पाताल पंचायत जाने वाला मुख्य मार्ग भारी बारिश के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। कोती नदी पर बना पुलिया करीब पंद्रह दिन पहले तेज वर्षा के कारण बह गया लेकिन अब तक न तो मरम्मत शुरू हुई है और न ही कोई वैकल्पिक रास्ता बनाया गया है। टूटे पुलिया को तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि पुलिया का मध्य भाग पूरी तरह से टूट चुका है जिससे क्षेत्रीय आवागमन पर गंभीर असर पड़ा है। चुंकि यह मार्ग बुंडू गांव से पाताल पंचायत तक जाने का मुख्य रास्ता है। पुलिया टूट जाने के बाद अब यह चारपहिया वाहनों के लिए पूर्ण रूप से बंद हो चुका है। ग्रामीणों को इलाज, शिक्षा और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किसी भी समय बड़ी घटना की आशंका उक्त मार्च से गुजरने वाले ग्रामीण रबिंद्र ठाकुर, बीरेंद्र कुमार, राजेश साव, जय सागर साव, तारकेश्वर महतो, कमलेश ठाकुर, आनंद गंझू, सूरज गंझू ने बताया कि इस रास्ते से रोजाना स्कूल के बच्चे, बीमार लोग और बुजुर्ग गुजरते हैं। वर्तमान स्थिति में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है, जिससे जनहानि की संभावना बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि :पुलिया की तत्काल मरम्मत कार्य शुरू किया जाए, जब तक पुलिया का निर्माण नहीं होता तब तक एक सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जाए, स्थल पर चेतावनी बोर्ड और बैरिकेडिंग लगाई जाये ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

# बरलंगा से नेमरा तक रेंगती रहीं गाड़ियां, फंसे रहे वीआइपी

## बाइक से पहुंचे सुदेश महतो और अर्जुन मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

**रामगढ़/गोला।** दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में हर कोई शामिल होने नेमरा पहुंचा। लेकिन घंटों लगी रही जाम ने लोगों को काफी परेशान किया। बरलंगा से लेकर नेमरा तक लगी लंबी जाम में कई वीआइपी भी फंसे रहे। सदन के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के अलावा झारखंड के सभी मंत्री और नेता इस जाम में उलझे नजर आये। कहीं कोई सुरक्षा के बीच पैदल चलता हुआ दिखायी दिया, तो कहीं गाड़ियों में बैठे नेता परेशान होते रहे। जाम की वजह से गाड़ियां सरकने का नाम नहीं ले रही थी। कई ऐसे स्थान भी थे, जहां सड़क कच्ची थी, वहां जाम की भयावह स्थिति बन गयी थी।

**बाइक से पहुंचे सुदेश महतो और अर्जुन मुंडा :** आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो और भाजपा नेता अर्जुन मुंडा बाइक से नेमरा तक पहुंचे। अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद जब वह लौटने लगे तो उनकी पूरी टीम जाम में फंस गयी। अंत में एक स्थानीय ग्रामीण का बाइक लेकर वे दोनों नेता वहां से 7 किलोमीटर तक चले। इस दौरान सुदेश महतो ने बाइक चलाई और अर्जुन मुंडा पीछे बैठे नजर आए।

**गायब रहा नेटवर्क, मोबाइल बना खिलौना :** नेमरा से बरलंगा तक मोबाइल नेटवर्क की बहुत बुरी स्थिति रही। ना तो किसी का फोन लग रहा था और ना ही इंटरनेट चल रहा था। मोबाइल खिलौने के रूप में इस्तेमाल होता दिखायी दिया। कुछ लोग वीडियो गेम खेल रहे थे, तो काफी लोग फोन लगाने का प्रयास कर रहे। हर आदमी इससे भी परेशान रहा।

**बाबा की अंतिम यात्रा लोग मोबाइल में कर रहे थे कैद :** दिशोम गुरु शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा में हुजूम उमड़ पड़ा। भारी बारिश के बावजूद उनकी अंतिम यात्रा में शामिल लोग अपने अपने मोबाइल के कैमरों में कैद कर रहे थे।

## अपने लाल को देखने बेताब हुए नेमरावासी

रामगढ़। दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर नेमरा करीब 2:30 बजे पहुंचा। फूलों से सजी दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर रखा गया था। जिसे लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नेमरा पहुंचे। लोगों की नजर जैसे ही सजी वाहन पर पड़ी लोग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की आवास की ओर दौड़ पड़े। इसके बाद एक झलक पाने के लिए लोगों की दीवानगी और बेताबी भीड़ से शिबू सोरेन अमर रहे, जब तक सूरज चांद रहेगा, बाबा तेरा नाम रहेगा। बाबा के चाहने वालों की नजर जैसे ही बाबा पर पड़ी उनकी आंखें छलक गई और हर चेहरा मायूस हो गया। बाबा तुम कहां चले गए अब हम किसके भरोसे रहेंगे, लोगों की पीड़ा से स्पष्ट झलक रहा था कि उनके सर से साया उठ गया है। हालांकि बड़ी उम्मीद के साथ बाबा के चाहने वाले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर निहार रहे थे, मुख्यमंत्री लोगों की व्यवस्था देखकर नजरों ही नजरों में सांत्वना देने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन बाबा के दीवाने कहां मानने वाले थे उनकी आंखें बार-बार नम हो रही थी। नेमरा स्थित आवाज से दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अंतिम यात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक पुत्र बसंत सोरेन ने जैसे ही बाबा की अर्थी कंधे पर उठाए दोनों फफक कर रोने लगे। जिसे देख परिवार वालों की आंखें नम हो गई। जबकि उमड़ी समर्थकों की भीड़ भी कलपने लगी। इस दौरान दोनों बेटे के अलावा रिश्तेदार और समर्थक बाबा की अर्थी को कंधा देकर शमशान घाट पहुंचा। जहां पूरे विधि विधान से बाबा को मुखाग्नि दिया गया। इस दौरान उन्हें राजकीय सम्मान दिया गया।

## हर घर तिरंगा अभियान सह विभाजन विभिषिका दिवस भी मनायेगी भाजपा

**चतरा (आजाद सिपाही)।** जिला कार्यालय में मंगलवार को मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम की उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष विद्यासागर आर्य तथा मंच संचालन महामंत्री डॉ मृत्युंजय सिंह ने किया। बैठक में 10 से 14 अगस्त तक सभी मंडलों में तिरंगा यात्रा निकालने और 14 अगस्त को बीजेपी विभाजन विभीषिका दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। जिले के सभी 12 मंडलों में बैठक कर इस आयोजन को सफल बनाने के लिए रणनीति बनायी जायेगी। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के उपलक्ष्य में बीजेपी हर घर तिरंगा अभियान चलायेगी। हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से न केवल ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को जन-जन तक पहुंचाने के बारे में बताया जायेगा बल्कि इसके जरिए देशवासियों में राष्ट्रप्रेम और एकता की भावना जगायी जायेगी। सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गयी। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को पार्टी विभाजन विभीषिका दिवस मनायेगी। 10 से 14 अगस्त तक सभी मंडलों में हर घर तिरंगा अभियान निकलेगी। 12 से 14 अगस्त तक शहीद स्मारकों, प्रतिमाओं पर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। 13 से 15 अगस्त तक सभी घरों और प्रतिष्ठानों पर कार्यकर्ताओं द्वारा तिरंगा फहराने का आग्रह किया जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व जिलाध्यक्ष नरेश सिंह, रजनीकांत सिन्हा, जिला महामंत्री मिथलेश गुप्ता, अमित साहू, बासुदेव दांगी, चम्पा सबरी, देवती देवी, मौलाना महफूज रहमान, संजय सुमन, भेखलाल मुंडा, पोषण भारती, अनामिका देवी, उदय वर्मा, गोबिंद राम, कालीचरण यादव, बब्लू सिंह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुमन सौरभ, मंडल अध्यक्ष सुबोध सिंह गुड्डू, ठाकुर जीतेन्द्र सिंह, संजय प्रजापति, जीतेन्द्र सिंह, सतीश दांगी, बिनोद यादव, दिलेश्वर भोक्ता, बिनय राय, दयानिधि सिंह, संजीव पांडेय, महेंद्र नायक, अजित लाल, सहित काफी संख्या में कार्यकर्त्ता बैठक में शामिल थे।

## डोर टू डोर चलाया गया कानूनी जागरूकता अभियान

**हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)।** जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव के निर्देशानुसार पीएलवी मिथिलेश कुमार द्वारा ग्राम सोनवर्षा में डोर टू डोर कानूनी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीणों को नशीली पदार्थो के सेवन और व्यापार से बचने को कहा गया। इसके आर्थिक नुक्सान और शारीरिक नुकसान की जानकारी दी गयी। इसके अलावा जिला विधिक सेवा प्राधिकार से गरीब परिवारों को मिलने वाले लाभ और सरकारी योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही कानूनी रूप से उत्पन्न समस्याओं को दूर करने हेतु सलाह नालसा टोल फ्री नंबर 15100 कॉल करने को कहा गया।

## महादेव मठ मंदिर में अखंड हरिकीर्तन के लिए बैठक का अयोजन

**कुंदा/चतरा (आजाद सिपाही)।** मंगलवार को पर्यटक स्थल महादेव मठ मंदिर में सावन पूर्णिमा के अवसर पर 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन सह कलश यात्रा के आयोजन के लिए बैठक आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता रमेश यादव और संचालन मठ समिति के कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार शौण्डिक ने किया। समिति के अध्यक्ष सह कुंदा पंचायत के मुखिया मनोज कुमार साहु के नेतृत्व में आयोजित बैठक में कई लोग शामिल हुए। बैठक में उपस्थित लोगों ने भव्य तरीके से मंदिर सजावट व कलश यात्रा के साथ पूजा व अखंड हरिकीर्तन धूमधाम से मनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया। कलश यात्रा का प्रचार प्रसार तीव्र गति से करने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर सचिव नंदकिशोर वैद्य, लवकुश गुप्ता, रमेश यादव, नगीना सिंह भोक्ता, मनोज साव, अर्जुन सिंह, महंत श्री दीनदयाल जी महाराज, रघुनाथ सिंह, पंकज गुप्ता, पवन गुप्ता, बैजू गुप्ता, अनिल, रवि, अंकित, मिथलेश राजू वर्मा, रवि, मुकेश कुमार वर्मा समेत कई लोग मौजूद थे।

## ज्ञान ज्योति कोचिंग सेंटर के संचालक की मौत

**कुंदा/चतरा (आजाद सिपाही)।** थाना क्षेत्र के बोधाडीह पंचायत के बोधाडीह में ज्ञान ज्योति कोचिंग सेंटर के संचालक जितेंद्र कुमार साव (पिता स्व संतोष साव) की मौत हार्टअटैक से हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र ईलाज के लिए रांची जा रहा था। इसी बीच टंडवा के पास अचानक हृदयाघात से मौके पर ही मौत हो गया। उनके अपने एक बेटे और एक बेटी के साथ पत्नी को असमय छोड़कर चले जाने से परिवार में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

## अनुराग यादव ने गांव के लोगों पर घर गिराने का लगाया आरोप

**हंटरगंज/चतरा (आजाद सिपाही)।** थाना क्षेत्र के सोनपुर बिरहा गांव निवासी अनुराग यादव ने स्थानीय थाना में आवेदन दिया है । जिसमें बताया कि गांव के ही केसर यादव, रामलाल यादव, राहुल यादव ,बबुनी यादव और गुड्डू यादव ने हथियार से लैश होकर आए और घर को गिरा दिया तथा जान मारने की धमकी देते हुए चले गये। उन्होंने बताया कि जमीन विवाद का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। इसके पूर्व भी मारपीट किया गया था और अनजान व्यक्तियों द्वारा दहशत फैलाने का काम किया गया था। इस घटना से गांव में तनाव बना हुआ है। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

# टंडवा पुलिस ने दो चोरों को भेजा जेल

**टंडवा (आजाद सिपाही)।** थाना क्षेत्र के गाडिलौंग स्थित इलेक्ट्रॉनिक दुकान में चोरी की घटना को पुलिस ने उद्भेदन किया है। उक्त जानकारी इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी उमेश राम ने दिया। उन्होंने बताया कि एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के निर्देश पर 4 अगस्त को अजय कुमार गुप्ता के शिकायत के आलोक में मामला दर्ज कर उड़सू मोड़ में छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान दो पहिया वाहन जेएच 01 एवी 9332 पर सवार दो लडकों संदिग्ध गतिविधियों में पकड़ा। कड़ाई से पूछताछ पर उक्त दोनों ने अपना नाम बड़कागांव राय मुहल्ला के रहने वाले मो अफसर राय और तैयब राय बताया जिन्होंने चोरी कांड में अपनी संलिप्तता को स्वीकार किया। वहीं उक्त दोनों के निशानदेही पर केरेडारी चौक में स्थित शाहा इलेक्ट्रॉनिक से तीन बंडल तार बरामद किये गये हैं। वहीं दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। शेष लोगों की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की जा रही है। छापेमारी दल में एसडीपीओ व थाना प्रभारी के साथ पुअनि सुनील कुमार सिंह, मदन कुमार, सौरभ कुमार समेत थाना के रिजर्व गार्ड शामिल थे।

# झारखंड ने दिशोम गुरु शिबू और संपादक हरिनारायण को खो दिया, जिसकी पूर्ति नहीं : जगेश्वर प्रजापति

आजाद सिपाही संवाददाता

**कुजू।** उज्ज्वला फाउंडेशन ने पूर्व सीएम दिशोम गुरु शिबू सोरेन और दैनिक आजाद सिपाही के प्रधान सम्पादक हरिनारायण सिंह के निधन पर बोंगावार फोरलेन स्थित कार्यालय सभागार में शोकसभा आयोजित की। आयोजित सभा में मुख्य रूप से उज्जवला फाउंडेशन अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति मौजूद रहे। इस दौरान फाउंडेशन के दर्जनों सदस्यों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन और प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर शोकसभा कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि देकर नमन किया। इस अवसर पर जगेश्वर प्रजापति ने कहा कि पूर्व सीएम शिबू सोरेन जैसे महान दिशोम गुरु और वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह जैसे पत्रकारिता जगत में बड़ा स्तंभ को खो दिया है। जो झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। इससे पूर्व, फाउंडेशन की मजबूती समेत आगामी 15 अगस्त के बाद पूर्व सीएम रघुवर दास के आगमन कार्यक्रम की तैयारी समीक्षा पर बैठक की गयी। जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति और संचालन मनसरी देवी ने की। इस अवसर पर जगेश्वर प्रजापति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए फाउंडेशन सजग है। आने वाले दिनों में फाउंडेशन से जुड़े सदस्य पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनेगी। इस अवसर पर जनक प्रसाद, प्रकाश केशरी, रतन प्रसाद साहू, उपाध्यक्ष शांति देवी, कोषाध्यक्ष वीणा देवी, कौशल्या देवी, सुमन देवी, सुलेखा देवी, पिंकी देवी, दुलारी देवी, मीनू देवी, गुणीता देवी, नेमो देवी, चिंता देवी, खुशबू देवी, किरण देवी समेत दर्जनों सदस्य शामिल रहे।

## सांसद और विधायक के प्रयास से हेसातू और लोहरा मार्ग पर बनेगा पुल

**टंडवा (आजाद सिपाही)।** प्रखंड अंतर्गत सुदूरवर्ती गांव हेसातु और हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड अंतर्गत सुदूरवर्ती लोहरा गांव के आदिवासियों की सदियों से सामना कर रहे लोहरा नदी पर आनेवाली बाढ़ से अस्त-व्यस्त जीवन-यापन और उच्च शिक्षा हेतु आवागमन में छात्र -छात्राओं को आनेवाली समस्याओं से शीघ्र ही निजात मिल जायेगी। चतरा सांसद काली चरण सिंह और विधायक कुमार उज्ज्वल दास के प्रयास से मंगलवार को को लोहरा नदी पर उच्च स्तरीय पुल के निर्माण के लिए अंतिम सेटेलाइट आधारित माप का कार्य के साथ निर्माण का रास्ता प्रशस्त हो गया। इसके बाद डीपीआर का निर्माण और टेंडर के दो चरणों के साथ ही निर्माण कार्य प्रारंभ हो जायेगा। इस पुल निर्माण की प्रक्रिया होने की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में काफी खुशी है। ग्रामीणों ने इसके लिए चतरा सांसद काली चरण सिंह और विधायक कुमार उज्ज्वल दास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज यह दिशोम गुरु के प्रति यह आदिवासी गांव तक विकास की किरण देकर सच्ची श्रद्धांजलि है। मौके पर रांची से आए सेटेलाइट मापक, भाजपा नेता ईश्वर दयाल पांडेय, प्रमोद कुमार सिंह, समाजसेवी शिक्षक बिंदेश्वर महतो सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

## दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर ए ला एंगलाइज विद्यालय में शोक सभा का आयोजन

**भुरकुंडा (आजाद सिपाही)।** जनजातीय समाज के अप्रतिम नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शिबू सोरेन के निधन पर ए ला एंगलाइज सीनियर सेकेंडरी विद्यालय भुरकुंडा में सोमवार को शोक सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजयंत कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शिबू सोरेन ने आदिवासी समुदाय के अधिकारों, सम्मान और विकास के लिए जीवन भर संघर्ष किया। वे झारखंड आंदोलन के प्रणेता और जन-जन के नेता थे। इस अवसर पर जवाहर नगर के पूर्व मुखिया प्रदीप मांझी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करायी और विद्यार्थियों को दिशोम गुरु के जीवन से जुड़ी प्रेरक घटनाएं सुनाईं। विद्यालय सचिव डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर ने शिबू सोरेन की जीवनी प्रस्तुत की, जिससे छात्र-छात्राएं उनके कार्यों से अवगत हुए। शोक सभा के अंत में विद्यालय परिवार ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा। विद्यार्थियों, शिक्षकों और शिक्षिकाओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वहीं मंगलवार को विद्यालय स्थगित रहा। विद्यालय परिवार ने कहा कि शिबू सोरेन की संघर्षशील विरासत सदैव मार्गदर्शक बनी रहेगी और उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाजहित में कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में केजी विभाग की प्राचार्या अंजू पटेल, प्रशासक संजय कुमार, धर्मेश सोनी, जय किशोर प्रसाद महतो सहित सभी शिक्षकगण और छात्र-छात्राएं मौजूद थें।

**पूर्व तट रेलवे**

(1) ई-निविदा सूचना सं.: ST-SBP-TENDER-2025-22, दिनांक: 17.07.2025

**कार्य का नाम:** सम्बलपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/SIG/रेढ़ाखोल (RAIR) के अधीन जरपड़ा (JRPD)-सम्बलपुर सिटी (SBPY) सेक्शन के लिए एक वर्ष हेतु सिग्नलिंग जोनल कार्य।

**निविदा मूल्य:** रु. 52,35,958.89, **बोली सुरक्षा:** रु. 1,04,700.00

(2) ई-निविदा सूचना सं.: ST-SBP-TENDER-2025-23, दिनांक: 18.07.2025

**कार्य का नाम:** सम्बलपुर मंडल में अमृत भारत स्टेशनों सम्बलपुर (SBP), बरगढ़ रोड (BRGA), बलांगीर (BLGR) टिटिलागढ़ (TIG), केसिंगा (KSNG), कांटाबांजी (KBJ), सम्बलपुर सिटी (SBPY) एवं महासमुन्द (MSMD) स्टेशनों में मौजूदा कोच इंडीकेशन बोर्ड प्रणालियों तथा ऑटो अनाउंसमेंट प्रणाली का स्थानांतरण।

**निविदा मूल्य:** रु. 1,31,57,772.86, **बोली सुरक्षा:** रु. 2,15,800.00.

**निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 11.08.2025 को 1100 बजे (दोनों निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा।

ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (Tele), सम्बलपुर

PR-433/Q/25-26

**रांची मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति**

अधिसूचना सं.: सी/आरएनसी/एटीवीएम/फैसिलिटेटर-17/एपीपीएल./कॉल/2025 दिनांक 04.08.2025

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची द्वारा **रांची मंडल के विभिन्न स्थानों पर 17 अदद एटीवीएम फैसिलिटेटर (रांची में 07, हटिया में 03, लोहरदगा में 03, झालिदा में 02 तथा मूरी में 02) की नियुक्ति** के लिए इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। **पात्रता की शर्तें:** पात्रता की शर्तें एवं सभी नियम और शर्तें वेबसाइट www.ser.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध होंगे। **आवेदन जमा करने का स्थान:** आवेदन पत्र **03.09.2025 को सुबह 10.30 बजे से अपराह्न 3.00 बजे** के बीच वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची के कार्यालय में रखी गई पेटी में डालना होगा। आवेदन भरे हुए लिफ़ाफ़े के ऊपर "रांची मंडल के....................... स्थान पर एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति" अवश्य लिखा हुआ होना चाहिए। नियम एवं शर्तों सहित प्रारूप तथा अन्य जानकारियां **05.08.2025 को सुबह 10.00 बजे से 03.09.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक** सभी कार्य दिवसों को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं। **आवेदन खुलने की तारीख एवं समय:** 03.09.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। वेबसाइट का विवरण जहाँ सम्पूर्ण विवरण (आवेदन प्रारूप एवं नियम और शर्तों सहित) देखा/डाउनलोड किया जा सकता है: 05.08.2025 से 03.09.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक www.ser.indianrailways.gov.in से। साधारण शर्तों तथा आवेदन प्रपत्र में निर्धारित सभी शर्तों को पूरा किये बगैर प्राप्त आवेदन को रद्द कर दिया जायेगा। रेल प्रशासन बिना कोई कारण बताये किसी भी आवेदक को चुनने/रद्द करने/उनकी सेवा समाप्त करने तथा अधिसूचना को रद्द करने का भी अधिकार सुरक्षित रखता है। किसी भी विवरण/जिज्ञासाओं के लिए कृपया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची के कार्यालय से संपर्क करें।

(PR-483) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रांची

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in



# न्याय की जीत

जनता दल (एस) के पूर्व सांसद और पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को रेप के एक मामले में मिली उम्रकैद की सजा न्याय की मिसाल है। केस दर्ज होने के करीब सालभर में पीड़िता को इंसाफ मिल गया। केस को त्वरित गति से निपटाने के लिए पुलिस से लेकर जूडिशरी तक ने असाधारण तेजी दिखायी। इससे साबित होता है कि अगर ठान लिया जाये, तो कोई भी अपराधी अदालत के कटघरे से बच नहीं सकता।

**विश्वास तोड़ा :** प्रज्वल रेवन्ना का अपराध मानवता को शर्मसार करने वाला है। उसने कमजोर और गरीब तबके की महिलाओं से लेकर सरकारी कर्मचारियों तक को निशाना बनाया। यहां तक कि अपनी पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं को भी नहीं छोड़ा और सभी पीड़िताओं के विडियो शूट किए थे। पुलिस के अनुसार प्रज्वल रेवन्ना ने करीब 100 महिलाओं का यौन शोषण किया। उसने उस भरोसे का कत्ल किया, जो एक जनप्रतिनिधि पर जनता को होता है।

**ताकत का गलत इस्तेमाल :** पिछले साल अप्रैल में लोकसभा चुनाव से ऐन पहले प्रज्वल के निर्वाचन क्षेत्र हासन में उसके कुकृत्य को उजागर करने वाले सैकड़ों पेन ड्राइव लोगों को मिले थे। इसी के बाद उसकी असलियत सामने आयी। दोषी करार दिए जाने के बाद जो प्रज्वल रेवन्ना अदालत में रो रहा था, वही मामला खुलने के बाद बचने के लिए अपनी ताकत का कोई भी इस्तेमाल करने से नहीं हिचका था। वोटिंग के तुरंत बाद अपने राजनयिक पासपोर्ट का इस्तेमाल कर वह विदेश भाग गया था। यह भी आरोप है कि उसके पिता और कर्नाटक सरकार में मंत्री रहे एचडी रेवन्ना व उसकी मां भवानी रेवन्ना ने पीड़िता का अपहरण करा लिया था, ताकि वह बयान न दर्ज करा सके।

**एसआइटी प्रमुख बीके सिंह ने भी सर्वाइवर की तारीफ करते हुए कहा कि वह चट्टान की तरह अडिग रही। उसके हौसले और हिम्मत को सलाम करते हुए जांच एजेंसी की भी प्रशंसा की जानी चाहिए।**

**पीड़िता की हिम्मत :** प्रज्वल रेवन्ना और उसके परिवार ने अपनी ताकत एवं राजनीतिक पहुंच का भरपूर इस्तेमाल किया। यह मुकदमा शायद कभी अंजाम तक न पहुंचता, अगर वह पीड़िता डटी न रही होती। एसआइटी प्रमुख बीके सिंह ने भी सर्वाइवर की तारीफ करते हुए कहा कि वह चट्टान की तरह अडिग रही। उसके हौसले और हिम्मत को सलाम करते हुए जांच एजेंसी की भी प्रशंसा की जानी चाहिए। अपराध के करीब चार साल बाद सबूतों को जुटाना और इतने गतिरोध के बीच आगे बढ़ना आसान नहीं रहा होगा।

**लड़ाई अभी बाकी :** प्रज्वल के खिलाफ यौन शोषण के चार मामले दर्ज किये गये थे। अभी केवल पहले का फैसला आया है यानी लड़ाई अभी लंबी है, लेकिन, इस पहले केस ने यह विश्वास पैदा किया है कि राजनीतिक हस्तक्षेप न हो और ईमानदारी बरती जाये, तो तेजी से न्याय बिल्कुल मिल सकता है।

अभिमत
आजाद सिपाही

**महाभारत के रचयिता महर्षि वेदव्यास का जन्म भी गुरु पूर्णिमा को हुआ था। बौद्ध धर्म की मान्यताओं के अनुसार गुरु पूर्णिमा के दिन ही सारनाथ में अपने शिष्यों को प्रथम उपदेश दिया था। गुरु पूर्णिमा को धर्मचक्र का प्रवर्तन हुआ। धर्मग्रंथों में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु, शिव और परब्रह्म कहा गया है। ध्यान का मूल गुरु की मूर्ति में है, पूजा का मूल गुरु के चरणों में है, मंत्र का मूल गुरु के शब्दों में है और गुरु की कृपा हो जाए तो मोक्ष का मार्ग प्रशस्त हो सकता।**

# गुरु कृपा के बिना जीवन की सार्थकता संभव नहीं

कृष्ण मोहन झा

आज गुरु-शिष्य परंपरा का पुनीत पर्व गुरु पूर्णिमा है । गुरु के समक्ष विनयावनत होकर उनके प्रति अटूट श्रद्धा और आदर की अभिव्यक्ति का यह पुनीत पर्व इन दिनों सारे देश में मनाया जा रहा है। धर्मग्रंथों के अनुसार गुरु पूर्णिमा को ही भगवान शिव ने दक्षिणामूर्ति के रूप में ब्रह्मा के चार मानस पुत्रों को वेदों का ज्ञान प्रदान किया था।

महाभारत के रचयिता महर्षि वेदव्यास का जन्म भी गुरु पूर्णिमा को हुआ था। बौद्ध धर्म की मान्यताओं के अनुसार गुरु पूर्णिमा के दिन ही सारनाथ में अपने शिष्यों को प्रथम उपदेश दिया था। गुरु पूर्णिमा को धर्मचक्र का प्रवर्तन हुआ। धर्मग्रंथों में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु, शिव और परब्रह्म कहा गया है।

ध्यान का मूल गुरु की मूर्ति में है, पूजा का मूल गुरु के चरणों में है, मंत्र का मूल गुरु के शब्दों में है और गुरु की कृपा हो जाए तो मोक्ष का मार्ग प्रशस्त हो सकता ।गुरु ही अपने शिष्य को ईश्वर का ज्ञान कराता है। गुरु की कृपा के बिना जीवन की सार्थकता अकल्पनीय है। किसी शिष्य के पास सब कुछ होने के बाद भी अगर उसे गुरु कृपा की आकांक्षा नहीं है तो उसे अपने जीवन में पूर्णता की अनुभूति नहीं हो सकती। संसार में जितने भी महापुरुष हुए हैं उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय गुरु को दिया है। सम्राट चंद्रगुप्त ने आचार्य चाणक्य, शिवाजी महाराज ने समर्थ गुरु रामदास , और स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण परमहंस का शिष्य बन कर ही अखिल विश्व में अपार यश और कीर्ति अर्जित की। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है।

**गुरु शिष्य परंपरा में भी त्याग और समर्पण की प्रधानता प्रदान की गयी है।**

**गुरु पूर्णिमा के पुनीत पर्व पर सारे देश में श्रद्धा पूर्वक गुरु वंदना करके और शिष्य अपने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। देश में विभिन्न स्थानों इस आयोजन के अलग-अलग स्वरूप देखने को मिलते हैं। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और राष्ट्र के परम वैभव के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में भगवा ध्वज को गुरु मान कर उसका वंदन किया जाता है।**

गुरु के अंदर मनुष्य को ईश्वर से जोड़ने की सामर्थ्य होती है। गुरु ही अपने शिष्य का ईश्वर से साक्षात्कार कराता है इसीलिए कहा गया है कि

**गुरु गोविंद दोऊ खड़े,**
**काके लागूं पाय।**
**बलिहारी गुरु आपकी**
**गोविंद दियो बताय।।**

गुरु जीवन भर मनुष्य को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गुरु के बिना मनुष्य अपने जीवन में पूर्णता की अनुभूति नहीं कर सकता। गुरु अपने शिष्यों को गलत मार्ग पर चलने से रोकता है। गुरु अपने शिष्य पर आयी विपत्ति को अपने ऊपर लेकर उसके जीवन को निरापद बना देता है लेकिन शर्त केवल यही है कि गुरु के प्रति शिष्य की श्रद्धा और विश्वास अटूट होना चाहिए।

शिष्य का गुरु के प्रति सम्पूर्ण समर्पण और शिष्य के लिए गुरु के सर्वस्व त्याग से गुरु शिष्य परंपरा का निर्वाह होता शिष्य के सर्वांगीण विकास के लिए शिष्य को शिक्षा के साथ जो उत्तम संस्कार प्रदान करते हैं, वे जीवन भर उसके काम आते हैं।

गुरु से प्राप्त शिक्षा और संस्कार शिष्य की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गुरु की महिमा को शब्दों की सीमा में बांधना असंभव है।

**सात समुंद की मसि करूं लेखनि**
**सब बनराइ,**
**धरती सब कागद करूं गुरु गुण**
**लिखा न जाई।**

गुरु की महिमा अपार है। अगर सातों समुद्रों के जल की स्याही बना ली जाए,वन की सभी टहनियों की कलम बना ली जाए और सारी धरती को कागज का रूप दे दिया जाये, तब भी गुरु की महिमा का बखान करना संभव नहीं है।

कबीर दास कहते हैं कि :-

**कबिरा ते नर अंध हैं**
**गुरु को कहते और।**
**हरि रूठे गुरु ठौर है**
**गुरु रूठे नहिं ठौर।।**

अर्थात अगर ईश्वर रूठ जाये तो आप गुरु की शरण में जाकर अपनी भूल सुधार सकते हैं, लेकिन अगर गुरु रूठ जाएं तो आपको कहीं शरण नहीं मिल सकती। गुरु को नाराज करने के बाद मनुष्य जिस मुश्किल का सामना करने के लिए विवश हो जाता है, उससे बाहर निकलने का रास्ता और कोई नहीं बता सकता।

गुरु पूर्णिमा अपने उस गुरु के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का दिन है जिसके ऋण से कोई शिष्य कभी मुक्त नहीं हो सकता। शिष्य अपने जीवन में जो सम्मान, शोहरत और यश अर्जित करता है, उसमें सबसे बड़ी भूमिका गुरु की दी हुई शिक्षा और उत्तम संस्कारों की होती है। गुरु अपने शिष्य से इसके बदले में कोई अपेक्षा नहीं रखते। वे केवल इतना चाहते हैं कि उनका शिष्य कभी उनके बताए रास्ते से विमुख न हो।

शिष्य जब जीवन में सफलता के शिखर की ऊंचाईयों को स्पर्श करता है तो गुरु से अधिक प्रसन्नता किसी को नहीं होती। शिष्य की सफलता से गुरु को यह अनुभूति होती है कि उसकी दी शिक्षा सार्थक हो गयी। गुरु और शिष्य का संबंध आजीवन बना रहता है। जो शिष्य यह मान लेता है कि अब वह जिस मुकाम पर पहुंच गया है, वहां उसे गुरु की परोक्ष आवश्यकता भी नहीं है वहीं से उसका पराभव प्रारंभ हो जाता है। सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद अगर शिष्य के अंदर अहंकार जागृत हो जाये, तो गुरु उसके अहंकार को तोड़ कर उसे वास्तविक धरातल पर ले आता है, ताकि वह अहंकार शिष्य की उन्नति के मार्ग में बाधा न बन सके। इतिहास में ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है।

इसलिए गुरु अपने शिष्य को समय समय पर सचेत भी करते हैं और इस प्रक्रिया में उन्हें अपने प्रतिभाशाली शिष्य के प्रति कठोर भी होना पड़ता है। गुरु की इस कठोरता से शिष्य के व्यक्तित्व और कृतित्व में और निखार आता है।

गुरु पूर्णिमा के पुनीत पर्व पर सारे देश में श्रद्धा पूर्वक गुरु वंदना करके और शिष्य अपने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। देश में विभिन्न स्थानों इस आयोजन के अलग-अलग स्वरूप देखने को मिलते हैं। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और राष्ट्र के परम वैभव के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में भगवा ध्वज को गुरु मान कर उसका वंदन किया जाता है। भगवा ध्वज को त्याग और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। गुरु शिष्य परंपरा में भी त्याग और समर्पण की प्रधानता प्रदान की गयी है।

**(लेखक राजनैतिक विश्लेषक हैं। डिसक्लेमर : ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।)**

## कोल्हान की खबरें

# बिजली विभाग की लापरवाही टूटने की स्थिति में पहुंचा खंभा

आजाद सिपाही संवाददाता

**घाटशिला।** राज स्टेट फुटबॉल मैदान के समीप बड़ाम बाबा पूजा स्थल के पास जर्जर हालत में खड़ा बिजली का खंभा किसी भी वक्त हादसे को न्योता दे सकती है। यह खंभा पूरी तरह सड़कर टूटने की स्थिति में पहुंच चुका है। जबकि इसके ऊपर से 11,000 वोल्ट का विद्युत प्रवाहित तार गुजर रहा है। जर्जर खंभे से सटे ट्रांसफार्मर से आसपास के इलाके में बिजली की आपूर्ति की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है यह इलाका भीड़भाड़ वाला है और यहां से रोजाना बच्चों, बुजुर्गों व राहगीरों का आना-जाना लगा रहता है। मैदान में नियमित रूप से बच्चे खेलते हैं और 15 अगस्त व 26 जनवरी जैसे सरकारी आयोजन भी यहीं होती हैं।ग्रामीणों ने बताया कई बार इस खतरे की जानकारी बिजली विभाग को दी गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है विभाग के अधिकारी तब ही जागेंगे जब कोई बड़ी जान-माल की क्षति हो। इसके अलावा, बड़ाम बाबा पूजा स्थल के पास 440 वोल्ट के तार पर झाड़ियां लटक रही हैं, जो बरसात के मौसम में और भी खतरनाक हो गई हैं। लोगों ने आशंका जताया कभी भी कोई व्यक्ति या पशु इन तारों के संपर्क में आकर करंट की चपेट में आ सकते है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से शीघ्र कार्रवाई करते हुए जर्जर खंभे को बदलने और तारों से झाड़ियां हटाने की मांग की। ताकि संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

# चांडिल में प्रवीन महतो पर जानलेवा हमला कारवाई की मांग

**चांडिल (आजाद सिपाही)।** सरायकेला खरसावां जिले के चांडिल थाना अंतर्गत भुइयांडीह गांव में रांची लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी व सामाजिक कार्यकर्ता प्रबीन चंद्र महतो पर जानलेवा हमला होने का एक मामला प्रकास में आया है।आरोप संतोष लायेक, चंद्रकांत लायेक और मंगल लायेक पर लगा है, जबकि हमले के पीछे पूर्व जिला परिषद सदस्य ओम प्रकाश लायेक की भूमिका बताई जारही है। प्रबीन महतो ने उन पर अवैध जमीन कारोबार और सीएनटी-एसपीटी एक्ट उल्लंघन का आरोप लगाया। हमले में बीच-बचाव करने आई पद्मावती महतो के साथ भी मारपीट हुई। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

# टाटा स्टील को इंडियन सर्कुलर इकोनॉमी फोरम ने लार्ज एंटरप्राइज श्रेणी में एसीइ अवार्ड से किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

**जमशेदपुर।** टाटा स्टील को इंडियन सर्कुलर इकोनॉमी फोरम द्वारा 'लार्ज एंटरप्राइज' श्रेणी में एसीई अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान औद्योगिक कार्यों में सर्कुलर इकोनॉमी सिद्धांतों और सस्टेनेबल अभ्यासों को बड़े पैमाने पर अपनाने में कंपनी के उत्कृष्ट नेतृत्व को मान्यता देता है।यह पुरस्कार दिल्ली एनसीआर में आयोजित समारोह में टाटा स्टील की ओर से दीपंकर दासगुप्ता (एग्जीक्यूटिव-इन-चार्ज, इंडस्ट्रियल बाय-प्रोडक्ट्स मैनेजमेंट डिवीजन), अमित रंजन (सीओएमएस, आईबीएमडी), अमित कुमार महतो (हेड-मार्केटिंग एंड बिजनेस डेवलपमेंट, आईबीएमडी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने प्राप्त किया। टाटा स्टील लौह एवं इस्पात उद्योग में शून्य अपशिष्ट लक्ष्य के साथ इंडस्ट्रियल बाय-प्रोडक्ट्स से मूल्य सृजन में अग्रणी है। यह कार्य एक समर्पित प्रॉफिट सेंटर इंडस्ट्रियल बाय-प्रोडक्ट मैनेजमेंट डिवीजन (आइबीएमडी) के माध्यम से किया जाता है। जो सर्कुलर इकोनॉमी के तीन आर सिद्धांतों पर आधारित है।टाटा समूह की आलिंगना पहल के तहत टाटा स्टील वर्ष 2045 तक नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इंडियन सर्कुलर इकोनॉमी फोरम ने कंपनी के सस्टेनेबल अभ्यासों और अपशिष्ट प्रबंधन में अग्रणी भूमिका की सराहना की।

# घाटशिला में दैनिक मजदूर की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

**घाटशिला।** बिहार के दरभंगा जिले के रहने वाले दैनिक मजदूर पवन मार्डी का अचानक तबीरत खराब होने से सड़क किनारे मौत हो गया। मंगलवार शाम लगभग 5 बजे साइकिल से घर लौटते समय वह सड़क किनारे बैठ गया और कुछ ही देर में दम तोड़ दिया। जिला परिषद सदस्य कर्ण सिंह ने मौके पर पहुंचकर पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। अनुमंडल अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पवन मार्डी भादुड़ीह गांव में अपनी बहन के घर रहकर काम करता था। परिवार को सूचना देकर शव की पहचान करायी गयी।

# नीमडीह में पत्थर खनन करते जेसीबी को ग्रामीणों ने पकड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

**नीमडीह।** सरायकेला-खरसावां जिले के झिमड़ी स्थित सोना डूंगरी में ग्रामीणों ने देर रात अवैध पत्थर खनन करते पकड़ लिया। मौके पर ट्रक और जेसीबी को रोककर पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद दोनों वाहन को जब्त किए गए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया सफेद ग्रेनाइट का अवैध खनन लंबे समय से प्रशासनिक संरक्षण में हो रहा है। संबंधित अधिकारियों को भुगतान किया जाता है। नीमडीह पुलिस ने मामले की जांच के लिए अंचलाधिकारी को आवेदन सौंपा है। जिला खनन पदाधिकारी को भी जानकारी दी गई है। ग्रामीणों ने तत्काल खनन रोकने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना प्रशासनिक विफलता को उजागर करती है, क्योंकि हाल ही में डीसी ने अवैध खनन रोकने के निर्देश दिए थे।

# आदित्यपुर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

**आदित्यपुर।** लघु उद्योग भारती और आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्री एसोसिएशन की ओर से एशिया भवन सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मंगलवार को उद्यमियों और पदाधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वक्ताओं ने कहा दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड की अस्मिता, अधिकार और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष के प्रतीक थे। उद्योग जगत उनके योगदान को सदैव याद रखेगा। मौके पर इंदर कुमार अग्रवाल, संतोष खेतान, प्रवीण गुटगुटिया, दशरथ उपाध्याय, राजीव रंजन मुन्ना, संजय सिंह, विनोद शर्मा, स्वपन मजूमदार, राजकुमार संघी सहित कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

# मजदूरों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

**घाटशिला।** सुरदा माइंस में प्रथम पाली के दौरान कार्यरत मजदूरों ने झारखंड राज्य निमार्ता सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और जननायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मजदूरों ने कार्य स्थल पर 2 मिनट का मौन धारण कर दिवंगत नेता के आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें के नारों के साथ उन्हें याद किया। मौके पर मजदूर प्रतिनिधि सुभाष मुरमू, दाखिन हांसदा, सुनील हेम्ब्रम, सुनील मुरमू समेत कई मजदूर मौजूद रहे।

# दिशोम गुरु शिबू सोरेन को गढ़वावासियों ने दी श्रद्धांजलि

## गुरुजी का संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा : प्रमुख दीपमाला

**विमला देवी स्मृति भवन में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को झामुमो कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि**

आजाद सिपाही संवाददाता

**मेराल ।** राज्य सभा सांसद और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को मेराल प्रखंड मुख्यालय स्थित विमला देवी स्मृति भवन में प्रखंड झामुमो द्वारा आयोजित शोक सभा में पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए गुरूजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दशरथ प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए प्रखंड प्रमुख दीपमाला कुमारी ने कहा कि गुरुजी का संपूर्ण जीवन जनहित, सामाजिक न्याय और झारखंड की अस्मिता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने जिस दृढ़ता से आदिवासी समुदाय के अधिकारों तथा समाजिक एकता की लड़ाई लड़ी। उनका संघर्ष, आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा में प्रखंड अध्यक्ष सूर्य प्रकाश, संजय भगत, मुखिया मनदीप सिंह, हरेंद्र चौधरी, अजय प्रसाद गुप्ता, बिनोद प्रसाद, हेमंत कुमार, राजेश कुमार बैठा, ज्ञान रंजन मिश्रा, नवीन कुमार जायसवाल, प्रमोद कुमार गुप्ता, अनुज कुमार, पंचम कुमार, कामेश्वर सिंह, जगजीवन राम, चंदु बैठा, मुन्नी यादव, सुनील बैठा, मंदीप पासवान, राजु पासवान, लक्ष्मी विश्वकर्मा, मो. साहेब अंसारी, जहुर रंगसाज, राहुल यादव तथा विभिन्न पंचायतों के पार्टी पदाधिकारी एवं सदस्य व कई ग्रामीण शामिल थे।

## विद्या मंदिर केतार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

केतार (आजाद सिपाही)। झारखंड की राजनीति के एक युग का अंत हो गया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और जनजातीय समाज के मसीहा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर ने पूरे राज्य को शोक में डूबो दिया है। केतार प्रखंड अंतर्गत सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सोमवार श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा की शुरूआत 2 मिनट के मौन व्रत से हुई। जिसमें सभी उपस्थित शिक्षकों छात्र-छात्राओं और विद्यालय परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य मनोज कुमार गुप्ता ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ना केवल एक राजनेता थे, बल्कि वे राज्य की आत्मा थे जिन्हें हम सभी ने खो दिया। उनका जीवन संघर्षों में सिद्धांत की जीत और जन सेवा की मिसाल है। आगे उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने आदिवासी समाज, दलित, वंचित और शोषण के अधिकार के लिए हमेशा संघर्ष किया, चाहे वे झारखंड के मुख्यमंत्री रहें हो या केंद्र सरकार में मंत्री, उनका संपूर्ण जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए समर्पित रहा। शोक सभा में उपस्थित प्रधानाचार्य मनोज गुप्ता शिक्षक दीनानाथ आचार्य जी, आदित्य, रमेश, श्याम बिहारी जी, मीना कुमारी, सविता कुमारी, श्वेता कुमारी, चंदा कुमारी, गीतांजलि कुमारी सहित विद्यालय परिवार उपस्थित थे।

## बीडीएसयू में शोकसभा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

**गढ़वा।** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सदस्य शिबू सोरेन के निधन पर बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में शोकसभा का आयोजन किया गया। शोक संदेश में वक्ताओं ने कहा कि शिबू सोरेन ने न केवल आदिवासी समाज के अधिकारो के लिए लड़ाई लड़ी बल्कि अलग झारखंड राज्य के निर्माण में भी निर्णायक भूमिका निभायी। उनका जीवन संघर्ष, तपस्या और समर्पण का प्रतीक रहा है तथा अन्याय के खिलाफ उनकी आवाज उनके जन्मस्थल की गलियों से होकर पूरे राज्य में गूंजा। 1969-70 में नशाबंदी, साहूकारी व जमीन बेदखली के खिलाफ जनांदोलन शुरू किया, जिसने उन्हे अदिवासी समाज का नायक बनाया कसभा में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह ने कहा की दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड की आत्मा थे। उनका जीवन सामाजिक न्याय, जनजातीय अधिकारों और संघर्ष की प्रेरणा देता है साथ ही गुरु जी से मेरा व्यक्तिगत संबंध भी रहा है। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मौके पर बोलते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एम के सिंह ने कहा कि उन्होंने झारखंड राज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई एवं आदिवासी समाज के हक और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। झारखंड के निर्माण में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जायेगा।

इस शोक सभा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अजय भूषण प्रसाद, परीक्षा नियंत्रक डॉ ललन कुमार, वनांचल एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के पदाधिकारी सुभाष सिंह, प्रवीण कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, पंकज सिन्हा एवं विभिन्न कॉलेज एवं विभाग के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए।07

## गुरुजी सदैव हमारी स्मृतियों में जीवित रहेंगे : रंजनी शर्मा

**दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झामुमो प्रखंड कार्यालय भवनाथपुर में शोकसभा का आयोजन**

आजाद सिपाही संवाददाता

**भवनाथपुर।** दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को झामुमो प्रखंड कार्यालय में जिला परिषद सदस्य सह गढ़वा झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला नेत्री रंजनी कुमारी उर्फ रंजनी शर्मा की अध्यक्षता में शोकसभा का आयोजन किया गया। सभा में जेएमएम कार्यकर्ताओं ने दिवंगत गुरुजी की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। मौके पर रंजनी शर्मा ने कहा कि आज झारखंड समेत देश भर में फैले करोड़ों लोगों के मार्गदर्शक, दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का अंतिम दर्शन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कहा कि आंखें नम हैं, दिल गमगीन है, लेकिन आपको 'अंतिम जोहार' करना हमारे लिए संभव नहीं है। आप सदैव हमारी स्मृतियों में जीवित रहेंगे और आपके आदर्श हमें समाज के अधिकारों की लड़ाई में आगे बढ़ने की राह दिखाते रहेंगे। वहीं वरिष्ठ नेता ब्रजेश सिंह ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन अपूरणीय क्षति है। इस मौके पर प्रमुख शोभा देवी, उपप्रमुख पिंटू टोपो, भवनाथपुर मुखिया बेबी देवी, जसवंता देवी, सुषमा देवी, पूनम देवी, ललिता देवी, गोपाल उरांव, विजय राउत, उपेंद्र राउत, नागेंद्र शर्मा, उल्फत अंसारी, शिवकुमार राम, कुंदन ठाकुर, मनोज चंद्रवंशी, लालमन सिंह, नौलेश पासवान, शमशेर अंसारी, इंदु देवी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और एसके इंटरनेशनल स्कूल में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

**रंका।** झारखंड राज्य के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं एस के इंटरनेशनल स्कूल में दो मिनट का मौन रख कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। इस मौके पर स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ असजद अंसारी, डॉ गोरखनाथ पांडेय, आशा कुमारी, जीएनएम चंद्रकांती कुमारी, शीलवंती देवी तरुण विश्वास, पीएलवी समाजसेवी अमरेंद्र कुमार, चालक राजेंद्र राम, अनिल कुमार, आभा मिंज, किरण यादव, अनिल ठाकुर, गार्ड सुरेंद्र यादव, संदीप यादव, अनिल ठाकुर, डॉ नितीश परमार्थी, उत्कर्ष मिश्रा मौजूद थे। वहीं एसके इंटरनेशनल स्कूल में प्राचार्य जगत गौतम, बंटी, सुशील कुमार सहित काफी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

## आदिवासी-मूलवासी की आवाज थे दिशोम गुरु शिबू सोरेन: जितेंद्र

**रारो पंचायत सचिवालय में शोक सभा आयोजित**

आजाद सिपाही संवाददाता

**डंडई।** प्रखंड के रारो पंचायत सचिवालय परिसर में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड आंदोलन के प्रणेता शिबू सोरेन के निधन पर एक शोक सभा आयोजित की गयी। शोक सभा में मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र ठाकुर, बीडीसी अरविंद पासवान, पूर्व उपमुखिया शिव प्रसाद यादव, वार्ड सदस्य लालमुनी पासवान, प्रेम यादव, शिवधर यादव सहित सभी उपस्थित लोगों ने शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी।

मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र ठाकुर ने अपने वक्तव्य में कहा कि दिशोम गुरु अब हमारे बिच नहीं रहे लेकिन उनकी याद और उनकी बात हमेशा के लिए याद रहेगी। उन्होंने झारखंड राज्य की स्थापना में अहम भूमिका निभायी, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज सिर्फ झारखंड नहीं, बल्कि पूरा देश उनके निधन पर शोक में डूबा है। शोक सभा में रामलखन यादव, शकील अंसारी, महेंद्र यादव, बिमलेश यादव, बलराम सिंह, उमेश यादव, चंदेश्वर सिंह, ज्ञानी विश्वकर्मा, प्रमानंद राम, राजू विश्वकर्मा, शशिकांत ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

## बीडीएसयू में बीएचएमएस परीक्षा का परिणाम घोषित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने बीएच एमएस प्रथम वर्ष (सत्र 2023-28) के परीक्षा 2025 का परिणाम घोषित किया। इस परीक्षा मे शत प्रतिशत परीक्षार्थी पास हो गये हैं। इस परीक्षा के परिणाम में 1125 अंक लाकर संकल्प श्रीवास्तव प्रथम तथा 1071 एवं 1070 अंक लाकर क्रमशः मो० आदिल अख्तर तथा नेहा कुमारी दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इस परीक्षा फल के प्रकाशित होने पर देवकी महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च हॉस्पिटल के प्राचार्य प्रो. (डॉ) केशवेन्द्र कुमार तिवारी ने बीएचएमएस प्रथम वर्ष (शैक्षणिक सत्र: 2023-24) के छात्र-छात्राओं को परीक्षा परिणाम की घोषणा के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा की यह उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। परीक्षा फल प्रकाशित होने के बाद बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह ने प्राचार्य प्रो. (डॉ) केशवेंद्र कुमार तिवारी एवं उनके विभाग के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकेतर कर्मचारियों को बधाई दी है।

## बंशीधर नगर पुलिस ने 11 ऑटो जब्त किया

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। पुलिस ने मंगलवार को शहर में सड़क पर जाम लगाने, ओवर लोड सवारी बैठाने तथा बिना ड्राईविंग लाईसेंस के गाड़ी चलाने के आरोप में 11 ऑटो को जब्त किया है। इस संबंध में थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि वाहन चालकों की मनमानी के कारण शहर में हमेशा जाम की स्थिति बनी हुई है। इसको लेकर हमेशा वाहन चालकों को हिदायत दी जा रही है, उसके बाद भी चालकों में सुधार नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को भी सड़क पर जाम लगाने, ओवर लोड सवारी बैठाने तथा बिना ड्राईविंग लाईसेंस के गाड़ी चलाने के आरोप में 11 टेंपो को जब्त किया गया है।

## धुरकी पुलिस ने छह वारंटियों को जेल भेजा

धुरकी (आजाद सिपाही)। धुरकी पुलिस ने बीती रात को 6 वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल दिया। इसमें मिर्चाइया गांव के गिरवर चौधरी, विष्णु धारी चौधरी, सिकंदर चौधरी, वह शिवरी गांव के हीरा भुइयां, चंद्रिका भुईयां एवं धुरकी थाना कांड संख्या 113/23 में फरार चल रहे प्राथमिक अभियुक्त धोबनी गांव के प्रदीप कुमार यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेजा गया।

## भवनाथपुर में बारिश से कच्चा मकान ढहा

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में रुक-रुक कर हो रही बारिश के बीच मंगलवार को थाना क्षेत्र के बुका गांव स्थित तितही टोला निवासी सुलखनी देवी पत्नी सरीखा भुइया का खपरैल से बना कच्चा मकान अचानक गिर गया। गनीमत रही कि घटना के समय घर के सभी सदस्य बाहर मौजूद थे, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। मकान गिरने से घर में रखा कपड़ा, अनाज एवं अन्य घरेलू सामान पूरी तरह मिट्टी में दब गया। पीड़ित परिवार को इस घटना से भारी नुकसान उठाना पड़ा है। घटना की सूचना मिलते ही पंचायत की मुखिया बेबी देवी मौके पर पहुंचीं और क्षतिग्रस्त मकान का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित सुलखनी देवी को ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि सरकारी प्रावधान के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की पूरी कोशिश की जायेगी। स्थानीय ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार को शीघ्र सहायता देने की मांग की है।

## होम्योपैथिक मेडिसिन के गुणवत्ता नियंत्रण मानक को लेकर कॉलेज मीट का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

**गढ़वा।** बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय अंतर्गत देवकी महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च हॉस्पिटल और एसबीएल होम्योपैथिक मेडिसिन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के सहयोग से एक सफल कॉलेज मीट का आयोजन किया गया। यह आयोजन 05 अगस्त को गुरुपद संभवराम ऑडिटोरियम में हुआ।

इस मीट का मुख्य उद्देश्य होम्योपैथिक मेडिसिन की 'गुणवत्ता नियंत्रण मानक' और होम्योपैथिक दवाओं के निर्माण में गुणवत्ता नियंत्रण के महत्व पर चर्चा करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह उपस्थित थे। उन्होंने अपने संबोधन में होम्योपैथिक विधा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

एसबीएल कंपनी से आए हुए विशिष्ट अतिथियों में डॉ. निरंजन कुमार (जर्मन होम्यो लिंक डाल्टनगंज), ए.के. नंदी (रट), देवाशीष पटनायक (अरट), रंजीत कुमार, मनोहर और अनूप सिन्हा ने भी अपने विचार साझा किये।

कार्यक्रम के समापन में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) केशवेंद्र कुमार तिवारी ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और सभी इंटर्न्स से होम्योपैथिक दवाइयों के प्रचार-प्रसार के माध्यम से जन जन तक पहुंचाने पर जोर दिया।

## पंडी नदी की बाढ़ से हजारों एकड़ धान की फसल जलमग्न

आजाद सिपाही संवाददाता

पंडी नदी के बाढ़ में डूबा धान की फसल।

**कांडी।** प्रखंड के गाड़ाखुर्द पंचायत अंतर्गत कई गांवों के किसान इन दिनों बाढ़ की दोहरी मार झेल रहे हैं। पंडी नदी में आई भीषण बाढ़ के कारण गाड़ाखुर्द व नारायणपुर सहित कई गांवों के हजारों एकड़ में लगी धान की फसल बीते तीन दिनों से पूरी तरह जलमग्न है, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। प्रभावित किसानों में गाड़ाखुर्द के अरुण दुबे, सीताराम दुबे, ललन द्विवेदी, पृथ्वीनाथ द्विवेदी तथा नारायणपुर के राम स्वरूप मेहता, बुचुन चौधरी, सुरेश मेहता, प्रवेश चौधरी, लाल बिहारी चौधरी, विष्णु सिंह, बासुदेव सिंह, श्याम बिहारी चौधरी आदि शामिल हैं। इन सभी ने बताया कि पहले ही सोन व पंडी नदी की बाढ़ में उनके धान के बिचड़े सड़ गये थे, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ था। बिचड़ा नष्ट होने के बाद किसानों ने कर्ज लेकर, रिश्तेदारों से सहयोग पाकर या दूर-दराज के क्षेत्रों जैसे कांडी, डूमरसोता, हैदरनगर, पांडु आदि से बिचड़ा खरीद कर खेतों में रोपाई की थी। प्रति कट्ठा 300 रुपये की दर से बिचड़ा खरीदा गया था, लेकिन अब भारी वर्षा और नदी में बढ़े जलस्तर के कारण रोपा हुआ धान भी डूब चुका है। कुछ किसानों ने रोपनी एक सप्ताह पहले ही की थी, जबकि कई किसान अब भी रोपनी कर ही रहे थे कि बाढ़ ने सब तहस-नहस कर दिया। अब किसान हताश और निराश हैं। उनका कहना है कि यदि सरकार या प्रशासन से कोई राहत नहीं मिली, तो उनके लिए इस वर्ष की कृषि पूरी तरह से चौपट हो जायेगी।

## प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह के निधन पर बीडीएसयू में शोक सभा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

**गढ़वा।** लोकप्रिय हिंदी दैनिक समाचार पत्र 'आजाद सिपाही' के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह के निधन पर बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के सभागार में शोकसभा का आयोजन किया गया। शोक संदेश में कहा गया कि स्व० सिंह एक निर्भीक, निष्पक्ष और समर्पित पत्रकार थे। उनकी लेखनी ने सदैव सत्य और जनहित की बात की। उन्होंने पत्रकारिता को एक मिशन के रूप में जिया और समाज के वंचित वर्गों की आवाज को सशक्त मंच प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह ने कहा कि उनके असामयिक निधन से पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची। वे एक सशक्त पत्रकारिता के प्रतीक थे और उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एम के सिंह ने कहा की मेरा व्यक्तिगत संबंध रहा हैं। वे अपने लेखनी से हमेशा समाज के ज्वलंत मुद्दों को उठाया और पत्रकारिता को नई दिशा दी। सभा में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी।

इस शोक सभा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अजय भूषण प्रसाद, परीक्षा नियंत्रक डॉ ललन कुमार, वनांचल एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के पदाधिकारी सुभाष सिंह, प्रवीण कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, पंकज कुमार सिन्हा एवं विभिन्न कॉलेज एवं विभाग के प्राचार्य, शिक्षकगण उपस्थित हुए।

## केतार : भव्य कांवर यात्रा निकाली गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

**केतार।** अंतिम सोमवारी के पावन अवसर प्रखंड क्षेत्र में प्रखंड क्षेत्र के सुप्रसिद्ध श्री सूर्य मंदिर नारायण वन मुकुंदपुर स्थित भोलेनाथ पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। वहीं भव्य कांवर यात्रा निकाली गयी। कांवर यात्रा में हजारों भोलेनाथ के भक्तों ने बाबा भोलेनाथ की जलाभिषेक किया। हर हर भोला, हर हर महादेव एवं भोलेनाथ के जयकारा से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस कांवर यात्रा में भोलेनाथ एवं मां पार्वती, भूत बैताल, नाग देवता की झांकी निकाली गयी। भवनाथपुर शिव पहाड़ी गुफा मंदिर विकास समिति के तत्वधान में केतार स्थित पंडा एवं ढाढरा नदी के संगम से जल उठाकर भगवान घाटी होते हुए भवनाथपुर स्थित ऐतिहासिक शिव पहाड़ी गुफा में अवस्थित भोलेनाथ पर भक्तों ने जलाभिषेक किया। मौके पर जल यात्रा में शामिल जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी, भवनाथपुर जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा, केतार मुखिया प्रमोद कुमार, बलिगढ़ पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मनोरंजन प्रसाद गुप्ता, पंडरिया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अनिल चौबे, चपरी मुखिया शैलेश चौबे ,शिव पहाड़ी मंदिर समिति के अध्यक्ष ब्रजेश कुमार गुप्ता, सचिव रामविजय साह, संरक्षक बबन साह, मोहन साह, इंद्रजीत, सुदिप, मिथलेश, दिपू सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

### अंतिम सोमवारी पर डॉ दिनेश सिंह ने किया जलाभिषेक

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के शिव ढोढा स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर परिसर में सावन माह की अंतिम सोमवारी के अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. दिनेश सिंह ने की। डॉ.दिनेश सिंह ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं आरोग्यता की कामना की। डॉ. दिनेश सिंह ने कहा कि सावन मास भगवान शिव को समर्पित है और इस पावन अवसर पर ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मकता और भक्ति भाव को बढ़ाते हैं। इस आयोजन में सीएचसी के डॉ. नीतीश भारती, डॉ. इंद्रकिशोर विश्वकर्मा, लेखा प्रबंधक प्रदीप पाठक, अनूप गुप्ता, सीपी यादव, सुनील, अनुज, अमोद, ब्रजेश समेत कई ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in
08

## लोहरदगा-पेशरार मुख्य सड़क पर गिरा पेड़

**लोहरदगा (आजाद सिपाही)।** जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण किस्को प्रखंड अंतर्गत बेटहट हेसापीढ़ी गांव स्थित सरना स्थल का पूजनीय पीपल का विशाल वृक्ष जड़ सहित उखड़कर लोहरदगा-पेशरार मुख्य सड़क पर जा गिरा। जिससे सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गयी है। पेड़ के सड़क पर गिरने से न केवल वाहनों की आवाजाही बंद हो गयी है, बल्कि पैदल चलना भी दुस्वार हो गया है। यह सड़क कई गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ती है, जिससे आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रखंड प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र अति शीघ्र सड़क से पेड़ को हटवाया जाये, ताकि लोगों की आवाजाही सामान्य हो सके।

## उबलते पानी से झुलसी मासूम, हालत स्थिर

**लोहरदगा (आजाद सिपाही)।** जिला के सेन्हा थाना क्षेत्र के अलौदी सुरसुरी गांव में मंगलवार को 11 महीने की मासूम बच्ची खेलते-खेलते अचानक खोलते हुए गर्म पानी में हाथ डाल बैठी। बच्ची के जोर-जोर से रोने की आवाज सुनते ही परिजन घबराकर मौके पर पहुंचे और तुरंत उसे लोहरदगा सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। सदर अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने बच्ची का प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे निगरानी में रखा है। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्ची के हाथ में जलन की गंभीर चोटें आयी हैं, लेकिन समय रहते इलाज शुरू कर देने से फिलहाल उसकी स्थिति खतरे से बाहर बतायी जा रही है। परिवार के अनुसार, घटना उस समय हुई जब बच्ची घर में खेल रही थी और पानी उबालने के लिए रखे गए बर्तन के पास पहुंच गयी। अचानक खेलते-खेलते उसने अपना हाथ उबलते पानी में डाल दिया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गयी। परिजनों का कहना है कि बच्ची की उम्र बहुत कम होने के कारण वह दर्द से लगातार रो रही थी और उसका इलाज जारी है। इस घटना से यह संदेश मिलता है कि छोटे बच्चों के पास गर्म पानी या किसी भी खतरनाक वस्तु को बिल्कुल भी न छोड़ा जाए और माता-पिता को हर समय सतर्क रहना चाहिए।

## पत्नी से विवाद के बाद युवक ने दी जान

**बरवाडीह (आजाद सिपाही)।** छिपादोहर थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपनी पत्नी से झगड़ा के बाद कुंए में कूद कर आत्महत्या कर ली। घटना छिपादोहार थाना क्षेत्र के हरातू पंचायत की है। ग्रामीणों के सूचना पर छिपादोहर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और लातेहार मे पोस्टमार्टम के बाद शव को स्वजनों को सौंपा दिया गया। घटना के संबंध में पंचायत हरातू के मुखिया प्रतिनिधि जनेश्वर सिंह ने बताया कि घटना के पीछे घरेलू विवाद है। उन्होंने कहा कि शनिवार की रात रतन सिंह का अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर अनबन हुआ था। रतन सिंह नशे की हालत में था और उसने अपनी पत्नी के साथ दुर्व्यवहार किया। विवाद के दौरान उसने पत्नी के संवेदनशील अंगों पर हमला कर घर से फरार हो गया। ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले करने की योजना बनायी थी, लेकिन डर के मारे रतन सिंह रविवार को अपने घर के कुएं में छलांग लगा दी। ग्रामीणों ने उसे बचाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन नशे की हालत में होने के कारण वह डूब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। वही छिपादोहार थाना प्रभारी यकीन अंसारी ने बताया कि मामले को यूडी केस के तहत दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जांच के दौरान यह प्रमाणित होता है कि किसी व्यक्ति ने रतन सिंह को आत्महत्या के लिए उकसाया है तो उस पर प्राथमिकी दर्ज की जायेगी।

## अनियंत्रित होकर पिकअप पलटा, एक घायल

**बरवाडीह (आजाद सिपाही)।** बरवाडीह थाना क्षेत्र के हिन्देहास के पास अनियंत्रित होकर मंगलवार अहले सुबह एक पिकअप वाहन जेएच 10 टी 0860 पलट गया। जिसमे पिकअप वाहन पर सवार एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो नये चालक के द्वारा चलाया जा रहा था पिकअप वाहन, डीजे लेकर आया था पिकअप। इस संबंध मे मिली जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन छिपादोहर थाना क्षेत्र के चुंगरु गांव का बताया जा रहा। जो मध्य रात्रि हिन्देहास गांव आया था। तभी एक नवशिखये चालक ने चाभी मांगी और चलाना शुरू किया जिसके तुरंत बाद ही घटना का शिकार हो गया। चुंगरु मोके पर पुलिस टीम पहुंच जांच पड़ताल में जुट गयी है और वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। खबर लिखे जाने तक वाहन मालिक का पता नही चल पाया है।

## शिबू सोरेन को आज श्रद्धांजलि देगी झारखंड आंदोलनकारी महासभा

**लोहरदगा (आजाद सिपाही)।** झारखंड आंदोलनकारी महासभा लोहरदगा जिला समिति के कार्यकारी जिला अध्यक्ष अमर किंडो ने प्रेस रिलीज कर बताया कि झारखंड आंदोलन के प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु वीर शिबू सोरेन के निधन को झारखंड की आत्मा पर गहरा आघात और एक अपूरणीय क्षति है। महासभा की ओर से 6 अगस्त (बुधवार) को ब्लॉक मोड़ के समीप स्थित नीरू शांति भगत के आवासीय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जायेगा, जिसमें आंदोलनकारी समुदाय सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस संबंध में झारखंड आंदोलनकारी महासभा लोहरदगा जिला समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार भगत, कार्यकारी अध्यक्ष अमर किंडो, सचिव विशेषण भगत, उपाध्यक्ष उषा रानी लकड़ा एवं कोषाध्यक्ष कृष्णा कुमार ठाकुर ने संयुक्त बयान जारी कर जिले के समस्त आंदोलनकारियों से इस श्रद्धांजलि सभा में भाग लेने की अपील की है। नेताओं ने कहा कि दिशोम गुरु का पूरा जीवन संघर्ष, न्याय और सामाजिक चेतना का प्रतीक रहा है। उन्होंने न केवल झारखंड के अलग राज्य की लड़ाई को धार दी, बल्कि आदिवासी अस्मिता और सम्मान की बुलंद आवाज बने। उनके जाने से एक युग का अंत हुआ है, जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। सभा में गुरुजी के जीवन, संघर्ष और योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी।

# चंदवा के दो मजदूरों के शव बक्सर में रेल लाइन से बरामद

**परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, की जांच की मांग**

आजाद सिपाही संवाददाता

**चंदवा।** चंदवा प्रखंड के बन्हर्दी पंचायत के रहने वाले दो मजदूर बक्सर 30 जुलाई को ट्रेन के माध्यम से जेके सीमेंट कंपनी में काम करने के लिए निकले थे। एक व्यक्ति का नाम नेशारुल अंसारी पिता इजराफिल अंसारी उम्र 19 वर्ष दूसरे व्यक्ति का नाम पंकज कुमार पिता विनोद राम उम्र 19 वर्ष दोनों युवक बक्सर काम करने सीमेंट कंपनी में गये हुए थे। तीन अगस्त को रात्रि में बक्सर के ही रहने वाले कोई मजदूर किसी एक के घर में फोन कर कहां की बक्सर में ही रेलवे ट्रैक के किनारे दोनों व्यक्ति का लाश पड़ा हुआ है और दोनों मृत पाये गये हैं। इधर सूचना मिलते ही दोनों युवक के परिजन चार अगस्त को ट्रेन के माध्यम से बक्सर पहुंचे और शव को देखकर कहां की दोनों लोग की मृत्यु हो गई है। परंतु दोनों का ट्रेन से दुर्घटना नहीं हुई है वही इस घटना की पूरी जानकारी लातेहार के विधायक प्रकाश राम को सूचना दिया गया। सूचना मिलते ही माननीय विधायक प्रकाश राम ने अपने दो प्रतिनिधि स्वास्थ्य प्रतिनिधि विजय कुमार दुबे और प्रखंड प्रतिनिधि सुरेश यादव को परिजनों से मिलकर पूरी जानकारी इकट्ठा करने को कहा और परिवार जनों से मिलने को भी कहा उसके बाद दोनों प्रतिनिधि मृतक घर जाकर परिजनों से मिलकर पूरी जानकारी हासिल किया और इस दुख की घड़ी में ढाढ़स दिया। परिजनों ने भी दोनों प्रतिनिधियों को कहा कि दोनों मृत युवकों का दुर्घटना ट्रेन से नहीं हुई है दोनों को हत्या की गयी है, सर पर और गाल पर दोनों को चोट लगी है। जो प्रतीत हो रहा है कि यह धारदार हथियार से इन पर हमला किया गया है इसके साथ ही घटना की पूरी जानकारी लातेहार विधायक प्रकाश राम को दी गयी। पूरी जानकारी मिलने के बाद विधायक प्रकाश राम ने कहा कि ऐसी घटना करने वाले लोगों को जांच उपरांत कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

## फरार अभियुक्त आदेश गंझू के घर की हुई कुर्की-जब्ती

आजाद सिपाही संवाददाता

**बारियातू।** स्थानीय और बालूमाथ पुलिस ने संयुक्त रूप न्यायलय के निर्देश पर मंगलवार को थाना कांड संख्या 70/2024 के फरार चल रहे अभियुक्त चतरा जिला के टंडवा निवासी आदेश गंझू के घर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। आरोपी आदेश गंझू, पिता जतरू गंझू, ग्राम होनहे, थाना टंडवा, जिला चतरा का निवासी है। वह लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा था। बारियातू थाना प्रभारी रंजन पासवान ने जानकारी देते हुए बताया कि आदेश गंझू के खिलाफ 11 जून 2024 को थाना कांड संख्या 70/2024 दर्ज किया गया था। इस कांड में बीएनएस की धारा 126(1), 115(1), 109(1), 324(5), 324(6), 308(3), 308(4) के साथ-साथ आर्म्स एक्ट की धारा 27 और सीएलए एक्ट की धारा 17 के तहत मामला दर्ज है। थाना प्रभारी ने आगे बताया कि अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय के निर्देश पर कई बार उसके विरुद्ध इश्तेहार जारी कर दीवारों पर चस्पा किया गया, लेकिन वह कोर्ट में आत्मसमर्पण करने नहीं गया। अंततः न्यायालय के आदेश पर मंगलवार को कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की गयी। इस अभियान में एसआइ निर्मल मंडल, जितेंद्र कुमार, एएसआईसुरेश कुमार सिंह, टंडवा थाना के बाबूलाल टोप्पो के अलावा बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शस्त्र बल के जवान मौजूद थे।

## सावन माह के अंतिम चरण में शिवालयों में उमड़ी भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

**लोहरदगा।** सावन की अंतिम माह के कारण आजकल शिव मंदिरो में ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है। जैसे जैसे सावन माह समाप्ति की ओर जा रही है वैसे वैसे भक्तों का उत्साह और बढ़ता जा रहा है। इस क्रम में भंडरा के अखिलेश्वर धाम में मंगलवार को भी बहुत भीड़ देखी गयी। प्रखंड के ऐतिहासिक अखिलेश्वर धाम मे सुबह से ही शिवालयों में शिवभक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। खासकर महिलाओं में पूजा-अर्चना को लेकर काफी उत्साह देखा गया। भंडरा स्थित अखिलेश्वर धाम समेत चट्टी, कुम्हारिया, भौरो सेमरा आदि गावों के शिवालयों में दिनोंभर शिवभक्तों का तांता लगा रहा। इस दौरान महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने शिवालय पहुंचकर भगवान भोलेशंकर पर फल, फूल, नैवेद्य, भांग, धथुरा, बेलपत्र आदि चढ़ाकर पूजा-अर्चना किया। इसके साथ ही शिवलिंग पर जलाभिषेक कर अपने पूरे परिवार की मंगल कामना की।

## बच्चे की पिटाई करनेवाली रसोइया पर अब तक कार्रवाई नहीं

**पिटाई से बच्चे की किडनी हो गयी खराब**

**प्रशासन से परिजन लगा रहे इंसाफ की गुहार**

**विद्यार्थी परिषद ने दी धरना की चेतावनी**

मुकेश कुमार सिंह

**लातेहार (आजाद सिपाही)।** लातेहार के होटवाग स्थित अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय में रसोइया द्वारा एक बच्चे की बुरी तरह की गयी पिटाई के डेढ़ महीने बाद भी दोषी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। अब यह मामला तूल पकड़ने लगा है।

### क्या है मामला

यह पूरा मामला अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय, होटवाग से जुड़ा है। विवेक कुमार इस स्कूल में आठवीं क्लास में पढ़ता है। आरोप है कि 18 जून को रसोइया कूना देवी ने अन्य बच्चों के साथ मिल कर विवेक की बुरी तरह पिटाई की थी। उसे जमीन पर पटक कर पैरों से मारा गया था। उसके पेट में अंदरूनी चोट लगी थी और खून की उल्टी हुई थी। हालत खराब होने पर उसका इलाज लातेहार में किया गया। फिर उसे मेदिनीनगर भेजा गया। जांच के दौरान पता चला कि विवेक की एक किडनी खराब हो गयी है। करीब 20 दिन तक इलाज करने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया। पैसे के अभाव में परिजन विवेक को लेकर अपने घर लातेहार चले आये। परिजनों ने मामले की जानकारी जिला प्रशासन को दी और इंसाफ की गुहार लगायी है।

**धरना की चेतावनी**

**मामले की जानकारी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक मुकेश यादव को हुई। उन्होंने विवेक के परिजनों को मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा दोषियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। यह पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल पैदा करता है। यदि तीन दिन के भीतर रसोइया कूना देवी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाती है और उन्हें तत्काल विद्यालय से नहीं हटाया जाता है, तो परिषद चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करेगी। जिला मुख्यालय में धरना-प्रदर्शन किया जायेगा।**

## गुरु जी को कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

**बरवाडीह।** बरवाडीह बाजार स्थित कांग्रेस पार्टी के कार्यालय में मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के नेता कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उन्हे श्रृद्धांजलि दी। वही मौके पर मनिका विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामचंद्र सिंह के पुत्र कांग्रेस नेता विजय बहादुर सिंह ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन बापू झारखंड के निर्माता थे झारखंड को अलग राज्य गठन कराने में अपने जीवन को लगातार संघर्ष में रखे, जो आज पुरे झारखंड के लोग लाभ ले रहे हैं अगर दिशोम गुरु शिबू सोरेन नहीं होते तो आज झारखंड राज्य अलग नहीं होता बहुत आंदोलन के बाद आज झारखंड राज्य बना है। जमीन से जुड़े हुए नेता थे इसके साथ राजनीति और आदिवासी के लिए बहुत बड़ा दुखद है जो हमलोग बीच नहीं रहे। इसके पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तस्वीर पर फुल-माला चढ़ाकर नमन किया और लोगों ने याद किया। वही नसीम अंसारी ने कहा कि गुरुजी केवल झारखंड राज्य निर्माण के स्तंभ नहीं थे, बल्कि वे आदिवासी समाज की अस्मिता, अधिकारों और न्याय की बुलंद आवाज थे। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, सेवा और सिद्धांतों की प्रेरक मिसाल रहा। वे हमेशा झारखंड की आत्मा में जीवित रहेंगे और हमारे विचारों एवं संकल्पों को मार्गदर्शन देते रहेंगे। वही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल सिंह ने अपने भावुक संबोधन में कहा कि दिशोम गुरुजी के निधन से न सिर्फ झारखंड, बल्कि पूरे देश ने एक महान जननायक को खो दिया है। वे हम सभी के अभिभावक स्वरूप थे। मौके पर नसीम अंसारी विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह उर्फ पिंटु, अनिल सिंह, अजय चंद्रवंशी, शिवानन्द तिवारी उर्फ दिपू, मो सईद अंसारी, रघुनंदन राम, राजू कुमार अजीत कुमार, अखिलेश यादव, दिलशाद अंसारी, आलोक सिंह पंकज गुप्ता श्याम बिहारी प्रसाद, बिरेंद्र सिंह, सुरेश मिश्रा,पंकज पासवान ,संजय यादव, अशोक सिंह, बीरबल राम, निर्मल सिंह, अजय सिंह ,संजय सिंह, सुजीत कुमार, प्रेम कुमार अधूरा, हरीश सिंह, लक्ष्मन सिंह के कई दिग्गज नेता मौजूद थे।

## दिशोम गुरु शिबू सोरेन को अंजुमन इस्लामिया ने पेश की खिराज-ए अकीदत

**झारखंड आंदोलन के मसीहा को सलाम, उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को राह दिखायेगाः अब्दुल रऊफ अंसारी**

**हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे दिशोम गुरुः शाहिद अहमद बेलू**

आजाद सिपाही संवाददाता

**लोहरदगा।** झारखंड की आत्मा, संघर्ष का प्रतीक और समानता की आवाज दिशोम गुरु शिबू सोरेन को नम आंखों से खिराज-ए-अकीदत पेश करते हुए अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा ने उन्हें झारखंड के इतिहास का अमिट स्तंभ बताया। सदर अब्दुल रऊफ अंसारी ने कहा कि दिशोम गुरु न केवल एक राजनेता थे, बल्कि एक जननायक, एक विचार, और एक आंदोलन थे। वे हर वर्ग और समुदाय की बेहतरी के लिए लड़ने वाले ऐसे विरले नेता थे, जिनका इंतकाल झारखंड ही नहीं, पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि अपने जीवन का हर लम्हा उन्होंने समाज के वंचित, शोषित और दबे-कुचले वर्गों की आवाज बनने में बिताया। शिक्षा, रोजगार, हक और सम्मान की लड़ाई में उन्होंने कभी पीछे नहीं हटे। उनका मार्गदर्शन और प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों को संघर्ष की राह दिखाता रहेगा। सचिव शाहिद अहमद बेलू ने खिराज ए अकीदत पेश करते हुए कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के शिखर व्यक्तित्व थे। उन्होंने जंगल से लड़ाई की शुरूआत की और जनमानस को झारखंड अलग राज्य की चेतना से जोड़ा। उनका जीवन, उनका संघर्ष और उनका विजन आज के झारखंड की नींव हैं। वे हमारे दिलों में हमेशा जिन्दा रहेंगे। अंजुमन इस्लामिया के अन्य पदाधिकारी और सदस्यों ने भी खिराज-ए-अकीदत पेश किये। जिनमें नायब सदर सैयद आरिफ हुसैन, हाजी नईम खान, कोषाध्यक्ष सैयद फिरोज शाह, सहसचिव अल्ताफ कुरैशी, अनवर अंसारी, इरशाद आलम, अबुल कलाम तैगी, असगर अली, शेराज अंसारी, यासीन कुरैशी, गुलाम मुर्तजा सहित अंजुमन इस्लामिया के तमाम सदस्य शामिल हैं।

## पतंजलि योग समिति ने आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिन को जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

**लोहरदगा।** पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान न्यास जिला लोहरदगा के तत्वावधान में श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस पर आयोजित जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें जिला के कई जगहों पर औषधीय पौधों एवं जड़ी बूटी का निःशुल्क वितरण किया गया। जिसमें जिला प्रभारी एवं मुख्य योग प्रशिक्षक प्रवीण कुमार भारती के द्वारा व्यवहार न्यायालय लोहरदगा में जज एवं अधिवक्तागण, न्यायालय के कर्मचारियों एवं अन्य लोगों के बीच गिलोय, एलोवेरा, नीम आदि पौधों का वितरण किया गया। मौके पर जिला प्रभारी ने कहा कि वनस्पति जगत, औषधीय पौधे हैं तो हम हैं हमारा वजूद है। वर्ना हमारा अस्तित्व ही मिट जायेगा।

औषधीय पौधे विशेषकर गिलोय, तुलसी, एलोवेरा, अर्जुन, भूमि आंवला, पुनर्नवा आदि किसी महौषधि से कम नहीं है। सिर्फ गिलोय के सेवन से बीपी, शुगर, जोड़ों के दर्द, बुखार, मूत्र रोग, रोगप्रतिरोधक क्षमता एवं शरीर की कमजोरी के लिए भी अद्भुत लाभदायक होता है। आज इम्मयून सिस्टम को लेकर हर कोई चिंतित रहता है ऐसे में गिलोय रामबाण औषधि है अतः योगानुकूल जीवन जीने के साथ साथ औषधि सेवन भी हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। संरक्षक शिव शंकर सिंह, पतंजलि जिला प्रभारी के अभय भारती की उपस्थिति में भी शिव मंदिर कृषि बाजार लोहरदगा प्रांगण में औषधीय पौधे का वितरण किया गया। जिसमें शहर के गणमान्य जन मौजूद रहे।

## शिबू सोरेन के निधन पर मोमिन कांफ्रेंस और शिक्षक संघ ने जताया शोक

आजाद सिपाही संवाददाता

**लोहरदगा।** झारखंड आंदोलन के पुरोधा, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस व झारखंड प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ लोहरदगा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मोमिन कांफ्रेंस और शिक्षक संघ ने कहा कि शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता। संघ की ओर से जारी शोक संदेश में उन्हें झारखंड की आत्मा और सामाजिक न्याय की आवाज बताया गया। इस दुखद घड़ी में मोमिन कॉन्फ्रेंस की ओर से संवेदना प्रकट करने वालों में प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली, सगीर अंसारी, शहादत हुसैन, शकूर अंसारी, हाजी अब्दुल जब्बार, मोजमिल अंसारी, जिला अध्यक्ष हाजी सिकंदर अंसारी, वरीय उपाध्यक्ष मुमताज अहमद, सवारत हुसैन, जहूर अंसारी, सेराज अंसारी, परवेज अंसारी, नसीम अंसारी, मोजाहिर अंसारी, हसनैन अंसारी, वही शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सुमन, जिला अध्यक्ष मुमताज अहमद, शिक्षक रामकुर साहू, शिवानंद साहू, तौफीक अहमद, अयूब अंसारी, जैनुल अंसारी, सुधा लकड़ा, पुष्पा कुजूर, सावित्री मधुर, जमरूल अंसारी सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in
09

# जंगल में लकड़ी चुनने गयी मां-बेटी और नातिन की डूबने से मौत, दो दिनों के बाद शव बरामद

## पहाड़ी नदी पार करने के दौरान हुआ दर्दनाक हादसा, गांव में पसरा मातम

आजाद सिपाही संवाददाता

**हुसैनाबाद।** मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र में रविवार को खुखड़ी (जंगली सब्जी) चुनने जंगल गई मां, बेटी और नातिन की पहाड़ी नदी पार करते समय डूबने से मौत हो गई थी। तीनों का शव मंगलवार को बरामद कर लिया गया है। उनकी पहचान शांति कुंवर (52), अंजलि कुमारी (14) और काजल कुमारी (7) के रूप में हुई है। शांति मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के बटउआ गांव की रहने वाली थी।

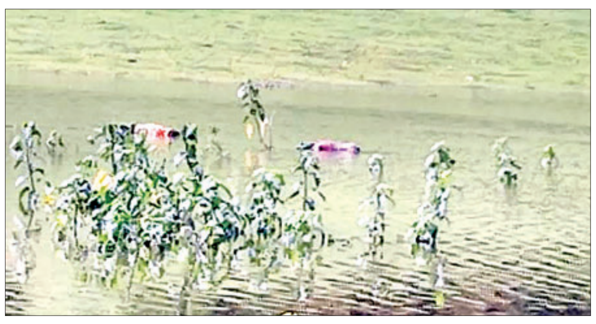

मोहम्मदगंज क्षेत्र में स्थित डैम में तैरता हुआ शव।

जबकि अंजलि कुमारी और काजल रोहतास के काराकाट थाना क्षेत्र के भरत गांव की रहने वाली थी। तीनों रिश्ते में मां-बेटी और नातिन हैं। जानकारी के अनुसार, तीनों जंगल में खुखड़ी चुनने गई थीं। लौटते समय उन्हें पहाड़ी नाला पार करना था, लेकिन उस समय भारी बारिश के कारण पानी का बहाव तेज हो गया था। नाले से नीचे बहकर गौराहा डैम तक पहुंचने के दौरान तीनों की डूबकर मौत हो गई। यह घटना इतनी सुनसान जगह पर घटी कि आसपास किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। काफी देर तक जब तीनों घर नहीं लौटीं तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इस बीच मंगलवार की सुबह ग्रामीणों की सूचना पर गोताखोरों की मदद से गौराहा डैम से तीनों के शव बरामद किये गये। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से पूरे इलाके में शोक का माहौल है। गांव में मातम पसरा हुआ है। उधर, घटना की सूचना पाकर मौरे पर पहुंची पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गयी है। दूसरी ओर, ग्रामीणों ने जंगल और डैम जैसे इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

## शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति: कमलेश

**हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)।** हरिहरगंज-हुसैनाबाद विस क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सपा नेता कमलेश कुमार यादव ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। कहा कि शिबू सोरेन का निधन झारखंड की राजनीति, समाज और विशेषकर आदिवासी अस्मिता के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि वे जनभावनाओं के प्रतीक और झारखंडी अस्मिता के संरक्षक थे। अपने संपूर्ण जीवन को गरीबों, वंचितों और शोषितों के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित कर दिया। शिबू सोरेन ने झारखंड की आत्मा को पहचाना और उसे एक अलग राज्य के रूप में आकार देने में अहम भूमिका निभाई। कमलेश

कुमार यादव ने कहा कि गुरुजी की सोच, संघर्ष और सिद्धांतों से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलती रहेगी। शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए एक बड़ा नुकसान है, लेकिन उनकी विरासत और आदर्श हमेशा जीवित रहेंगे।

## गुरुजी का जाना एक युग की विदाई : अविनाश

**झारखंड आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु को अविनाश देव ने दी श्रद्धांजलि**

**मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)।** झारखंड माटी कला बोर्ड के निवर्तमान सदस्य, संत मरियम विद्यालय के चेयरमैन सह झामुमो नेता अविनाश देव ने झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंगलवार को झारखंड विधानसभा परिसर में आयोजित राजकीय श्रद्धांजलि सभा में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि गुरुजी का जाना, केवल एक व्यक्ति की नहीं, एक युग की विदाई है। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, सिद्धांत और सेवा का प्रतीक था। कहा कि शोषित, पीड़ित, वंचित और आदिवासी अस्मिता की लड़ाई को जिस साहस और प्रतिबद्धता के साथ गुरुजी ने लड़ा, वह इतिहास

के स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। झामुमो के संस्थापक, आदिवासी चेतना के अग्रदूत, महाजनी प्रथा और सामाजिक शोषण के विरुद्ध छह दशक लंबा संघर्ष करने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने सोमवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से संपूर्ण झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। एयर एंबुलेंस से उनके पार्थिव शरीर को रांची लाया गया, जहां लोकदर्शन के लिए आवास पर रखा गया। मंगलवार को झारखंड विधानसभा परिसर में अंतिम दर्शन के लिए उन्हें लाया गया। इस दौरान राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो, पूर्व मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी, पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी,सांसद और विधायक सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आमजनों ने पुष्पांजलि अर्पित कर अंतिम विदाई दी।

## झारखंड आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु को मुखिया संघ ने दी श्रद्धांजलि

**हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)।** शहर के पंच सरोवर पार्क (गैता पोखरा) परिसर में मुखिया संघ की ओर से शोक सह श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुआ। इस दौरान मुखिया ने झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित किया। मुखिया संघ के अध्यक्ष नरेश पासवान और सचिव अमरेंद्र ठाकुर ने कहा कि गुरुजी का जाना केवल व्यक्ति की नहीं, बल्कि एक युग की विदाई है। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, सिद्धान्त और सेवा का प्रतीक था। कहा कि आदिवासी स्मिता की लड़ाई को जिस साहस और प्रतिबद्धता के साथ गुरुजी ने लड़ा, वह इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में मुखिया संघ के उपाध्यक्ष आत्मेश कुमार सिंह, मुखिया विनोद कुमार सिंह, ओमप्रकाश राजवंशी, सुदामा यादव, श्रवण राम, मनोज भारती, अशोक चौधरी, विजय राम, समाजसेवी लखन यादव, बिमलेश पासवान, कुंदन पासवान, शिव शंकर यादव, अशोक यादव, चंदन कुमार, अजय राम, रामजी राम, उपेंद्र मेहता, प्रशांत सिंह और योगेंद्र सिंह आदि शामिल हैं।

## दिशोम गुरु को दी गयी श्रद्धांजलि

**देवघर (आजाद सिपाही)।** भारत विकास परिषद, देवघर शाखा ने मंगलवार की शाम श्रावणी मेला सेवा शिविर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शाखा अध्यक्ष आलोक मल्लिक ने गुरुजी को स्मरण करते हुए कहा कि वे एक युग पुरोधा थे जिनका अवसान एक युग का अंत है। उनके जाने से झारखंड के आंदोलनकारी चरित्र में एक शून्यता आ गई। महाजनी प्रथा के विरुद्ध बिगुल फूंकने के बाद वे झारखंड अलग राज्य निर्माण के लिए जन आंदोलन की नींव रखी और झारखंड के जनक के रूप में पहचाने गए। राज्य की आदिम जनजातियों की दशा और दिशा बदलने में अपना पूरा जीवन न्योछावर कर दिया। तभी तो वे दिशोम गुरु कहलाए और इसी नाम से पूरे देश में प्रतिष्ठा पाई।

## दुष्कर्म की कोशिश, आहत नाबालिग ने की आत्महत्या

**आरोपी युवक और उसके माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज**

**हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)।** अनुमंडल क्षेत्र के मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय एक नाबालिग ने दुष्कर्म की कोशिश से आहत होकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने पुलिस को बताया कि विगत दो अगस्त को राहुल ठाकुर नामक आरोपी युवक ने नाबालिग के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। हंगामा होने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। यह देख आरोपी वहां से भाग निकला। इसके बाद तीन अगस्त की सुबह राहुल अपने माता-पिता के साथ फिर पहुंचा और नाबालिग को जबरदस्ती अपने साथ ले जाने की जिद करने लगा। परिजनों के विरोध और भीड़ जमा होने पर आरोपी और उसके परिजन वहां से फिर भाग

निकले। इस घटना से आहत होकर सोमवार की रात नाबालिग ने आत्महत्या कर ली। उधर, पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस ने आरोपी राहुल ठाकुर और उसके माता-पिता के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। घटना के बाद से आरोपी और उसके परिजन फरार हैं। हुसैनाबाद के एसडीपीओ एस मो याकूब ने बताया कि पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह छापामारी कर रही है।

## जपला आरपीएफ ने 10 लोगों को किया गिरफ्तार

**हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)।** सोननगर गढ़वा रोड रेल खंड के जपला रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी राजेश कुमार मीना के नेतृत्व में यात्री सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान रेल अधिनियम के तहत स्टेशन परिसर में अनाधिकृत रूप से घूमते हुए कई लोगों को गिरफ्तार किया। आरपीएफ के निरीक्षक प्रभारी राजेश कुमार मीणा ने बताया कि यात्री सुरक्षा को लेकर आरपीएफ पुलिस सजग है। अनाधिकृत रूप से यात्रा करने वाले और स्टेशन परिसर में अनाधिकृत रूप से घूमने वाले एवं प्लेटफार्म परिसर में रील बनाने के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पैसेंजर ट्रेन के महिला एवं दिव्यांग बोगी से सात एवं स्टेशन परिसर में अनाधिकृत रूप से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज कर डाल्टनगंज न्यायिक दंडाधिकारी को अग्रसारित किया गया है। बताया कि न्यायालय ने सभी को जुर्माना लेकर रिहा कर दिया है। उन्होंने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। कहा कि जिन्हें भी अनाधिकृत यात्रा करते या रेल परिसर में बेवजह विचरण करते पकड़ा जाएगा। उनपर कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में आरपीएफ के उप निरीक्षक कार्तिक बिंझा आदि शामिल थे।

## दो फरार वारंटी गिरफ्तार, भेजे गये जेल

**हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)।** हरिहरगंज थाना क्षेत्र के पत्थरा ओपी की पुलिस ने मंगलवार को दो फरार वारंटियों को तरवन खुर्द अकौनी गांव से गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी पुनि सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने दी। उन्होंने

बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त मरझू भुइंया और बासुदेव भुइंया के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुआ था। वे कई महीनों से फरार थे। जिन्हे गिरफ्तार कर न्यायालय को सौंप दिया गया।

# लगातार हो रही भारी बारिश ने मचायी तबाही, कहीं टूटी सड़क, तो कहीं आहर

## आहर टूटने से बह गयी सड़क, विद्यालय में भरा पानी

आजाद सिपाही संवाददाता

**हरिहरगंज/पलामू।** हरिहरगंज और पीपरा प्रखंड क्षेत्र में लगातार दो दिनों की बारिश ने तबाही मचा दी है। लगातार बारिश के चलते कहीं सड़क टूट गयी, तो कहीं आहर ध्वस्त हो गये। जिससे लोगों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। इस दौरान हरिहरगंज के सरसोत बटाने नदी पर बना डायवर्सन नदी में बह गया। जबकि सरसोत चार मुहान से बटाने डैम जाने वाले सड़क पर बनी पुल-पुलिया बह गयी। उधर, पीपरा प्रखण्ड क्षेत्र के शोभीचक उत्क्रमित मध्य विद्यालय स्थित आहर टूटने से सड़क बह गया और विद्यालय में पानी भर गया। जिससे एमडीएम की राशन के अलावे कई समान बर्बाद हो गये।

इस संबंध में प्रधानाचार्य उदय राम ने बताया कि भारी बारिश के चलते आहर टूटने से सड़क बह गया है। सड़क से तीन-चार फीट पानी जा रही है। आवागमन पूरी तरह बंद होगया है। उक्त सड़क से बच्चों को आने-जाने में खतरा बढ़ गया है। कभी भी बड़ी घटना हो सकती है। आहर में 10 फीट गहराई में पानी लगा हुआ है। इस दौरान दलपतपुर पंचायत क्षेत्र के मसूरिया और धनपत टोला की सड़क भी बह गया है। जिससे आवागमन पूरी तरह बंद है।

# जब पहली बार बैद्यनाथ मंदिर पहुंचे गुरुजी ने पंडों से मांगा था झारखंड आंदोलन में सहयोग

आजाद सिपाही संवाददाता

**देवघर।** दिशोम गुरु शिबू सोरेन का कर्मभूमि संथाल परगना के देवघर से भी खासा लगाव था। झारखंड आंदोलन के समय से देवघर को दिशोम गुरु ने अपना एक प्रमुख केंद्र बना रखा था। बात चाहे महाजनी प्रथा के खिलाफ बिगूल फूंकने की हो या उसे जनांदोलन का रूप देने की, या झारखंड आंदोलन को हवा देने की। उन्होंने देवघर को हमेशा प्रमुखता दिया। सुदूर इलाके से जड़ें जमाते हुए गुरुजी वर्ष-1990 में सक्रिय रूप से देवघर शहर तक प्रवेश कर गए थे। यहां आदिवासी के साथ मूलवासियों को पार्टी से जोड़ने की दिशा में बड़ी पहल करते हुए उसी वर्ष पहली बार द्वादश ज्योतिलिंगों में सर्वश्रेष्ठ कामनालिंग बाबा वैद्यनाथ की पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे। उस समय देवघर में उनके सबसे नजदीक डॉ सुनील खवाड़े को पूजा कराने की जवाबदेही सौंपी गयी थी। उनकी अगुवाई में हुई भव्य और विधिपूर्वक पूजा-अर्चना के बाद गुरुजी उस वक्त के साथी सूरज मंडल के साथ बाबा मंदिर को जोड़ने वाले वैद्यनाथ लेन के अलावा यहां की तंग गलियों से पदययात्रा करते हुए शिवगंगा के पूर्वी छोर पर नगर पालिका के शयनशाला भवन पहुंचे थे। वहां खचाखच भरे पुरोहितों के बीच दिशोम गुरु ने झारखंड आंदोलन को धारदार बनाने के लिए उनका साथ मांगा था। वहां से पुनः पदयात्रा करते हुए लक्ष्मीपुर चौक स्थित शिव धाम भोजन करने पहुंचे थे। देवघरिया कचौड़ी, सब्जी, मिठाई, दही खाकर उन्होंने जमकर तारीफ भी की थी। पुरोहितों के उत्साह एवं मिले साथ से गदगद गुरुजी ने सुनील खवाड़े की अगुवाई में देवघर के आरमित्रा उच्च विद्यालय प्रांगण में दो मई 1991 से झारखंड दिवस मनाना शुरू किया। सुनील की अगुवाई एवं दिशोम गुरु की उपस्थिति में साल दर साल वह कार्यक्रम बुलंदी पर पहुंचता गया। झारखंड की राजनीति के माहीर शिबू सोरेन ने उस अवधि में देवघर जिले में संगठन में नयी जान फूकने का काम किया, जिसका प्रभाव

आजतक यहां दिख रहा है।

उधर, झारखंड आंदोलन के क्रम में गुरुजी सक्रिय रूप से देवघर में संगठन के आह्वान का नेतृत्व भी करते थे। एक बार झामुमो के बंद के बाद तत्कालीन बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की ओर से झारखंड आंदोलनकारियों के खिलाफ कड़े फरमान जारी किए जाने के बीच बंद सफल बनाने के लिए देवघर पहुंचे दिशोम गुरु को देवघर-चितरा मुख्य पथ पर ऊपरबंधा में प्रशासन ने रोक दिया था। उसके बाद गुरुजी ने सुनील खवाड़े को एसएमएस भेजा कि किसी भी प्रकार चितरा चौक पर विरोध-प्रदर्शन कराना है। जिस कारण पुलिस की कड़ी निगरानी के बावजूद सुनील की अगुवायी में तारानंद सिंह, गिरिधारी मंडल सहित करीबन 150 नेता-कार्यकर्ता सोनारायठाढ़ी, बदिया मोड़, सारठ के रास्ते चितरा एवं वहां से बहियार पार कर मजदूर नेता श्याम सिंह के घर पहुंचे। वहां से गुरुजी के आह्वान पर चितरा चौक पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। कड़ी चौकसी के बावजूद पुलिस की नाक के नीचे से चितरा चौक पहुंचकर नारेबाजी ने प्रशासन को सकते में डाल दिया। आनन-फानन में सभी की गिरफ्तारी की तैयारियां होने लगी। हालांकि बतौर दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त सीओ उदय कांत पाठक और थानेदार अरविंद सिंह ने माहौल बिगड़ने से बचाने के लिए सबों को एक ट्रक से पुलिस के साथ देवघर के लिए रवाना कर दिया।

### सड़क पर चार दिन लगा दी गयी खाट

झारखंड आंदोलन के क्रम में गुरुजी के आह्वान पर आर्थिक नाकेबंदी की घोषणा का ऐसा प्रभाव पड़ा था कि सुनील खवाड़े की अगुवाई में मोहनपुर थाना क्षेत्र में चार दिनों तक सड़क पर खाट बिछाकर कार्यकर्ता बैठ गये थे। एक भी ट्रक को चार दिनों तक उस रास्ते से पार होने नहीं दिया गया था। वह सफलतम नाकेबंदी के लिए आज भी जाना जाता है।

### मुख्यमंत्री बनने के बाद भी पहुंचे थे बाबा दरबार

अलग झारखंड राज्य का गठन होने के बाद जब शिबू सोरेन को पहली बार मुख्यमंत्री बने, उस वक्त भी वह कामनालिंग बाबा वैद्यनाथ का आभार जताने के लिए बाबा दरबार पहुंचे थे। सुनील खवाड़े की अगुवाई में उस समय में भी विधि-विधान के साथ उन्होंने बाबा वैद्यनाथ की पूजा-अर्चना की थी। उनके साथ सूबे के तत्कालीन उप मुख्यमंत्री सुधीर महतो सहित अन्य नेता भी थे।

## कांग्रेस नेता इदरिश अंसारी का निधन

**मधुपुर (आजाद सिपाही)।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, देवघर जिला सचिव एवं जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि, मार्गोमुंडा निवासी इदरिश अंसारी का सोमवार तड़के निधन हो गया। इससे शोक की लहर है। उनके जनाजे में कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय, प्रदेश सचिव फैयाज केशर, जिला महासचिव दिनेश कुमार मंडल, मधुपुर प्रखंड अध्यक्ष उमेश रज्जक, मधुपुर नगर अध्यक्ष शेफ अहमद समेत कई पार्टी नेता शामिल हुए। सभी ने उनके पार्थिव शरीर पर कांग्रेस का झंडा ओढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी नेताओं ने इदरिश अंसारी के संगठनात्मक योगदान को याद करते हुए उन्हें एक कर्मठ, जुझारू एवं एक सच्चे जनसेवक नेता बताया। जिला अध्यक्ष प्रोफेसर उदय प्रकाश ने उन्हें याद करते हुए कहा कि गिरधारी संसारी एक सच्चे जनप्रतिनिधि थे संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और आम जनता के लिए उनका समर्पण हमेशा प्रेरणा स्त्रोत रहेगा।जिला बीज सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय ने कहा कि इदरीश अंसारी देवघर जिला कांग्रेस संगठन के एक मजबूत स्तंभ थे। उनका असमय जाना कांग्रेस के लिए एक अपूरणी क्षति है। प्रदेश सचिव फेयाज केशर ने कहा कि कांग्रेस ने एक निर्भीक, अडिग एवं जुझारू नेता खो दिया। इस मौके पर प्रदेश सचिव शबाना खातून, एडवोकेट गोल्डी खान, तस्लीम अंसारी,डॉ मंसूर अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष जयशंकर शरण आदि मौजूद रहे।

## दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मिले भारत रत्न : झामुमो

**सारठ (आजाद सिपाही)।** दिशोमगुरु शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार की शाम सारठ झामुमो कार्यालय में शोकसभा आयोजित हुआ। जहां कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर याद किया। इस मौके पर सारठ मुखिया अनिल कुमार राव, डिंडाकोली मुखिया मंटू राय, झामुमो के अनिल सिंह,समुद्दीन मिर्जा, विक्रम सिंह,प्रभात राय, उमेश गुप्ता,इसरार मिर्जा, सौरभ कुमार, अमित कुमार गुप्ता, धीरज वर्मा, मो शाहिद,धुरन महतो, हुसैन सेख, जोनेद अहमद, बबलू सिंह,सुमित सिंह, अब्दूल कादिर ने बताया की दिशोमगुरु शिबू सोरेन के निधन से मन मर्माहत है। वहीं, मुखिया अनिल कुमार राव ने बताया कि दिशोम गुरु का निधन अपूरणीय क्षति है। वंचित शोषित और गरीब गुरबों को संगठित कर झारखंड के दासता के खिलाफ महानायक के रूप में उन्होंने करोड़ों लोगों को प्रेरित किया। सभी ने एक स्वर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न दिए जाने की मांग की। बताया कि गुरुजी झारखंड को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंचाकर हम सभी को अलविदा कह गये।

## मौन धारण कर दिया शिबू सोरेन को अंतिम विदाई

**मधुपुर (आजाद सिपाही)।** दिशोम गुरु शिबू सोरेन के लिये मंगलवार को मधुपुर कोर्ट मोड़ स्थित बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर स्थल के समीप अनुसूचित संघर्ष समिति के तत्वधान में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसकी अध्यक्षता अर्जुन दास ने की। समिति के संस्थापक एवं अध्यक्ष प्रकाश दास और उपाध्यक्ष सह भीम आर्मी के पूर्व प्रदेश संगठन प्रभारी के संयुक्त रूप से मौन शोक सभा कर गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस दौरान समिति की महिला अध्यक्ष इंद्राणी देवी के साथ ही पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। वहीं, भीम आर्मी के राजेश कुमार दास ने कहा कि गुरु जी कालखंड में हम सभी के राज्य एवं देश वासियों के लिये मसीहा के रुप में 11 जनवरी 1944 में जन्म लिये थे। वे हमेशा गरीब, वंचित आदिवासी दलित पिछड़े अल्पसंख्यक हितैसी बनकर हूल जोहर कर पूंजीपतियों से विद्रोह कर संघर्ष किया। इस कारण केस दर्ज हुआ और उन्हें जंगल में रहना पड़ा। तब जाकर झारखंड प्रदेश अलग होने का दर्जा मिला। वहीं, प्रकाश दास ने गुरुजी के संघर्ष के संघर्ष और अर्जुन दास ने गुरु जी के जीवनी आधारित बात बतायी। इस मौके पर मंजू देवी, फुलकुमारी देवी, मीना देवी, खुशी कुमारी, पायल कुमारी, प्रशुराम दास, अनील दास, पंकज दास, प्रेम दास, सबिता देवी, संजू देवी, सुशीला देवी, सरीता देवी, रूबी कुमारी, पप्पू शेख, राजा रजक, गोलडन अंसारी, राजू दास, सुमित दास, गुड्डू यादव आदि उपस्थित रहे।

## प्रखंड कांग्रेस कमिटी की मासिक बैठक

**बसिया (आजाद सिपाही)।** प्रखंड कांग्रेस कमिटी की मासिक बैठक किसान भवन बसिया में प्रखंड अध्यक्ष बिकास साहू की अध्यक्षता में हुई। बैठक के आरंभ में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर शोक ब्यक्त किया गया। साथ ही बैठक में संगठन का विस्तार करने पर चर्चा की गयी। बैठक में सभी पंचायत अध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि 11 अगस्त तक पंचायत कमिटी के गठन कर प्रखंड कमिटी को सूचित करें। बैठक में सभी पंचायत अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

## घर की दीवार गिरने से महिला की मौत

**भरनो (आजाद सिपाही)।** भरनो के पुराना अस्पताल के पीछे रहने वाले बिमल बाड़ा के मिट्टी का घर के अंदर पलंग में सो रही उसकी पत्नी अश्रिता बाड़ा और बेटी बबली बाड़ा के ऊपर कच्चा ईट एवं मिट्टी का दिवाल गिरने से दबकर अश्रिता बाड़ा की दर्दनाक मौत हो गयी, जबकि बबली बाड़ा गंभीर रूप से घायल हो गयी। घटना की सूचना मिलने पर जनप्रतिनिधि कई मुखिया एवं अंचल के कर्मचारी बलराम भगत उसके घर पहुंचे और मृतक के पति को अंचल की ओर से तत्काल 10 हजार रुपये अंतिम संस्कार के लिए दिया गये। घटना अहले सुबह 5 बजे की है। भरनो पुलिस मौके पर पहुंच कर शव अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया।

## दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर घाघरा के विद्यालयों में शोकसभा

**घाघरा (आजाद सिपाही)।** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं लोकसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन की खबर से पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गयी है। उनके सम्मान में घाघरा प्रखंड के विभिन्न निजी विद्यालयों में शोकसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विवेकानंद ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल, चिल्ड्रन एकेडमी 10 + 2 स्कूल रन्हे सहित कई विद्यालयों में शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं प्रबंधन समिति के सदस्यों ने दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के निदेशक विजय कुमार साहू और भवानी प्रसाद राय ने अपने संबोधन में कहा कि शिबू सोरेन न केवल झारखंड आंदोलन के प्रमुख चेहरों में से एक थे, बल्कि उन्होंने आदिवासी समाज के अधिकारों की लड़ाई में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। वे जन-जन के नेता थे और उनकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता। छात्रों को उनके जीवन और संघर्षों से प्रेरणा लेने की बात कही गयी। शिक्षकों ने शिबू सोरेन के राजनीतिक और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श है। शोकसभा के दौरान विद्यालयों में कोई अन्य सांस्कृतिक या शैक्षणिक गतिविधियां नहीं आयोजित की गयी। पूरा माहौल शोकाकुल और भावनात्मक रहा। मौके पर कई शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

## जमशेदपुर कलाकार मंच ने गुरु जी को दी श्रद्धांजलि

**गुमला (आजाद सिपाही)।** जमशेदपुर कलाकार मंच के द्वारा आरती प्रसाद के आवास में दिशोंम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रदेश महामंत्री सीमा गुप्ता ने कहा कि गुरु जी जैसा आंदोलनकारी, राजनेता सदियों में पैदा होता है। हमने अनमोल हीरा खो दिया है। उनकी असतमा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण किया गया। उपस्थित लोगों ने श्रद्धांजलि दी। मौके पर सुमन कुमार पाठक, उपेंद्र पटेल, शिव पूजन पाण्डेय, अपाई चक्रवर्ती, संजू वर्मा, ज्योति दास, शकुंतला बाग, डिम्पल जायसवाल सहित कई लोग उपस्थित थे।

## भाजपा 13 को निकालेगी तिरंगा यात्रा

**गुमला (आजाद सिपाही)।** हर घर तिरंगा अभियान को लेकर गुमला भाजपा ने एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की। जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विनय कुमार लाल ने की। कार्यशाला में मुख्य रूप से अभियान के जिला के प्रभारी गणेश मिश्रा उपस्थित थे। श्री मिश्रा ने कहा कि आज हर घर तिरंगा अभियान सिर्फ अभियान नहीं देशवासियों की आदत बन चुकी है। लोग बड़े शान के साथ अपने-अपने घरों में तिरंगा लगाते हैं और देश के प्रति अपनी राष्ट्र प्रेम को एक दूसरे के साथ मिलकर साझा करते हैं। कहा कि यह अभियान पूरे प्रदेश में 10 से 15 अगस्त तक चलेगा' हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारे देश की सेना का पराक्रम पूरे विश्व ने देखा। पूरा देश आज देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत है। जिला अध्यक्ष विनय कुमार लाल ने कहा आगामी 13 अगस्त को गुमला जिला मुख्यालय में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी। जिसमें शहर के सभी सामाजिक संस्थाओं और शिक्षण संस्थाओं को सहभागी होने का आग्रह किया। कार्यशाला में सभी मंडलों से आए हुए मंडल अध्यक्ष एवं अभियान के संयोजक और सह - संयोजक शामिल हुए। बैठक का संचालन युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष संदीप प्रसाद ने किया। बैठक की समाप्ति के बाद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन और चैनपुर प्रखंड के भाजपा नेता और सांसद के पूर्व प्रतिनिधि नीरज शर्मा के पिता स्वर्गीय रामानुज शर्मा के दिवंगत आत्मा के लिए 2 मिनट का मौन रख सभा को समाप्त किया गया। मौके पर डॉ दिनेश उरांव, मुनेश्वर साहू, निर्मल गोयल, सुरेश सिंह, भूपन साहू, सागर उरांव, भैरव सिंह खरवार, राधेश्याम कुशवाहा, विजय सिंह पिंटू, बबलू वर्मा, बल्केश्वर सिंह, भिखारी भगत विकास कुमार सिंह, संतोष देवघरिया, प्रकाश नारायण, कर्मपाल सिंह, अशोक साहू, किशोर मिश्रा, हरमीत सिंह, बड़ाईक नवीन सिंह, जगेश्वर सिंह, योगेन्द्र सिंह, सत्यनारायण पटेल, छोटेलाल ताम्रकार, हरिशंकर त्रिपाठी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# कार की टक्कर से ऑटो पलटा, दस लोग घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

**रायडीह।** गुमला रायडीह रोड स्थित जोड़ाजाम के समीप श्रद्धालुओं से भरी ऑटो को एक कार ने टक्कर मार दिया। घटना में ऑटो में सवार 10 श्रद्धालु घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक एक ऑटो में सवार होकर 10 लोग घाघरा के देवाकी धाम और आंजन धाम से पूजा पाठ कर अपने घर लौट रहे थे तभी सोमवार की शाम 7 बजे जोड़ा जाम के समीप सामने से आ रहे कार ने ऑटो को जोड़दार टक्कर मार दिया। घटना बाद ऑटो सड़क पर ही पलट गया। वही कार का शीशा टूट कर चकनाचूर हो गया। लेकिन कार चालक घटनास्थल से गुमला की ओर फरार हो गया। इसके बाद लसडा करम टोली निवासी 22 वर्षीय आरती कुमारी और उसकी बहन 25 वर्षीय गुड़िया कुमारी घायल हो गए।वही डुमरटोली निवासी शंकर राम ललिता देवी व अन्य लोग घायल हो गए। जिनको सदर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी कर दिया गया। वहीं आरती और गुड़िया का इलाज अस्पताल में इलाज चल रहा है।

## सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

**बसिया (आजाद सिपाही)।** थाना क्षेत्र के कोनबीर उपर चौक में सड़क दुर्घटना में प्यारी देवी की मृत्यु हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक अर्टिगा कार में सिमड़ेगा के श्रद्धालु देवघर से लौट रहे थे इसी दरम्यान कोनबीर में कार ड्राइवर का नियंत्रण खोते हुए उल्टी दिशा में जाकर प्यारी देवी को धक्का मार दिया जिससे प्यारी देवी 70 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गयी जिसे तत्काल इलाज हेतु बसिया रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया लेकिन इलाज हेतु ले जाने के क्रम में कर्रा के समीप उनकी मृत्यु हो गयी। इधर उनकी बेटी जयश्री ने कहा कि अस्पताल में ले जाने के बाद जब उनकी मां को इलाज हेतु रांची रेफर किया गया, लेकिन 108 एंबुलेंस में ऑक्सीजन नहीं होने के कारण एक घंटा लेट से ले जाया गया। जिस एम्बुलेंस में ऑक्सीजन था वो एम्बुलेंस सर्विसिंग के लिए ले जाया गया है। इस संबंध में जिला परिषद सदस्य बसंती डूंगडुंग ने कहा कि रेफरल अस्पताल में मौजूद 108 एम्बुलेंस की हालत दयनीय है साथ ही रेफरल अस्पताल में चिकित्सको की भारी कमी है। रेफरल अस्पताल बसिया अनुमंडल क्षेत्र का एकमात्र अस्पताल है जहां बेहतर इलाज होता है पर वर्तमान में डॉक्टरों की घोर कमी के कारण लोगो को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। वे जल्द इस संबंध में उच्च अधिकारियों से बात कर सुविधा मुहैया कराने की हरसंभव कोशिश करेगी।

## 16.5 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

**घाघरा (आजाद सिपाही)।** घाघरा पुलिस ने गांजा के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर मंगलवार को थाना लाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिसई से अरंगी के रास्ते मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो युवक आ रहे थे। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली और घोड़ाटांगर के समीप पुलिस ने दोनों युवकों को रोका और जांच किया जिसमें गांजा बरामद किया गया। इस संबंध में थानेदार पुनीत मिंज से पूछने पर उन्होंने कहा गुप्त सूचना के आधार पर दो लोगों को गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। गांजा का वजन लगभग 16.5 किलो है। गिरफ्तार किए गए युवक मे छत्तीसगढ़ लोदाम निवासी विकास कुमार साहू व लोहरदगा निवासी मनीष साहू का नाम शामिल है। दोनों पल्सर मोटरसाइकिल में गांजा लेकर आ रहे थे जिसे गिरफ्तार किया गया है आगे की कार्रवाई की जा रही है। यहां बता दें कि बाजार मूल्य के अनुसार गांजा का मूल्य लगभग एक लाख 50 हजार रुपये से अधिक बताया जा रहा है।

# गुरुजी के निधन पर नेताओं और समाजसेवियों ने जताया शोक

आजाद सिपाही संवाददाता

**गुमला।** पूर्व मुख्यमंत्री और झारखण्ड राज्य निर्माण के मुख्य आंदोलनकारी गुरु जी शिबू सोरेन का निधन कोई सामान्य घटना नहीं। यह राज्य को अभिभावक विहीन कर गया है। गुरु जी की आत्मा की शांति के लिए राज्य का हर शख्स दुआएं कर रहा है। वही गुमला के लोगों ने गहरा शोक जताया है।

**आफताब आलम लाडले, प्रसिद्ध समाज सेवी व कांग्रेसी, गुमला :** गुरु जी झारखंड ही नहीं, सम्पूर्ण भारत में बहुचर्चित आंदोलनकारी के रूप गुरु जी की पहचान है' उनके पास सिद्धांत पहले और स्वार्थ बाद में आता था। उन्होंने अपने जीवन को आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया। उनका निधन सामान्य घटना नहीं है। हमें उनकी तरह अपनी माटी अपने राज्य के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा पैदा करना चाहिए।

**आशिक अंसारी, वरिष्ठ कांग्रेसी, गुमला :** दिशोंम गुरु के निधन से केवल व्यक्तिगत क्षति नहीं हुई, बल्कि राजनितिक क्षेत्र की नैतिक शक्ति का क्षरण हुआ है। वे हम सबके लिए प्रेरणा के स्त्रोत थे। ठोस निर्णय और मजबूत विचारधारा की सालाहियत रखते थे।

**सीता देवी, कांग्रेस नेत्री, सह निवार्तमान वार्ड पार्षद, गुमला:** गुरु जी झारखंड की राजनीती के ध्रुव थे। उन्होंने आंदोलन के माध्यम से कई दशकों तक राज्य की सेवा की। उनका जीवन, हम सबके लिए प्रेरणादायक है। उन्हें नमन करती हूं।

**रंजीत सिंह, झारखंड मुक्ति मोर्चा गुमला :** झारखंड राज्य को राजनीति के गुर सिखाने वाले गुरु शिबू सोरेन का दुनिया से चला जाना बेहद अफसोसजनक है। वह केवल राज्य नहीं बल्कि पूरे भारत में झारखंड की पहचान थे। उनका राजनीतिक सफर संघर्षशील था। उन्होंने झारखंड राज्य के लिए काफी संघर्ष किया। इसके लिए झारखंड की जनता उनका आभारी रहेगी।

**मीरा हमीद, जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस, गुमला :** गुरुजी बड़े स्वाभिमानी और वादे के पक्के थे। जो कहते थे वह करके दिखा देते थे। राज्य निर्माण का ताना-बाना बुनने से लेकर यहां की राजनितिक सरगर्मी को भांपने की सलाहियत गुरुजी के अंदर कूट-कूट कर भरी हुई थी। हमें उनसेऔर उनके जीवन से सीख लेनी चाहिए।

**सत्यनारायण पटेल भाजपा, गुमला :** गुरु जी के निधन से होने वाली क्षति हकी भरपाई नहीं की जा सकती है। गुरु जी के सानिध्य में कई बड़े नेताओं ने झारखंड की राजनीति में अपना स्थान बनाया। वह राजनेता नहीं बल्कि राजनेता पैदा करने वाली शख्सियत थे। उनके शोकाकुल परिवार की सांत्वना के लिए और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।

**सुरेश सिंह, भाजपा गुमला :** दिशोंम गुरु शिबू सोरेन के जाने से झारखंड वासियों को गहरा दुख हैं। लंबी बीमारी के बाद वो ईश्वर को प्यारे हो गये। उन्होंने अपने लंबे संघर्ष से झारखंड राज्य निर्माण में जो भूमिका अदा की उसे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने महसूस किया और झारखंड को अलग राज्य बनाया। गुरु जी की आत्मा की शांति के लिए विनम्र श्रद्धांजलि।

**संतोष गुप्ता जिला महा सचिव कांग्रेस पार्टी, गुमला :** गुरु जी का जाना झारखंड की राजनीति और आंदोलन के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति है। उनके जाने से राजनीति का एक बड़ा अध्याय बंद हो गया। हमलोग उनके आंदोलनकारी जीवन से सीख लेते हैं। और उनके पद चिन्हो पर चलने का प्रयास करते हैं' उनका हर कदम झारखंड वासियों के हित के लिए आगे बढ़ा करता था।

**ज्योति कुजूर, कांग्रेस पार्टी, गुमला :** जब भी झारखंड की राजनीति की बात आयेगी गुरु जी का नाम सबसे उपर लिखा जायेगा। वे राजनीति के क्षेत्र में झारखंड में महापुरुष के रूप में जाने जाते थे। उनकी पहचान जमीन से जुड़े मुद्दों पर आंदोलन करने के कारण हुई है। जो लेखनी आज बंद हो गयी। यह हम सबों के लिए बहुत बड़ी क्षति है। इसकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती।

**उज्जवल केशरी, निवार्तमान वार्ड पार्षद :** गुरु जी ने जिस अंदाज से झारखण्ड आंदोलन को संचालित करते हुए एक मिसाल कायम की। वह आज के समय में और भी मूल्यवान है। आज वो हमारे बीच नहीं हैं, मगर उनका जीवन हमारे लिए मिसाल है। उनका जाना अपूरणीय क्षति है।

**आरिफ आलम बालो निवार्तमान वार्ड पार्षद :** गुरु जी जैसे व्यक्तित्व का प्रभाव केवल शब्दों से बयां नहीं किया जा सकता। उनके अंदर आदिवासी-मुलवासी के लिए एक ज्वाला थी। उनका निधन राज्य की राजनीति में एक खालीपन पैदा कर गया है।

**शिशिर गुप्ता अध्यक्ष लायंस क्लब फैमिली, गुमला :** गुरु जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने अपने दीर्घ राजनितिक जीवन में निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ राज्य की सेवा की है। गुरु जी आंदोलन क्षेत्र में काफी एग्रेसिव रहे हैं। जन भावना के अनुकूल उन्होंने अलग राज्य का सपना देखा और उसे पूरा भी किया।

**गुलाम सरवर, प्रखंड अध्यक्ष, कांग्रेस पार्टी, गुमला :** गुरु जी लोगों की समस्याओं को हमेशा समझते थे और उसे दूर करने का प्रयास किया करते थे। लोगों को जागृत कर अनवरत आंदोलन को जारी रखने का हुनर उन्हें आता था। यह निधन एक अपूरणीय क्षति है।

**राजेश लोहानी, चेंबर ऑफ कामर्स, गुमला :** गुरु जी के निधन से पूरा झारखण्ड मर्माहत है। राज्य के लिए अभिभावक तुल्य थे और उनका मार्गदर्शन हर परिस्थिति में युवा राजनेताओं को मिलता रहता था। उनके निधन से राज्य की राजनितिक शक्ति की क्षति हुई है।

**मोख्तार आलम, जिला अध्यक्ष कामगार कांग्रेस, गुमला :** गुरुजी का दुनिया से जाना पूरे राज्य के लिए सदमे का सबब है। गुरुजी की हिम्मत जहां चट्टानों जैसी थी वही वाणी में सरलता और दूरदर्शिता उन्हें एक कुशल राजनीतिक और एक हिम्मतवर आंदोलनकारी के रूप में उन्हें पहचान दिलाता था। उनका जाना झारखंड के लिए काफी दुखद है।

**दीपनारायण उरांव, निवार्तमान अध्यक्ष, नगर परिषद, गुमला :** गुरु हमारे लिए प्रेरणा स्त्रोत थे। राजनीति जगत की यह अपूरणीय क्षति है। वो भारत के नक़्शे में झारखंड को उभारने वाली शख्सियत थे। वह आंदोलन के सहारे समाज के हर वर्ग का आवाज उठाने का कार्य करते रहे। सरल स्वभाव तथा व्यक्तित्व के धनी थे। ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दें।

**शैल मिश्रा, भाजपा नेत्री गुमला :** गुरु जी विगत कुछ महीनो से बीमार चल रहे थे। जिनका सोमवार को निधन हो गया। आंदोलन का एक दीपक बुझ गया। राजनीति के क्षेत्र पुरे झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है।

**दामोदर कसेरा, पूर्व चेंबर अध्यक्ष, गुमला :** दिशोम गुरु ने महाजनि व्यवस्था के विरुद्ध बहुत लंबा संघर्ष किया है। झारखंड निर्माण के लिए ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी। गुरु जी को राज्यवासी हमेशा बड़े ही आदर के साथ याद करते रहेंगे। इस दुख की घड़ी में मृतक के आश्रितों के प्रति मेरी संवेदना है।

## शिबू सोरेन के निधन पर पेंशनर समाज ने जताया शोक

**गुमला (आजाद सिपाही)।** झारखंड की राजनीति के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर जिला पेंशनर समाज ने शोक जाहिर किया है। समाज के जिलाध्यक्ष तेजपाल राम ने कहा कि गुरु शिबू सोरेन आदिवासियों और दलितों के प्रखर हितैषी थे तथा वे आजीवन उनके वाजिब अधिकार के लिए संघर्षरत रहे। उन्होंने कहा कि उनका जाना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। जिला उपाध्यक्ष महेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से एक युग का अंत हो गया है। झारखंड को अलग प्रांत का दर्जा दिलाने में उनका अहम योगदान रहा है। उनके संघर्ष एवं बलिदान को राज्य सदैव याद रखेगा। शोक व्यक्त करने वालों में महावीर प्रसाद मिश्र, डोमन राम मोची, चन्द्र नाथ प्रसाद, सदाशिव नन्द, दिलीप कुमार गुप्ता, रामकिशोर उरांव, मनोज बड़ाईक, क्यामुद्दीन अली अंसारी, परमानंद भीमकूल, सुरेन्द्र खड़िया, भागी नाग, द्वारिका मिश्र सुमन आदि हैं।

## बनड़ लागूटोली में हाथी ने घर तोड़ा

**बसिया (आजाद सिपाही)।** थाना क्षेत्र के बनई लागूटोली में जंगली हाथी के द्वारा क्लारा डूंगडुंग के घर को सोमवार रात्रि 1 बजे तोड़कर छतिग्रस्त कर दिया गया। हाथी की संख्या एक है और खबर लिखे जाने तक वो बनई जंगल मे ही है। क्लारा डूंगडुंग आर्थिक रूप से कमजोर है और ऐसे में हाथी द्वारा उंसके घर को दोनो तरफ से तोड़ देने से उंसके सामने रहने की विवशता आ गयी है। सूचना मिलने पर घटनास्थल पहुची बनई मुखिया एमलेन कुल्लू ने कहा कि प्रभावित परिवार गरीब तबके से आते है ओर उन्हें सरकारी प्रावधान के अनुसार तत्काल सहायता मिलनी चाहिए, वो हरसंभव मदद करेगी।

## कामडारा में झामुमो-कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

**कामडारा (आजाद सिपाही)।** कामडारा ब्लॉक चौक स्थित झामुमो कार्यालय में मंगलवार को झामुमो एवं कांग्रेस के कार्यकताओं ने संयुक्त रुप से पूर्व सीएम सह झारखंड आंदोलनकारी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के दिवगंत आत्मा की शांति को लेकर दो मिनट का मौन धारण किया। वहीं सभी कार्यकर्ताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष अजीत केरकेट्टा ने कहा दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अलग झारखंड राज्य के लिये जो संघर्ष किया है। वह आज के युवाओं के लिये प्रेरणा का स्त्रोत है। वे एक आंदोलनकारी होने के साथ-साथ एक महान जननायक थे। उसके चले जाने से ऐसा लग रहा है कि हमलोगों ने अपना अभिवावक खो दिया। इस दौरान राजू साहु, अश्विनी ओहदार, सुगड़ तोपनो, अनिल हेमरोम, सुमन सिंह,अमित कंडूलना,राजु साहु, असवनी ओहदार, बिष्णु बडाईक, सिकेंदर साहू,बीपीन बारला,नमन कंडुलना, जोन फैड्रिक तोपनों, एग्नेश तोपनों, अगापीत होरो, फगुआ घोषाल सहित अन्य कार्यकर्ता काफी संख्या में शामिल हुए थे।

## टाना भगत हॉल में गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का रखा गया मौन

**गुमला (आजाद सिपाही)।** सिसई प्रखंड के टाना भगत हॉल में गुरुजी श्री शिबू सोरेन के आत्मा के शांति के लिए 2 मिनट के लिए मौन धारण किया गया गुमला जिला महासचिव सह सिसई प्रखंड पर्यवेक्षक फिरोज आलम ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड निर्माण के मुख्यआंदोलनकारी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर लोगों ने गहरा शोक जताया झारखंड ही नहीं संपूर्ण भारत में बहुचर्चित आंदोलनकारी के रूप में गुरु जी की पहचान है उन्होंने अपने जीवन को आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया। सिसई प्रखंड अध्यक्ष बैबूल अंसारी ने कहा कि झारखंड राज्य के राजनीति के गुर सिखाने वाले गुरु शिबू सोरेन का इस दुनिया से चले जाना बेहद अफसोस जनक है वे राजनीति के क्षेत्र में झारखंड में महापुरुष के नाम से जाने जाते थे हम लोग उनके आंदोलनकारी जीवन से सीख लेते हैं और उनके पद चिन्हों पर चलने का प्रयास करते रहेंगे। मुख्य रूप से उपस्थित जिला महासचिव रामनिवास प्रसाद, जितेंद्र लोहरा, मुकेश कुमार दास, नंदकिशोर उरांव, राजकमल उरांव, खुदी बडाईक, विजय यादव, सोहन लोहार, देवी चरण उरांव, बुद्धेश्वर उरांव, शिव उरांव, रोशन टेटे, सरा उरांव, मोहसिन अंसारी, रकीब अंसारी, मुसलम अंसारी, मोहम्मद नसीम, बुद्धेश्वर उरांव समेत कई लोग उपस्थित रहे।

## शिबू सोरेन एक विचारधारा थे : नेल्सन भगत

**गुमला (आजाद सिपाही)।** मंगलवार को स्थानीय सरना पूजा स्थल पालकोट रोड गुमला में आदिवासी समाज के द्वारा झारखंड आंदोलन के अग्रदूत दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन के तस्वीर पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किये। इस निमित्त आना-आदि प्रार्थना और आदिवासी रीति रिवाज से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। शोक सभा में गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए विश्व आदिवासी आयोजन समिति के अध्यक्ष नेल्सन भगत ने कहा कि झारखंड निर्माण आंदोलन के अग्रदूत दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन का हमारे बीच से जाना अपूरणीय क्षति है, आज झारखंड की अंतर आत्मा कुहक-कुहक कर रो रही है' शिबू सोरेन जी एक विचारधारा थे, उनकी विचारधाराओं को आत्मसात कर चलने की जरूरत है। शिबू सोरेन देह केवल त्यागे हैं। उनकी विचारधाराओं को लेकर हम तमाम आदिवासी लोग आत्मसात कर चलेंगे और उनके अधूरे सपने को साकार करने का हर संभव प्रयास करेंगे। वहीं विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन समिति के सह सचिव नरेश उरांव ने शोक सभा में नम आंखों से श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि एक युग का अंत हो गया है हमलोगों ने एक कुशल राजनेता ही नहीं एक अभिभावक भी खोया है। इसी शोक सभा में विश्व आदिवासी दिवस के उपाध्यक्ष विमलचन्द्र बड़ाईक ने कहा कि आज झारखंड की हवा शांत है, जंगल सिसक रहा है, नदियां पहाड़ मौन है, झारखंड अंतरात्मा पूरी तरह से शोक में डूबी हुई है, सारा झारखंड विरान हो गया है।

## शिबू सोरेन का निधन एक युग का अंत : सुनील कुमार

**झारखंड आंदोलन के जननायक सह दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की सोमवार चार अगस्त को दिल्ली के एक निजी अस्पताल में निधन होने पर जिला के आरटीआई कार्यकर्ता सुनील कुमार दास ने अपूरणीय क्षति करार देते हुए कहा कि- ऱशिबू सोरेन झारखंड राज्य के ही नहीं अपितु पूरे राष्ट्र में समाज के मुखर व लोगों के चहेते नेतृत्वकर्ता थे। उनके निधन से हम सभी राज्यवासी काफी मर्माहत है।**

# बोंडो पंचायत में मिले पत्थरों पर उकेरे देवी-देवताओं के चित्र, ग्रामीणों में खुशी

आजाद सिपाही संवाददाता

**सिसई।** प्रखंड क्षेत्र के अंतिम छोर पर स्थित बोन्डो पंचायत में जमीन में दबे हुए प्राचीन काल के शिवलिंग और पत्थरों में उकेरे हुए देवी देवताओं के चित्र मिले हैं। जिससे ग्रामीणों में हर्षोल्लास है।

उक्त स्थान पर पांच शिवलिंग मिले हैं वहीं कई छोटे छोटे शिवलिंग बिखरे पड़े हैं साथ ही अनेकों पत्थरों में मां दुर्गा, बजरंग बली, सूर्य भगवान एवं कई देवी देवताओं के चित्र वाले अवशेष मिले हैं जो मुगल शासन काल से पहले के बताए जा रहे हैं।

ग्रामीणों का मानना है कि मुगल काल से पहले यहां मंदिर रहा होगा जिसे मुगलों ने ध्वस्त कर दिये थे। क्योंकि मुगलों ने अपने शासन काल में हिन्दू देवी देवताओं के कई सारे मंदिरों को ध्वस्त कर दिया था। ये अवशेष भी उन्हीं में से एक है।

विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता और समाजसेवी उदय कुशवाहा द्वारा कुछ दिन पहले ग्रामीणों के साथ बैठक कर उक्त स्थान से सभी शिवलिंग और चित्र उकेरे हुए पत्थरों को जमीन से बाहर निकालने एवं उक्त स्थान की साफ सफाई और पूजा पाठ की शुरूआत करने का निर्णय लिया गया था। सभी ग्रामीणों ने मिलकर उक्त स्थान का साफ सफाई किया और श्रावण मास की अंतिम सोमवार को गांव के पाहान रोपना उरांव के द्वारा विशेष रूप से पूजा अर्चना कराने हेतु कलश यात्रा निकाला गया। इस कलश यात्रा में सैकड़ों महिला पुरुष और युवक युवतियों ने भाग लिया।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in


## झारखंड ने एक पूरोधा, जबकि देश ने एक जननायक को खो दिया : वीरेंद्र तिवारी

**बोकारो (आजाद सिपाही)।** बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी वीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि झारखंड के युगपुरुष, आदिवासी चेतना के अग्रदूत, संघर्षशील जननायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से स्तब्ध हूं। उनके निधन से न केवल झारखंड ने एक पुरोधा खोया है, बल्कि पूरे देश ने एक जननायक खोया है। कहा कि शिबू सोरेन जी का समूचा जीवन समावेशी समाज की स्थापना, झारखंड राज्य के निर्माण के लिए सतत संघर्ष और आदिवासी अधिकारों की रक्षा को समर्पित रहा। उन्होंने न केवल झारखंड की जनता की आवाज को राष्ट्रीय पटल तक पहुंचाया, बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक नया युग प्रारंभ किया। वे एक ऐसे राजनेता थे जो सदैव जनभावनाओं के करीब रहे और जिनका जीवन सादगी, संघर्ष और सिद्धांतों से परिपूर्ण रहा। बोकारो से उनका विशेष और ऐतिहासिक संबंध रहा है। राज्य निर्माण के आंदोलन में जब झारखंड की आत्मा को पहचान दिलाने की बात आई, तब शिबू सोरेन जी की उपस्थिति बोकारो जैसे औद्योगिक क्षेत्र में भी सामाजिक न्याय और अधिकारों के प्रतीक के रूप में स्थापित हुई। उनके विचार और मूल्य हमारे प्रेरणा और चेतना का स्त्रोत बने रहेंगे। मैं इस अपूरणीय क्षति पर पुनः गहन शोक व्यक्त करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को चिरशांति प्रदान करें।

## गुरुजी शिबू सोरेन को लोग जननेता के रूप में सदैव याद रखेंगे : एके दास

**बोकारो (आजाद सिपाही)।** झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर से बोकारो में शोक की है। ओएनजीसी, सीबीएम एसेट बोकारो के अजय कुमार दास ने गुरुजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। कहा कि वे प्रारंभ से ही आदिवासी समाज की आवाज रहे। उन्होंने सदैव अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। एक जननेता के रूप लोग उन्हें सदैव याद रखेंगे। राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में उनके योगदानों को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।

## दिशोम गुरु के दूरदर्शी नेतृत्व ने पीढ़ियों को आवाज दी, उनकी कमी हमेशा खलेगी : रविश

**बोकारो (आजाद सिपाही)।** ईएसएल स्टील लिमिटेड के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रविश शर्मा ने कहा कि हम दिशों गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। वह एक प्रखर जननेता, जनजातीय अधिकारों के प्रबल पक्षधर और झारखंड राज्य के गठन के पीछे एक प्रेरणादायी शक्ति थे। सामाजिक न्याय, आदिवासी उत्थान और वंचित समुदायों के सशक्तिकरण के लिए उनका जीवन भर का संघर्ष राज्य के इतिहास में अमिट छाप छोड़ गया है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने पीढ़ियों को आवाज दी और झारखंड की पहचान को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईएसएल स्टील लिमिटेड की ओर से, हम उनके परिवारजनों, अनुयायियों और उन सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, जो उनके जीवन से प्रेरणा लेते रहे हैं। ईश्वर उनकी पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करें।

## क्वालिटी सर्किल जागरूकता को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**बोकारो (आजाद सिपाही)।** नव पंजीकृत क्वालिटी सर्किल टीमों के लिए क्वालिटी सर्किल जागरूकता एवं इससे संबंधित अवधारणा के लिए 'क्वालिटी सर्कल टूल्स' पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की ओर से मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र के मेन ऑडिटोरियम में हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीएसएल के वर्क्स और नॉन-वर्क्स डिवीजन के 50 प्रतिभागियों ने में भाग लिया। इसका उद्घाटन महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) अमरेश सिन्हा ने किया। उन्होंने क्यूसी टूल्स और टेक्निक्स के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की। बताया कि किस प्रकार से रोजमर्रा की जिंदगी में इसे अपना कर कार्य दक्षता, समस्या-समाधान और कार्यों और प्रक्रियाओं की समग्र गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्वालिटी सर्कल और संबद्ध अवधारणा तकनीकों, सांख्यिकीय तरीकों से व्यवस्थित प्रक्रिया विश्लेषण और निरीक्षण, समस्या की पहचान, समाधान की अवधारणा और राष्ट्रीय स्तर की क्वालिटी सर्किल प्रतियोगिता के मार्किंग सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन सागरिका साहू, वरीय प्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) ने किया।

## रोजगार की मांग को लेकर भाजपाइयों ने दिया धरना

**झरिया/जोरापोखर (आजाद सिपाही)।** जामाडोबा वाशरी गेट के पास भाजपाइयों ने रोजगार की मांग को लेकर मंगलवार को एक दिवसीय धरना दिया। हाथों में झंडा लेकर प्रबंधन विरोधी नारे लगाये, जिसका नेतृत्व नवीन लाल ने किया। उन्होंने बताया कि झरिया विधायक रागनी सिंह ने कंपनी से मांग की थी कि स्थानीय वाशरी से प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार दे। वर्तमान में वाशरी में ट्रांसपोटिंग कंपनी दूर-दराज के लोगों को लाकर अपना कार्य करवा रही है। इस कारण स्थानीय युवाओं में आक्रोश है। इसी के प्रतिवाद में धरना दिया गया है। यदि कंपनी स्थानीय युवाओं के रोजगार देने की पहल नहीं करती है तो भाजपाई चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस मौके पर उमेश यादव, विकाश कुमार श्रीवास्तव, दुर्गा सोरेन, जगरनाथ महतो, आकाश कुमार, विवेक सिंह, चंदन तांती, पंकज यादव, सूरज कुमार और करण महतो आदि शामिल थे।

# रंगदारी ना देने पर फल दुकानदार और उसके भाइ पर जानलेवा हमला

### धनबाद के बैंक मोड़ की घटना, थाने में शिकायत के बाद जांच में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

हमलावरों की करतूत दिखाता दुकानदार।

**धनबाद।** जिले के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में सोमवार की रात एक फल दुकानदार से रंगदारी मांगने और इनकार करने पर चाकू से जानलेवा हमला किये जाने का मामला सामने आया है। इस घटना में दुकानदार और उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया है। पाण्डरपाला के न्यू इस्लामपुर निवासी पीड़ित मोहम्मद जसीम खान ने पुलिस को बताया कि सोमवार की रात 10.20 बजे उनके पिता ने फोन कर सूचना देते हुए बताया कि दुकान पर कुछ लोग गाली-गलौज और हंगामा कर रहे हैं। जसीम जैसे ही मौके पर पहुंचा, जुमन कुरैशी, मोंटी कुरैशी और मोहम्मद अकबर अंसारी ने उनसे 10 हजार रुपए मासिक रंगदारी देने की मांग की। जसीम के इनकार करने पर आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए जसीम के छोटे भाई मोहम्मद परवेज खान पर लोहे की रॉड और चाकू से वार किया गया। इससे उनके सिर पर गंभीर चोट आई। हमलावरों ने जसीम पर भी चाकू से हमला किया, जिससे उसके बाएं हाथ में गहरी चोट लगी। घटना में दुकान का सामान भी क्षतिग्रस्त हुआ।

### प्रतिदिन रंगदारी मांगने का आरोप

पीड़ित मोहम्मद राजद ने बताया कि सलाम कुरैशी का बेटा जुमन कुरैशी और मोंटी द्वारा उन्हें अपमानित किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग प्रतिदिन रंगदारी मांगते हैं। सब्जी पट्टी में 1500 से 2000 रुपए तक जबरन वसूली की जाती है। मोहम्मद राजद ने कहा कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने बताया कि यहां के लोग इनसे काफी परेशान हैं, लेकिन डर के कारण कुछ बोल नहीं पाते। उनका कहना है कि ये लोग इतने बेखौफ हैं कि उन्हें किसी कानून या शासन का भी डर नहीं है। उधर, बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने कहा कि यह आपस में मारपीट का मामला है। पीड़ित द्वारा दिए गए लिखित आवेदन पर रंगदारी और जान से मारने की कोशिश का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

# दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंडियों के हित के लिए पूरा जीवन लड़ते रहे: रविंद्र पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

**फुसरो/बेरमो।** दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में इलाजरत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन का समाचार मिलने पर गिरिडीह के पूर्व सांसद रवींद्र कुमार पांडेय अस्पताल पहुंचकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और दुःख की इस घड़ी में उन्हें एवं परिवार के लोगों को ढांढस बंधाये। उन्होंने कहा कि गुरु जी झारखण्ड के लोगों के हित एवं आदिवासिओं के पहचान दिलाने के लिए झारखंड राज्य का निर्माण कराया। झारखण्ड के लोगों के हित के लिए पूरा जीवन लड़ते रहे। इस तरह से हमलोगों को छोड़ कर उनका जाना झारखण्ड के लिए अपूर्णीय क्षति है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। इस मौके पर पूर्व मंत्री सह पूर्व विधायक मिथिलेश ठाकुर, आप पार्टी के नेता सह राजयसभा सांसद संजय सिंह आदि उपस्थित थे।

# झामुमो गोमिया प्रखंड कार्यालय में शोकसभा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

**गोमिया।** झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद राज्य भर में शोक की लहर है। गोमिया प्रखंड में आमजनों के अलावा सभी राजनीतिक दलों ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की है। इस अवसर पर झामुमो गोमिया प्रखंड कार्यालय में शोकसभा का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि उनका संपूर्ण जीवन झारखंड के हक, अधिकार और अस्मिता की लड़ाई को समर्पित रहा है। उनकी दूरदृष्टि, कुशल नेतृत्व और जनसेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनी रहेगी। उनका निधन झारखंड वासियों के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके परिजनों सहित झारखंड वासियों को ईश्वर यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। इस मौके पर झामुमो बोकारो जिला सह सचिव सह गोमिया विधायक प्रतिनिधि अमित पासवान, छात्र मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष युगल किशोर रजक, प्रखंड कोषाध्यक्ष घनश्याम महतो, प्रखंड उपाध्यक्ष मो असलम, राकोमंस कथारा क्षेत्रीय अध्यक्ष नरेश मंडल, प्रखंड उपसचिव राजू शाह, प्रखंड प्रवक्ता विनोद यादव, बद्री पासवान, पूर्व उपमुखिया चंदन पासवान, गोमिया पंचायत अध्यक्ष रंजीत रविदास, गोमिया पंचायत सचिव ओम प्रकाश कुमार, स्वांग उत्तरी पंचायत अध्यक्ष मो शहजादा, केदार पासवान, देव प्रकाश, कृष्णा सिंह, मंजूर इलाही, उमेश यादव, गोपी यादव, कर्मवीर यादव,नंदन विश्वकर्मा, किरण जयसवाल आदि मौजूद थे।

# सदर अस्पताल में महिला का हुआ हिस्टेरेक्टोमी का सफल ऑपरेशन

### अत्यधिक रक्तश्राव से परेशानी थी महिला, अब हालात सामान्य

आजाद सिपाही संवाददाता

**धनबाद।** सदर अस्पताल में मंगलवार को विंध्यवासिनी देवी नामक 45 वर्षीय महिला का हिस्टेरेक्टोमी (गांठ सहित गर्भाशय निकालना) ऑपरेशन सफलता पूर्वक हुआ। ऑपरेशन के बाद महिला की स्थिति बिलकुल सामान्य है। जानकारी के मुताबिक महिला के गर्भाशय में एक गांठ बन गई थी। जो धीरे-धीरे काफी बड़ी हो गई थी। इस कारण माहवारी के समय महिला को अत्याधिक रक्तश्राव होता था। जिस कारण महिला को रक्त की कमी भी हो गयी थी। मोतीनगर, कार्मिक नगर की रहने वाली महिला ने सदर अस्पताल का रुख करते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ सह सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार से संपर्क किया। डॉ संजीव ने महिला की जांच कर ऑपरेशन कराने की सलाह दी। कहा कि सदर अस्पताल में उनका ऑपरेशन हो जायेगा। इसके बाद खून की कमी को दूर करने के बाद विंध्यवासिनी देवी का ऑपरेशन किया गया। डॉ संजीव कुमार को निश्चेतक डॉ स्वेता गुंजन, सहायक मधुसूदन मरांडी एवं रेखा महतो ने सहयोग किया। डॉ संजीव कुमार ने बताया कि डीसी आदित्य रंजन के प्रयास से सदर अस्पताल अब पहले से काफी अपग्रेड हो चुका है। यहां विभिन्न तरह के नए आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। जिस कारण यहां आने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिदिन औसतन 650 से अधिक मरीज इस अस्पताल में आते हैं।

## शिबू सोरेन के निधन पर भाकपा माले ने दी श्रद्धांजलि

**चिरकुंडा (आजाद सिपाही)।** तालडांगा स्थित भाकपा-माले कार्यालय में मंगलवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा आयोजित की गयी। जिसमें माले कार्यकर्ताओं ने मौन रखकर श्रद्धाजंलि दी। अपने संबोधन में चिरकुंडा के संयोजक भाकपा (माले) के श्रीकांत सिंह ने कहा कि शिबू सोरेन ने जल, जंगल जमीन और महाजनी के विरोध में किये आंदोलन को राज्य की जनता कभी भूला नहीं सकती है। उनके निधन से राज्य की अपूर्णीय क्षति हुई। उनके संघर्ष और क्रांतिकारी जीवन को हमारे साथी हमेशा आत्मसात कर आगे बढ़ेंगी। वहीं, श्रद्धांजलि देने वालों में कामरेड मो इश्तियाक अंसारी, मानिक गोराई, संतू चटर्जी, नागेन्द्र प्रसाद, मनोरंजन मल्लिक, अमरेश चक्रवर्ती, वरुण दे, सुबीर चटर्जी, सतेंद्र महतो, लक्ष्मण प्रसाद, भोला महतो, वरुण गोस्वामी, दीपक सिंह, मोइज खान, विजय यादव, राम नारायण महतो, महेंद्र शर्मा, गौतम बनर्जी, देवाशीष कांजीलाल, मो एकराम मूला, शंखा नील बनर्जी आदि शामिल थे।

## दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर विभिन्न स्थानों पर शोक सभा आयोजित

**डुमरी/बेरमो (आजाद सिपाही)।** झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े सदस्यों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों ने शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रखंड झामुमो की ओर से करिहारी स्थित पार्टी के प्रधान कार्यालय में शोक सभा आयोजित किया। जहां कार्यकर्ताओं ने गुरुजी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके जीवनी को याद किया गया। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो, डेगलाल महतो, राजकुमार पांडेय, जगदीश महतो, डेगनारायण महतो, संजय वर्मा, राकेश महतो, उमाशंकर राय, समसुदीन अंसारी, पंकज महतो, विजय यादव, रीतलाल मंडल, उमाशंकर राय, सोनू सोहेल, शिवलाल मंडल, मृत्युंजय जायसवाल, उपेन्द्र महतो आदि उपस्थित थे। उधर, अधिवक्ता भवन डुमरी में भी शोक सभा आयोजित कर अधिवक्ताओं ने गुरुजी की आत्मा की शांति की कामना की। दौरान अधिवक्ता इंद्रजीत जयसवाल, अशोक जैन, छत्रधारी महतो, कुमारी अर्चना, विजय कुमार, मुखिया नूरउद्दीन अंसारी, सत्यनारायण सिन्हा आदि उपस्थित थे। दूसरी ओर, पीएनडी जैन उच्च विद्यालय में शोक सभा आयोजित कर दो दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापिका संगीता जैन, देवेश कुमार देव, रजत जैन, रुपलाल मंडल, सुब्रत कुमार सामंत, दयानंद कुमार, वैभव रानी, संजीव कुमार जैन, एतवारी महतो, रविन्द्र कुमार उपस्थित थे। पारसनाथ दिगंबर जैन मध्य विद्यालय में भी दिशोम गुरुजी को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन, नेम कुमार जैन, अंकित जैन, अशोक कुमार सिन्हा, राजेश कुमार ठाकुर, विनोद कुमार, शक्ति प्रसाद महतो, जितेंद्र प्रसाद, शिक्षिका ममता कुमारी, मनोरमा कुमारी आदि उपस्थित थे।

## बेरमो प्रखंड कार्यालय में गुरुजी को दी गयी श्रद्धांजलि

**फुसरो/आइएलएल/बेरमो (आजाद सिपाही)।** झारखंड के महान आदिवासी नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर बेरमो प्रखंड सभागार में शोकसभा आयोजित की गयी। जिसमें बीडीओ मुकेश कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे। बीडीओ ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन का अत्यंत दुखद समाचार मिला। उनकी कमी हम सभी को हमेशा खलेगी। दूसरी ओर, गोमिया थाना परिसर में भी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी रवि कुमार सहित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दिशोम गुरु की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। गोमिया थाना के सभी पुलिस कर्मियों ने कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर थाना प्रभारी रवि कुमार ने कहा कि बाबा शिबू सोरेन के संघर्षमयी जीवन, आदिवासी समाज के उत्थान के लिए उनके योगदान और झारखंड राज्य के निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को याद किया।

## माले नेताओं ने दी गुरुजी को श्रद्धांजलि

**करगली (आजाद सिपाही)।** झारखंड आंदोलन सामाजिक न्याय और आदिवासी अधिकारों के संघर्ष के योद्धा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर भाकपा माले नेताओं ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त किया है। भाकपा माले राज्य स्थाई कमेटी के सदस्य भूवनेश्वर केवट, जिला सदस्य दुर्गा सिंह ने निधन की खबर मिलते ही मोरहाबादी आवास और उनके गांव नेमरा जाकर पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। भाकपा माले राज्य कमेटी के सदस्य विकास कुमार सिंह, पेटरवार प्रखंड सचिव पंचानन मंडल, कोल माइंस वर्कर्स यूनियन और माले नेता बालेश्वर गोप, युवा नेता राज केवट, जिला कमिटी सदस्य बालेश्वर यादव, केशव सिंह यादव, बैजनाथ सिंह, गोमिया प्रखंड सचिव सुरेंद्र यादव, जगलाल सोरेन, शोभा देवी, अजय रविदास, सुरेंद्र घासी सहित अन्य नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित किया है। माले नेताओं ने कहा कि गुरुजी झारखंड आंदोलन महाजनी, सूदखोरी और जमीन लूट के खिलाफ समझौता विहीन संघर्ष की उपज हैं। उनका निधन झारखंडी के राजनीति की एक पीढी का अंत है। अलग राज्य दान में नहीं, बल्कि संघर्ष की देन है। 90 के दशक में संयुक्त मोर्चा की ओर से आहूत झारखंड बंद और आर्थिक नाकेबंदी में इनकी चौतरफा तैयारी और मतांतर के बावजूद विभिन्न राजनीतिक दलों को आंदोलन के साथ लेकर जन भागीदारी के जरिए अलग राज्य हासिल करना इनके चमत्कारी कुशल नेतृत्व की ही देन है।

## युवा कांग्रेसियों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

**डुमरी/बेरमो (आजाद सिपाही)।** युवा कांग्रेस ने मंगलवार को अनुमंडल परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिवंगत शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर युवा कांग्रेस के जिला महासचिव गुड्डु मलिक, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मंडल, कांग्रेस प्रखंड उपाध्यक्ष भुवनेश्वर दास, कांग्रेस महासचिव दीपक जैन, युवा कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष कपिल ठाकुर, युवा कांग्रेस प्रखण्ड महासचिव सादिक अली, युवा कांग्रेस प्रखंड सचिव युसूफ अंसारी, छोटू शर्मा, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष खुर्शीद अंसारी, धर्मेंद्र साव, फूलमानी देवी, मंटू कमार, नारायण कमार, सिद्धू कमार, आसिफ अंसारी, शेखावत अंसारी और इकबाल अंसारी आदि उपस्थित थे।

## फिलीपींस के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

# हम पसंद से दोस्त, नियति से साझेदार

आजाद सिपाही संवाददाता

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत दौरे पर आए फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर से राष्ट्रीय राजधानी नयी दिल्ली में मुलाकात की। साथ ही गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच दोस्ताना और गहरे रिश्तों को आगे बढ़ाने के लिए बातचीत हुई। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भारत और फिलीपींस के बीच सभ्यता, इतिहास और लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव पर आधारित पुराने रिश्ते हैं। दोनों नेताओं के बीच हो रही बातचीत का उद्देश्य दोनों देशों की दोस्ती और आपसी सहयोग को और मजबूत करना है। इस मुलाकात से उम्मीद की जा रही है कि भारत और फिलीपींस के संबंध और भी मजबूत होंगे और कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा।

**भारत-फिलीपींस की मबजूत दोस्ती पर की बात :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से दोस्त हैं और उनकी दोस्ती नियति से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक दोनों देशों को साझा मूल्य जोड़ते हैं। यह दोस्ती केवल पुरानी नहीं बल्कि भविष्य के लिए भी एक मजबूत वादा है। पीएम

मोदी ने कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और 'महासागर' विजन में फिलीपींस एक महत्वपूर्ण साझेदार है। दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियमों पर आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।

**भारत और फिलीपींस के बीच हर स्तर पर सहयोग जारी :** पीएम मोदी ने बताया कि दोनों देशों के बीच हर स्तर पर बातचीत और सहयोग जारी है। आज दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग, क्षेत्रीय मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में भारत-फिलीपींस संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाने का फैसला किया गया है। इस साझेदारी को सफल बनाने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना भी बनाई गई है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 3 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इसे और मजबूत करने के लिए भारत-आसियान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की समीक्षा पूरी करने और द्विपक्षीय प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट पर काम करने का निर्णय लिया गया है।

**दोनों देशों के बीच दिन-ब-दिन मजबूत होते रिश्ते पर दिया जोर :** पीएम मोदी ने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के साथ वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा संबंध दिन-ब-दिन मजबूत हो रहे हैं। दोनों देश समुद्री राष्ट्र हैं, इसलिए समुद्री सहयोग जरूरी और स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना के तीन जहाज फिलीपींस में हो रही नौसेना अभ्यास में भाग ले रहे हैं, जिसमें भारत का हाइड्रोग्राफी जहाज भी शामिल है।


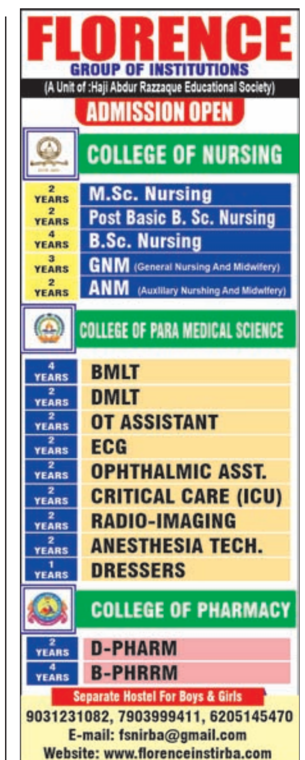

# पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

- बिहार सहित 4 राज्यों के राज्यपाल रहे, आज ही के दिन उनके कार्यकाल में आर्टिकल-370 हटा था

आजाद सिपाही संवाददाता

**नयी दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने दोपहर 1:12 बजे अंतिम सांस ली। सत्यपाल मलिक लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। 11 मई को हालत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे जम्मू-कश्मीर, बिहार, गोवा और मेघालय के राज्यपाल रहे। 2018 में ओड़िशा के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला।

सत्यपाल 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे। इन्हीं के कार्यकाल के दौरान ही आज ही के दिन 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाया गया था।

## चुनाव आयोग ने डाटा सुरक्षा नीति उल्लंघन पर पश्चिम बंगाल के दो इआरओ-एइआरओ को किया निलंबित

**नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)।** डाटा सुरक्षा नीति का उल्लंघन करने पर चुनाव आयोग ने कार्रवाई की है। चुनाव आयोग ने इआर डाटाबेस के लॉगिन क्रेडेंशियल साझा करने पर पश्चिम बंगाल के दो इआरओ (निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) और दो एइआरओ (सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) को निलंबित कर दिया है। आयोग ने दोनों अफसरों को गंभीर चूक करने, अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहने और अनाधिकृत व्यक्तियों के साथ इआर डाटाबेस के अपने लॉगिन क्रेडेंशियल साझा करने का दोषी माना है। चुनाव आयोग के सचिव सुजीत कुमार मिश्रा ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा कि निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी मतदाता सूची की तैयारी और पुनरीक्षण का काम करता है। साथ ही मतदाता सूची की तैयारी, पुनरीक्षण, संशोधन और चुनाव संचालन के वक्त इन अधिकारियों को चुनाव आयोग के अधीन माना जाता है।

## उत्तराखंड के धराली में बादल फटा, पूरा गांव बहा ले गया

# घर-होटल मलबे में दबे, 4 की मौत

- रेस्क्यू टीम एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के साथ आर्मी भी मौके पर पहुंची

आजाद सिपाही संवाददाता

**उत्तरकाशी।** उत्तराखंड के धराली में बादल फटने से खीर गंगा गांव बह गया है। घटना मंगलवार दोपहर 1.45 बजे की है। घटना के कई वीडियो और फोटोज सामने आये हैं। इनमें दिख रहा है कि पहाड़ी से बारिश का पानी और मलबा आया और 34 सेकेंड में पूरा गांव बहा ले गया।

उत्तरकाशी के डीएम प्रशांत आर्या ने बताया कि अब तक 4 लोगों की मौत की खबर मिली है। 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। कई लोगों के दबे होने की खबर है। धरावी गांव देहरादून से 218 किमी और गंगोत्री धाम से 10 किमी दूर है। रेस्क्यू टीम एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के साथ आर्मी भी मौके पर पहुंच गयी है।

**पानी का सैलाब देख चीखने लगे :** पानी का सैलाब गांव की तरफ आते ही लोगों में चीख पुकार मच गई। कई होटलों में पानी और मलबा घुस गया है। धराली बाजार पूरी तरह तबाह हो गया है। कई होटल दुकानें ध्वस्त हो चुकी हैं। यहां पिछले 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है। सीएम धामी ने कहा कि हम हालातों पर नजर बनाये हुए हैं।

# वायुसेना और नौसेना ने ब्रह्मोस मिसाइलों का दिया बड़ा ऑर्डर

- इनसे ही ऑपरेशन सिंदूर में तोड़ी पाकिस्तान की कमर

आजाद सिपाही संवाददाता

**नयी दिल्ली।** पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइलों ने अहम भूमिका निभायी थी। अब खबर आयी है कि भारतीय वायुसेना और नौसेना ने ब्रह्मोस मिसाइलों का एक बड़ा ऑर्डर देने जा रही हैं। ब्रह्मोस मिसाइलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभायी थी और पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचाया था।

एक शीर्ष रक्षा विशेषज्ञ ने न्यूज एजेंसी एएनआइ को बताया कि रक्षा मंत्रालय की एक उच्च स्तरीय बैठक जल्द होगी, जिसमें बड़ी संख्या में ब्रह्मोस मिसाइलों के अधिग्रहण को मंजूरी दी जायेगी। ये खरीद भारतीय नौसेना के युद्धक जहाजों और भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के लिए की जायेगी। ब्रह्मोस एक लंबी दूरी की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली है, जिसे जमीन, समुद्र और हवा तीनों जगह से प्रक्षेपित (लॉन्च) किया जा सकता है। ब्रह्मोस को डीआरडीओ, भारत और रूस के एनपीओएम द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**